डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, सोमवार 19.02.2024 से 25.02.2024 ▶ वर्ष 41 ▶ अंक 08 ▶ मूल्य ₹ 10.00

— प्रधानमंत्री ने जनजातीय सम्मेलन में प्रदेशवासियों को दी 7500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात —

केन्द्र सरकार प्रदेशवासियों के विश्वास और विकास के प्रति प्रतिबद्ध तथा कृत संकल्पित है

भोपाल, केन्द्र सरकार पिछले दस वर्षों में जनजातीय उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए समर्पित रही है। मध्यप्रदेश देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है कि डबल इंजन की सरकार कैसे काम करती है। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झाबुआ में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने लगभग 7500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि झाबुआ यात्रा लोक सेवक के रूप में प्रदेश की जनता का आभार प्रकट करने के उद्देश्य से है जिसने विधानसभा में विकास के प्रति जो प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों की विकास के प्रति प्रतिबद्धता निरंतर दृढ़ रहेगी। केन्द्र सरकार जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए कृत संकल्पित है। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा और श्री फग्गनसिंह कुलस्ते, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ के गोपालपुरा में रिमोट से बटन दबाकर लगभग 7500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

टंट्या भील विश्वविद्यालय की घोषणा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि झाबुआ, खरगोन, अलीराजपुर, धार, बड़वानी सहित मध्यप्रदेश के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण, गांवों की बेहतरी के लिए आदर्श गांव योजना में जारी राशि, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बड़ी रेल परियोजनाएं, रतलाम और मेघनगर रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और जनजातीय समाज की दो लाख बहन बेटियों के खातों में जारी 1500-1500 रुपए देने जैसे विकास के काम बताते हैं कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार डबल तेजी से काम कर रही है। विकास के इस महाभियान का श्रेय जनता को जाता है।

विकास के रास्ते पर मध्यप्रदेश तेजी से दौड़ रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास के रास्ते पर मध्यप्रदेश तेजी से दौड़ रहा है। पहले यह देश के सबसे बीमारु राज्य में गिना जाता था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने पहली बार जनजातीय समाज के लिए नया मंत्रालय बनाया और बजट का विशेष प्रावधान किया तथा जनजातीय इलाकों और जनजातीय लोगों के विकास को प्राथमिकता दी।

क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री ने लगभग 7500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें प्रधानमंत्री सड़क, रेल, बिजली और जल क्षेत्र से संबंधित अनेक परियोजनाएं शामिल हैं। साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन की आधारशिला रखी एवं 'सीएम राइज़ स्कूल' रजला झाबुआ का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को 1.75 लाख अधिकार अभिलेख वितरित किये। प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना' के अंतर्गत 559 गांवों के लिए 56 करोड़ रुपये जारी किए।

उप मुख्यमंत्री ने विधानसभा में प्रस्तुत किया वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखानुदान

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखानुदान विधानसभा में प्रस्तुत किया। संविधान के अनुच्छेद 206 (1) के अंतर्गत निरंतर व्यय के मदों के लिये नवीन सेवायें अथवा व्यय के नये मद/शीर्ष सम्मिलित नहीं हैं। लेखानुदान का उद्देश्य अंतिम आपूर्ति की स्वीकृति होने तक सरकार के क्रियान्वयन को जारी रखना है। करारोपण संबंधी नये प्रस्ताव तथा व्यय के नवीन मद सम्मिलित नहीं हैं। द्वितीय अनुपूरक अनुमान में सम्मिलित नवीन योजनाओं के लिये प्रावधान है। लेखानुदान की अवधि समाप्त होने के पूर्व अनुदान की पुनरीक्षित मांगें सदन के समक्ष प्रस्तुत की जायेंगी। लेखानुदान द्वारा प्राप्त राशि मुख्य बजट में समाहित की जायेंगी। लेखानुदान 4 माह (एक अप्रैल से 31 जुलाई, 2024) के लिये है। वित्तीय वर्ष हेतु बजट में सम्मिलित राशि 3,48,986.57 करोड़ है। लेखानुदान के लिये राशि रुपये 1,45,229.55 करोड़ है। लेखानुदान राशि में मतदेय राशि रुपये 1,19,453.05 करोड़ तथा भारित राशि रुपये 25,776.51 करोड़ है।

बजट अनुमान 2024-25 का वार्षिक वित्तीय विवरण

वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में कुल राजस्व प्राप्तियां राशि रुपये 2,52,268.03 करोड़ है। इसमें राज्य कर से राजस्व प्राप्तियां रुपये 96,553.30 करोड़ है। गैर कर राजस्व प्राप्तियां रुपये 18,077.33 करोड़ है। बजट अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,51,825.13 करोड़ है। वर्ष 2023-24 में पुनरीक्षित अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,31,112.34 करोड़ है। वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान में राजस्व आधिक्य रुपये 442.90 करोड़ है। कुल पूंजीगत प्राप्तियां का बजट अनुमान रुपये 59,718.64 करोड़ है एवं वर्ष 2024-25 में कुल पूंजीगत परिव्यय का बजट अनुमान 59,342.48 करोड़ है।

संक्षिप्त खबर

ग्रामीण पर्यटन के लिए एमपी टूरिज्म को स्कॉच अवॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को नई दिल्ली में 96वें स्कॉच समिट में ग्रामीण पर्यटन परियोजना के लिए टूरिज्म श्रेणी में अवॉर्ड प्रदान किया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिवशेखर शुक्ला ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह पुरस्कार ग्रामीण पर्यटन परियोजना में और अधिक ऊर्जा और उत्साह के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया न्यू दिल्ली में आयोजित एक समारोह में पर्यटन बोर्ड की ओर से संचालक श्री मनोज सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने ग्रामीण पर्यटन परियोजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के छह संस्कृति क्षेत्र में सौ गांवों का चयन किया हैं। इसमें लगभग 30 गांवों में परियोजना का कार्य प्रारंभ हो गया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री का सुशासन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अभिनंदनीय है

भोपाल, राज्य स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि, देश की संपूर्ण अर्थव्यवस्था की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। विनिर्माण क्षेत्र बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसरों का सृजन करता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित नीति आयोग की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने भारत के विनिर्माण विकास में प्रदेश की सहभागिता पर चर्चा करते हुए कहा कि घरेलू बाजार में आपूर्ति सशक्त करने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा व स्थायित्व के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व ने देश को नई पहचान दी है।

विश्वास के साथ योजनाएं क्रियान्वित हो रहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सुशासन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अभिनंदनीय है। नीति आयोग ने देश की विकास प्रक्रिया को गति और निश्चित दिशा प्रदान की है।

प्रदेश के विकास और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हर क्षेत्र में होंगे कार्य

भोपाल, प्रदेश के विकास और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हर क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे। उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा और बांस का उत्पादन बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर खेती की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में नीति आयोग के सदस्यों के साथ चर्चा के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शीघ्रता से इस कार्यवाही को शुरू करें। बैठक में कृषि, फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल, आटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रानिक, माइनिंग, स्वास्थ्य और पोषण आदि क्षेत्रों पर विचार- विमर्श किया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, नीति आयोग, भारत सरकार के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नीति आयोग भारत सरकार के सीनियर एडवाइजर श्री इशियाक अहमद ने प्रस्तुतीकरण दिया।

नीति आयोग के सुझावों पर अमल होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कपास का उत्पादन बहुत अधिक मात्रा में होता है। जिसका मध्यप्रदेश में अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल सेक्टर के अंतर्गत विभिन्न शहरों में उद्योग शुरू होंगे।

महिलाओं की विज्ञान में सहभागिता

महिलाओं के लिए संभावनाओं के द्वार खुले हैं, वे प्रयास कर आगे बढ़ें

भोपाल, विज्ञान में महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करने और इसे रेखांकित करने के लिए राज्य सरकार समर्पित है। इस उद्देश्य से यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है और इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मैं स्वयं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिलाओं की विज्ञान में सहभागिता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व के सभी देशों की दृष्टि से यह दिन महत्वपूर्ण तो है ही परंतु भारत के संदर्भ में इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। क्योंकि हमारी संस्कृति में सदैव मातृ शक्ति को सम्मान दिया गया है। हमारे यहाँ ज्ञान की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी हैं तथा हम देश को भी भारत माता के स्वरूप में स्वीकार करते हैं।

इनका हुआ सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीखो कमाओ योजना में आठ हजार चयनित प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रुपये स्टाइपेंड सिंगल क्लिक से वितरित किए। इसमें साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स क्षेत्र में महिलाओं का सम्मान किया और रोज़गार मेलों में चयनित अभ्यर्थियों में कुमारी महक शुक्रवारे, कुमारी रूबी सिंह यादव, कुमारी ऐश्वर्या तिवारी, कुमारी रागिनी रावत, कुमारी श्रद्धा कुशवाह, कुमारी आरती कुदापे को ऑफर लेटर दिए।

10 फरवरी

नई दिल्ली में पुस्तक मेला शुरू

● केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 52वें

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले की थीम 'बहुभाषी भारत : एक जीवंत परंपरा', भारत की भाषाई विविधता और वैश्विक साहित्यिक परंपराओं का उत्सव है। मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि यह मेला साहित्य, विविध संस्कृतियों, कलात्मक अभिव्यक्तियों और ज्ञान का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है। इस दौरान उन्होंने बजट 2023-24 में घोषित 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरीज़ फॉर ऑल' का ऐप लॉन्च किया। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय बच्चों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गैर-शैक्षणिक पुस्तकों तक पहुँचने के लिए अपनी तरह की पहली डिजिटल लाइब्रेरी है।

● वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने पुणे के गिरिनगर स्थित सैन्य प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईएलआईटी) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रक्षा सेवा तकनीकी स्टाफ कोर्स (डीएसटीएससी-06) के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने 'भारतीय वायुसेना को एक समकालीन और भविष्य के लिए तैयार एयरोस्पेस बल में परिवर्तित करने' पर बात की। उन्होंने राष्ट्रीय आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता और आपदा राहत एवं संघर्ष क्षेत्रों से भारतीय प्रवासियों को निकालने में भारतीय वायुसेना द्वारा निभाई गई शानदार भूमिका पर प्रकाश डाला।

11 फरवरी

वेयरहाउसिंग डेवलपमेंट रेगुलेटरी अथॉरिटी और पीएसबी के बीच समझौता

● वेयरहाउसिंग डेवलपमेंट रेगुलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्यूडीआरए) ने पंजाब एंड

सिंध बैंक (पीएसबी) के साथ समझौता किया है। किसानों और व्यापारियों को कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने हेतु यह समझौता किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीद (ई-एनडब्ल्यूआर) से संबंधित फंडिंग के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य भारत में कृषि संबंधी वित्त में सुधार करना एवं जमाकर्ताओं को लाभों की जानकारी प्रदान करना है। पीएसबी बिना किसी गारंटी के ई-एनडब्ल्यूआर के माध्यम से ऋण की पेशकश कर रहा है। कृषि क्षेत्र के अंतर्गत 75 लाख रुपये और अन्य श्रेणी के उधारकर्ताओं के लिए पांच करोड़ रुपये का ऋण दिया जाता है।

● सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू ने प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित 'इंडिया ईयर बुक 2024' और 'कॅरियर कॉलिंग' का विमोचन किया। भारत की प्रगति से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान करने वाली 'इंडिया ईयर बुक 2024' एक वार्षिक संदर्भ पुस्तक है। जबकि 'कॅरियर कॉलिंग' साप्ताहिक समाचार पत्र रोज़गार समाचार में हाल ही में प्रकाशित लेखों का एक विचारशील संग्रह है। यह छात्रों और युवाओं को कॅरियर के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेगी। यह पुस्तक आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में सुविचारित विकल्पों के महत्व पर जोर देती है।

12 फरवरी

हैदराबाद में संगीत नाटक अकादमी के क्षेत्रीय केंद्र का शुभारंभ

● हैदराबाद में संगीत नाटक अकादमी का क्षेत्रीय केंद्र शुरू किया गया है। इसे दक्षिण

भारत सांस्कृतिक केंद्र के नाम से जाना जाएगा। पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू और केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में अथक प्रयास किया है। उन्होंने हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा में मातृभाषा की भूमिका पर भी जोर दिया। अकादमी की अब तक दक्षिण भारत में कोई उपस्थिति नहीं थी। इस केंद्र की परिकल्पना संगीत, लोक और आदिवासी कला, थिएटर और कठपुतली के अनुसंधान और प्रलेखन को बढ़ावा देने के लिए की गई है।

● भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर के साथ एक समझौता किया है। आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित 100 क्यूब स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव के दौरान यह समझौता किया गया। इसका उद्देश्य नवाचार और अनुसंधान पहल, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्टार्ट-अप ईकोसिस्टम में सहयोगात्मक प्रयासों का समर्थन करना है। यह समझौता संयुक्त अनुसंधान प्रयासों व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाएगा। यह स्टार्ट-अप ईकोसिस्टम को व्यापक समर्थन प्रदान करेगा। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाएं जैसी क्षमता निर्माण पहल भी शामिल होंगी, जिनसे अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

13 फरवरी

भारतीय वायुसेना की टीम सिंगापुर एयर शो में लेगी हिस्सा

● भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम सिंगापुर

एयर शो में हिस्सा लेगी। 71 कर्मियों की यह टीम पांच उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों 'ध्रुव' के साथ शानदार हवाई करतबों का प्रदर्शन करेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन और परिकल्पित 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर ऑल वेदर, मल्टी-मिशन में सक्षम हेलीकॉप्टर है। द्विवार्षिक सिंगापुर एयर शो 20 फरवरी से 24 फरवरी 2024 तक चलेगा। सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का गठन 2003 में किया गया था। इसका पहला अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रदर्शन 2004 में एशियन एयरोस्पेस शो, सिंगापुर में ही हुआ था। यह टीम दुनियाभर में 385 से अधिक स्थानों पर 1200 से अधिक प्रदर्शन कर चुकी है।

● केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबलों की भर्ती के लिए कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा पहली बार हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित होगी। यह परीक्षा देशभर के 128 शहरों में 20 फरवरी से 7 मार्च 2024 तक आयोजित की जाएगी। इसमें करीब 48 लाख उम्मीदवार हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने 01 जनवरी, 2024 से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में भर्ती के लिए कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने का फैसला किया था। कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा के प्रश्न पत्र अब हिन्दी और अंग्रेजी के अलावा असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी भाषाओं में तैयार किए जाएंगे।

14 फरवरी

जयप्रकाश नारायण नागरी सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के बासमठ नगर में स्थित जयप्रकाश नारायण नागरी सहकारी बैंक

का लाइसेंस रद्द कर दिया है। रिजर्व बैंक ने सहकारिता समितियों के सहकार और पंजीयक आयुक्त से बैंक का संचालन बंद करने का आदेश जारी करने और लिक्विडेटर नियुक्त करने को कहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी नहीं थी और कमाई की कोई संभावना नहीं थी, इसलिए यह कार्रवाई की गई है। रिजर्व बैंक ने कहा कि लिक्विडेशन के बाद बैंक का प्रत्येक जमाकर्ता अपनी जमा राशि पर दावा करने का हकदार होगा। बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार लगभग 99.78 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

● तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (संशोधन) विधेयक 2024 पारित कर दिया है। इसमें राज्य में सभी हुक्का पार्लर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से विधेयक को पारित कर दिया। इस विधेयक में पहले से मौजूद सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध और उनके व्यापार, उत्पादन, आपूर्ति तथा वितरण को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया था। विधेयक पेश करते हुए तेलंगाना के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि जो लोग हुक्का पार्लर चला रहे हैं, वे हुक्के की लत के शिकार हो रहे युवाओं में इसके प्रति आकर्षण का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति हुक्का पार्लर चलाता पाया गया, तो उसे कड़ी सजा मिलेगी। कानून के तहत इस मामले में सात वर्ष की जेल और पचास हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

15 फरवरी

पायलट प्रोजेक्ट 'स्मार्ट ग्राम पंचायत : ग्राम पंचायत के डिजिटलीकरण की दिशा में क्रांति' लॉन्च

● केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राजमंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'स्मार्ट ग्राम

पंचायत : ग्राम पंचायत के डिजिटलीकरण की दिशा में क्रांति' का उद्घाटन किया। यह पहल बेगूसराय जिले के बरौनी ब्लॉक के पपरौर ग्राम पंचायत में शुरू की गई है। यह पायलट प्रोजेक्ट बिहार के बेगूसराय जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पीएम-वाणी (प्रधानमंत्री की वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस) सेवा का विस्तार करने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया है। बेगूसराय अब पीएम-वाणी योजना के तहत सभी ग्राम पंचायतों को वाई-फाई सेवाओं से लैस करने वाला बिहार का पहला जिला बन गया है। इस अवसर पर श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ग्रामीण समुदायों की भलाई और विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना महत्त्वपूर्ण है। ग्राम पंचायतों में वाई-फाई सेवाओं के लॉन्च होने से सरकार द्वारा परिकल्पित सकारात्मक परिवर्तन ग्रामीण जीवन के विभिन्न पहलुओं में दिखेगा।

● राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सार्वजनिक परीक्षा कदाचार रोकथाम विधेयक 2024 को मंज़ूरी दे दी है। विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली और अनुचित तरीकों के इस्तेमाल को रोकना है। इसके अलावा अनुचित तरीकों में प्रश्न-पत्र या उत्तर लीक होना, परीक्षा के दौरान उम्मीदवार तक मदद पहुंचाना, कम्प्यूटर नेटवर्क की टेम्परिंग, फर्जी परीक्षा आयोजित करना, फर्जी प्रवेश-पत्र जारी करना शामिल है। इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता बहाल करना तथा युवाओं में यह भरोसा जगाना है कि उनके ईमानदार और निष्ठापूर्ण प्रयासों का समुचित प्रतिफल मिलेगा और उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा। विधेयक में अपराध साबित होने पर 3-10 वर्ष तक के कारावास और 10 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

16 फरवरी

संयुक्त अरब अमीरात ने शुरू किया फाल्कन फाउंडेशन

● संयुक्त अरब अमीरात ने फाल्कन फाउंडेशन की शुरुआत की है। यह

जेनेरेटिव एआई मॉडल को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। अबूधाबी की उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद के नेतृत्व में इसकी शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को लोकतांत्रिक बनाना और तकनीकी विकास में तेजी लाना है। यह फाउंडेशन सिर्फ संयुक्त अरब अमीरात के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने वाले सभी लोगों को लाभ पहुंचाना है।

● परिवहन ईंधन में ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल के लिए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन एक पायलट परियोजना लागू करेगा। योजना के अंतर्गत बस, ट्रक और चार पहिया वाहनों के ईंधन में ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल की प्रौद्योगिकी विकसित की जाएगी। साथ ही हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले पम्प स्टेशनों के बुनियादी ढांचे भी विकसित होंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

विद्युत मण्डल पेंशनर्स की समस्याओं पर लेंगे निर्णय

भोपाल, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान श्री तोमर ने कहा कि विद्युत मण्डल पेंशनर्स की समस्याओं पर विचार कर सकारात्मक निर्णय लिया जायेगा। श्री तोमर ने कहा कि आपके द्वारा दिये गये ज्ञापन के एक-एक बिन्दु पर चर्चा कर यथोचित निर्णय लिया जायेगा। पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि महंगाई राहत के लिये छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सहमति की अनिवार्यता को खत्म किया जाये। तीस जून को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी जाये। एक तारीख को पेंशन मिलना सुनिश्चित किया जाये।

वर्ष 41, अंक 08 19.02.2024 से 25.02.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में प्रशंसनीय पहल है जल-हठ अभियान

भारत के ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले ही प्रकृति, पर्यावरण और पानी को लेकर संयमित, संतुलित और संवेदनशील व्यवस्था का सृजन किया था। मध्यप्रदेश में जल के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में निरंतर कार्य हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आजादी के अमृत काल में लिये गये अमृत सरोवर निर्माण के संकल्प में मध्यप्रदेश प्रगति पर है। जल की महत्ता, जल संचय और वर्षा के जल की उपयोगिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में एक नई पहल जल-हठ अभियान का आरंभ होने जा रहा है। यह महज एक अभियान नहीं बल्कि जल संचय की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान एक ऐसे समय में शुरू हो रहा है, जब पानी की कमी को पूरे विश्व में भविष्य के संकट के रूप में देखा जा रहा है। 21वीं सदी में दुनिया इस बात की गंभीरता को समझ रही है कि हमारी धरती के पास जल संसाधन कितने सीमित हैं। जल रहेगा, तभी आने वाला कल भी रहेगा और इसके लिए मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रशंसनीय पहल की गई है। प्रदेश में इस अभियान को सफल बनाने के लिए जल संसाधान विभाग और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। विगत दिनों इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन अनुसार प्रदेश में प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल संचयन की कार्ययोजना बनाई जा रही है। प्रदेश में पंचायत स्तर पर स्थित 10 हेक्टेयर क्षेत्रफल से छोटे तालाबों में वर्षा का जल रोकने, जल भराव के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त करने और उनके चारों ओर की मेढ़ को व्यवस्थित करने के लिए जन अभियान चलाया जाएगा। जल हठ अभियान को प्रभावी रूप देने के लिए प्रथम चरण में प्रदेश के 200 से 250 तालाबों को उनके पुरातन स्वरूप में लाया जायेगा।

हमारी ऐतिहासिक विरासत में चोल, गोंड, संस्कृति में जल परिवहन और जल संरचनाओं को सबसे व्यवस्थित माना गया है जो हमारे लिए आदर्श है। जल हठ अभियान को धरातल पर उतारने के लिए माइक्रो-प्लानिंग के साथ काम किया जायेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एक मॉडल विकसित करेगा, जिसमें मनरेगा से बजट का प्रावधान कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। प्रदेश के सभी जिलों के तालाबों को चिन्हित कर विशेष कार्य योजना बनाये जाने और बजट प्रावधान के साथ धरातल पर कार्य रूप में परिणित करने का लक्ष्य है। प्रदेश स्तर पर इसके लिए रणनीतिक रूप से एक मॉडल बनाकर एबीसी ग्रेडिंग कर तालाबों के गहरीकरण, पेचिंग, बंधान और पौधारोपण के काम की शुरुआत होगी। तालाबों पर अतिक्रमण को हटाने के लिए जिलों के राजस्व अमले को निर्देश दिये जायेंगे। राजस्व विभाग द्वारा इन सभी तालाबों का सीमांकन किया जाएगा और जल भराव वाले क्षेत्रों को अंकित कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त करने की कार्ययोजना को वृहद रूप से क्रियान्वित किया जायेगा। बैठक में सहमति जताई गयी कि प्रथम चरण में प्रदेश के 250 तालाबों की जल संवर्धन तथा जल संरक्षण कार्य योजना अनुसार 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाये।

इस अभियान के अंतर्गत ऐसे तालाबों को भी संरक्षित करने का कार्य किया जाएगा, जिससे आस-पास की आबादी के पेयजल और भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सके। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में वर्षा की असामान्य स्थिति को देखते हुए वर्षा के जल को रोकना और उसका बेहतर उपयोग बहुत जरूरी है, जल हठ अभियान इसमें एक मील का पत्थर साबित होगा।

पृथ्वी से 676 किलोमीटर ऊपर रहकर महासागरों और वायुमंडल की स्टडी करेगा पेस उपग्रह

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने विगत दिनों अपने लेटेस्ट सैटेलाइट (उपग्रह) का प्रक्षेपण किया है। नासा ने इस सैटेलाइट का नाम पेस रखा है। इसका मतलब प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, महासागर इकोसिस्टम है। यह सैटेलाइट दुनियाभर के महासागरों और वायुमंडल के बारे में वो जानकारियां एकत्रित करेगा, जिसके बारे में अभी तक वैज्ञानिकों को जानकारी नहीं है। पेस सैटेलाइट को एलन मस्क की स्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने लॉन्च किया। मिशन की लागत 948 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 7866 करोड़ रुपये) है। रिपोर्ट के अनुसार, स्पेसएक्स के फाल्कन रॉकेट ने सैटेलाइट को लॉन्च किया। यह सैटेलाइट पृथ्वी से 676 किलोमीटर ऊपर रहकर पृथ्वी के महासागरों और वायुमंडल की स्टडी करेगा। तीन साल का यह मिशन हर रोज 2 साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए ग्लोब को स्कैन करेगा।

प्रोजेक्ट साइंटिस्ट जेरेमी वेर्डेल के अनुसार यह ग्रह के लिए अभूतपूर्व है। सैटेलाइट के ऑब्जर्वेशन से वैज्ञानिकों को तूफान व मौसम के अन्य पूर्वानुमानों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। यह भी पता चलेगा कि तापमान बढ़ने से हमारे ग्रह पर क्या असर हो रहा है। पेस मिशन से पहले भी नासा के करीब दो दर्जन अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट अंतरिक्ष से पृथ्वी पर शोध कर रहे हैं। पेस मिशन इसलिए अलग है क्योंकि यह इस बारे में जानकारी दे सकता है कि प्रदूषक और ज्वालामुखी की राख जैसे वायुमंडलीय एरोसोल, शैवाल और प्लैंकटन जैसे समुद्री जीवन के साथ कैसे जुड़ते हैं। कुल मिलाकर यह हानिकारक शैवालों और प्रदूषकों के बीच कनेक्शन का पता लगा सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार वर्तमान में सैटेलाइट्स सात या आठ रंगों में पृथ्वी का ऑब्जर्वेशन करते हैं। लेकिन पेस सैटेलाइट 200 रंगों में हमारे ग्रह से जुड़ी जानकारी जुटाएगा। इससे वैज्ञानिकों को समुद्र में शैवाल के टाइप और हवा में मौजूद प्रदूषकों के प्रकारों की पहचान करने में मदद मिलेगी।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

जनजातीय जन-मन कल्याण के प्रेरक प्रधानमंत्री श्री मोदी

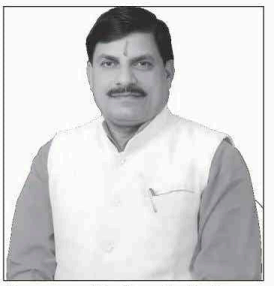

● डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश हर्षित है, उत्साहित है। देश के लोकप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी झाबुआ में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करने पधारे। ये दिन विशिष्ट है। हम पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मना रहे हैं। उनका एकात्म मानववाद का दर्शन ही हमारे लिए पाथेय है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर समाज और सरकार को कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाले पं. दीनदयाल जी उपाध्याय का पूरा जीवन समर्पण का प्रतीक था।

यह ऐतिहासिक संयोग है कि संथाल परगने में क्रांतिकारी जनजातीय नायक वीर तिलका मांझी का जन्म 11 फरवरी को हुआ था। जनजातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री जी का स्नेह, समर्पण और सम्मान हम सब जानते हैं। उन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार किया और झाबुआ आने पर सहमति दी। झाबुआ साधारण क्षेत्र नहीं है। पराधीनता का सल्तनत काल हो या अंग्रेजीराज, इस क्षेत्र के वनवासी बंधुओं ने निरंतर संघर्ष भी किया और यहां आने वाले प्रत्येक क्रांतिवीर को संरक्षण भी दिया। यह क्षेत्र क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जन्मभूमि रही है। प्रधानमंत्री जी के झाबुआ आगमन पर मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं।

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि जनजातीय समाज के जल, जंगल और जमीन पर आंच न आये तथा उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जाएं। उन्होंने देश के 11 करोड़ से अधिक जनजातीय बंधुओं के हितों को संरक्षण प्रदान किया है। इसीलिए आज जनजातीय समाज स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत के चार "अमृत स्तंभ"GYAN अर्थात् G से गरीब, Y से युवा A से अन्नदाता और N से नारी पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री जी का ज्ञान का सम्मान मंत्र है। प्रधानमंत्री जी के जनजातीय कल्याण के संकल्प की सिद्धि और विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है।

वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ विगत दिनों निकाली गई "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के सुखद परिणाम सामने आए हैं। यात्रा के दौरान केन्द्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत 50 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के प्रतिमान स्थापित कर रहा है। हम रामराज्य की परिकल्पना और विकसित भारत निर्माण दोनों को ही आकार लेते देख रहे हैं। चित्रकूट तथा ओरछा सहित प्रदेश की सीमाओं में संपूर्ण रामवनगमन पथ के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री जी ने "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" नारा दिया है। उनके मार्गदर्शन में हर गरीब और वंचित को सुविधाएं पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सब मिलकर सबके लिये कार्य करें, उनके इसी मंत्र को आत्मसात कर मध्यप्रदेश में हम काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में केन-बेतवा परियोजना की तरह पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की स्वीकृति दी गई है, जो प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातीय वर्ग के विकास के लिए अनेक पहल की हैं। उन्होंने श्रीअन्न के उपयोग पर जोर दिया, इससे समूची दुनिया में श्रीअन्न का प्रचलन बढ़ा। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की। इसमें कोदो-कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि के उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाएगी। प्रदेश के 14 जनजातीय बाहुल्य जिलों में जहां बैगा, भारिया और सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग निवासरत हैं, वहां आहार अनुदान योजना से लगभग 29 करोड़ 11 लाख रुपए का लाभ दिया है।

देश की 75 विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना आरंभ की है। इससे बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियों के जीवन में बदलाव लाने का कार्य होगा। प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखण्डों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में ग्राम स्तर तक राशन पहुंचाने के लिए "मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम" योजना लागू की गई है। सिकल सेल रोग की रोकथाम के लिए हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन लागू कर सिकल सेल स्क्रीनिंग, रोकथाम, प्रबंधन, जैनेटिक काउंसलिंग एवं जन-जागरुकता का कार्य किया गया है।

प्रधानमंत्री जी ने जनजातियों के स्वत्व, स्वाभिमान और स्वराज रक्षक भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को "जनजातीय गौरव दिवस"के रूप में घोषित कर जनजातीय समुदाय का मान बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में जनजातीय जननायकों की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिए स्मारक और संग्रहालय बन रहे हैं। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति, पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम टंट्या मामा के नाम पर रखा गया है। इन्दौर में भंवरकुआं चौराहे पर टंट्या मामा की मूर्ति स्थापित की गई। साथ ही इस चौराहे का नामकरण भी टंट्या मामा के नाम पर किया गया। छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय का नामकरण राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय और मंडला मेडिकल कॉलेज का नामकरण राजा हृदय शाह मेडिकल कॉलेज किया गया है। यह नामकरण स्वाधीनता और जनजातीय चेतना का प्रमाण है। इसी क्रम में संत शिरोमणि पूज्य रविदास जी की पावन स्मृति में प्रदेश के 30 अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों में संत रविदास स्मारक-सह-सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है।

जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये समर्पित प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से मध्यप्रदेश में जनजातियों के उत्थान के लिये कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। नई शिक्षा नीति लागू करने में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। जनजातीय युवाओं को स्व-रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध करवाने के लिये प्रदेश में भगवान बिरसा मुण्डा स्व-रोज़गार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना आदि लागू की गई है। इसी के साथ प्रदेश में जनजातीय युवाओं के कौशल विकास के लिए निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था है।

प्रदेश में वनोपजों के प्रबंधन का अधिकार अब ग्राम सभा को सौंपा गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3 हजार रुपए प्रति बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रुपए प्रति बोरा किया गया। इससे 35 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 165 करोड़ रुपए का लाभ होगा। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए "देवारण्य योजना"लागू की गई है। पेसा अधिनियम से प्रदेश में जल, जंगल, जमीन के अधिकार देने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से मध्यप्रदेश सरकार जो निर्णय ले रही है,वह भविष्य के संकल्पों को पूरा करने के लिए मोदी जी की गारंटी है। श्री मोदी जी के मन में मध्यप्रदेश है, इसीलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि जब भारत विश्व का विकसित राष्ट्र बनेगा तब मध्यप्रदेश भारत के प्रांतों में अग्रणी होगा।

आइए, अमृतकाल में अमृतपथ पर आगे बढ़ते हुए हम सभी विकसित भारत निर्माण के लिए विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लें।

भारतीय तटरक्षक में शामिल हों

(रक्षा मंत्रालय)

नाविक (जनरल ड्यूटी)

तटरक्षक नामांकित कार्मिक परीक्षण (सीजीईपीटी) के माध्यम से – 02/2024 बैच

13 फरवरी 24 (11:00 बजे) से 27 फरवरी 24 (17:30 बजे) तक

आवेदन 'ऑनलाइन' स्वीकार किया जाएगा

1. **पात्रता शर्तें :** संघ के सशस्त्र बल, भारतीय तट रक्षक में नाविक (सामान्य ड्यूटी) के पद पर भर्ती के लिए नीचे निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और आयु रखने वाले पुरुष भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

2. **शैक्षणिक योग्यता :**

(ए) नाविक (सामान्य ड्यूटी). काउंसिल ऑफ बोर्ड्स फॉर स्कूल एजुकेशन (सीओबीएसई) द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड से गणित और भौतिकी के साथ 10+2 उत्तीर्ण.

नोट : (i) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपनी मार्कशीट में उल्लिखित सभी विषयों के अंक भरने होंगे. ऑनलाइन आवेदन में अंक गलत या अधूरे भरने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

3. **आयु :** न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 22 वर्ष. नाविक (जीडी) पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का जन्म 01 सितंबर 2002 से 31 अगस्त 2006 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच होना चाहिए.

ध्यान दें : एससी/एसटी के लिए ऊपरी आयु में 5 वर्ष की छूट और ओबीसी (नॉन-क्रीमी) उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष की छूट, केवल पद उनके लिए आरक्षित होने पर ही लागू.

4. **रिक्ति :** नाविक (जीडी) के पद के लिए क्षेत्र/ज़ोनवार और श्रेणीवार रिक्ति की अस्थायी संख्या इस प्रकार है :-

क्षेत्र/ज़ोन	अनारक्षित (सामान्य)	ईडब्ल्यूएस	ओबीसी	एसटी	एससी	कुल
उत्तर	31	08	17	08	14	**79**
पश्चिम	26	07	14	07	12	**66**
उत्तर पूर्व	27	07	15	07	12	**68**
पूर्व	13	03	07	04	06	**33**
उत्तर पश्चिम	05	01	03	01	02	**12**
अंडमान और निकोबार	00	00	01	01	01	**03**
कुल	**102**	**26**	**57**	**28**	**47**	**260**

नोट :

(ए) विभिन्न क्षेत्र/ज़ोन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र/राज्यों का विवरण इस प्रकार है :

उत्तर-जम्मू और कश्मीर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़.

पश्चिम - छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गोवा, दादर और नगर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप.

उत्तर पूर्व - बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, त्रिपुरा, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, उड़ीसा.

पूर्व- आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी.

उत्तर पश्चिम- गुजरात

अंडमान और निकोबार- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह.

(बी) ये रिक्तियां अस्थायी हैं और प्रशिक्षण स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर बदल सकती हैं.

(सी) भले ही एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी)/ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए कोई रिक्ति आरक्षित न हो, ऐसे उम्मीदवार अभी भी आरक्षित उम्मीदवार के रूप में आवेदन कर सकते हैं. ऐसे उम्मीदवार किसी भी आयु और उत्तीर्ण अंकों में रियायत/छूट के पात्र नहीं होंगे. हालांकि, एससी/एसटी उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी.

चयन प्रक्रिया :

5. उम्मीदवार का चयन स्टेज-I, II, III और IV (पैरा 6 में विस्तार से बताया गया है) में उनके प्रदर्शन, चिकित्सा परीक्षा के दौरान निर्धारित चिकित्सा मानकों को पूरा करने और रिक्तियों की संख्या के आधार पर अखिल भारतीय योग्यता क्रम पर आधारित है. पद के लिए रिक्तियां उपलब्ध हैं. आईसीजी में भर्ती के लिए स्टेज-I, II, III और IV को पास करना और प्रशिक्षण में संतोषजनक प्रदर्शन अनिवार्य है. सीजीईपीटी के स्टेज-I, II, III की परीक्षा शुरू होने से पहले सभी उम्मीदवारों की अनिवार्य रूप से पहचान जांच की जाएगी. पहचान जांच में चयन प्रक्रिया के सभी चरणों में निम्नलिखित का सत्यापन/मिलान शामिल होगा :-

(ए) पंजीकरण के दौरान लाइव इमेज कैप्चर- उम्मीदवार को पंजीकरण के दौरान नवीनतम तस्वीर भी अपलोड करनी होगी. इसके अतिरिक्त, पंजीकरण के दौरान उम्मीदवार की लाइव फोटो खींची जाएगी. अपलोड की गई फोटो में उम्मीदवार के चेहरे की विशेषताओं का लाइव फोटो से मिलान किया जाएगा. फोटो मिलान की स्थिति में ही अभ्यर्थी आवेदन जमा कर सकेंगे. इसके अलावा, आवेदन पत्र में उम्मीदवार की तस्वीर का मिलान स्टेज-I, II, III और IV में उम्मीदवार के चेहरे की विशेषताओं/शारीरिक आकृति से किया जाएगा.

(बी) बायोमेट्रिक

(i) स्टेज-I भर्ती में केवल बाएं अंगूठे का बायोमेट्रिक लिया जाएगा. यदि स्टेज-I के दौरान बाएं अंगूठे का बायोमेट्रिक नहीं लिया जाता है तो दाएं अंगूठे का बायोमेट्रिक लिया जाएगा और बाद के सत्यापन के लिए उपयोग किया जाएगा. बायोमेट्रिक के लिए बाएं और दाएं अंगूठे के अलावा किसी अन्य उंगली पर विचार नहीं किया जाएगा.

(ii) यदि स्टेज-II में किसी उम्मीदवार का बायोमेट्रिक (अंगूठे का निशान) स्टेज-I में कैप्चर किए गए बायोमेट्रिक से मेल नहीं खाता है, तो स्टेज-II भर्ती टीम को अनुमोदित प्रक्रियाओं द्वारा उम्मीदवार की पहचान/वास्तविकता स्थापित करने का अधिकार है और एक बार उम्मीदवार की पहचान स्थापित हो जाने के बाद, अगले चरणों में सत्यापन के लिए उम्मीदवार का बायोमेट्रिक पुनः लिया जाएगा. हालांकि, यदि स्टेज-II भर्ती टीम ऊपर बताए अनुसार मैन्युअल सत्यापन प्रक्रिया के बाद उम्मीदवार की वास्तविकता से आश्वस्त नहीं है, तो उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(iii) यह उम्मीदवार की जिम्मेदारी है कि वह पहले से जांच कर ले कि बायोमेट्रिक मशीनें फिंगरप्रिंट छवि लेने में सक्षम हैं. यदि बायोमेट्रिक मशीन मेहंदी, मोम आदि के कारण फिंगरप्रिंट छवि को कैप्चर करने में सक्षम नहीं है, तो उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

(सी) ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किए गए हस्ताक्षर.

(डी) ऑनलाइन आवेदन में उल्लिखित पहचान चिह्न.

ध्यान दें : किसी भी स्तर पर उपर्युक्त पहचान जांच में से एक में भी विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

6. **सीजीईपीटी परीक्षा के विभिन्न चरणों का विवरण इस प्रकार है :-**

(ए) स्टेज-I (कंप्यूटर आधारित परीक्षा).

(i) दस्तावेज़ सत्यापन (अनंतिम रूप से 'सफल' या 'असफल') : स्टेज-I में उम्मीदवार की पहचान की जांच ऑनलाइन आवेदन में उम्मीदवार द्वारा भरे गए विवरण के आधार पर की जाएगी. उम्मीदवारों को अपने संबंधित परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करते समय सत्यापन के लिए निम्नलिखित दस्तावेज लाने होंगे :-

(एए) वैध मूल पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) जैसा कि ऑनलाइन आवेदन में जमा/अपलोड किया गया है. आधार कार्ड रखने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन दाखिल करते समय पहचान प्रमाण के लिए पहले विकल्प के रूप में आधार कार्ड अपलोड करना होगा.

(एबी) ई-प्रवेश पत्र का 01 रंगीन प्रिंटआउट (काले और सफेद प्रिंटआउट की अनुमति नहीं है).

(एसी) ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किए गए समान चेहरे की विशेषताओं के साथ पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो 02 संख्या में.

केवल एससी/एसटी आवेदकों के लिए :- मूल श्रेणी प्रमाण पत्र और एससी/एसटी प्रमाण पत्र की 02 स्व-सत्यापित फोटोकॉपी, मूल ट्रेन/बस टिकट, एनईएफटी भुगतान के लिए रद्द चेक लीफ और टीए का दावा करने के लिए वेबसाइट से डाउनलोड किया गया यात्रा फॉर्म.

ध्यान दें : ऑनलाइन आवेदन और ई-प्रवेश पत्र में उल्लिखित उम्मीदवार का विवरण (नाम, पहचान प्रमाण विवरण, जन्मतिथि) का मिलान उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) से किया जाएगा. ऑनलाइन आवेदन और ई-प्रवेश पत्र में जानकारी के संबंध में उपरोक्त दस्तावेजों में नाम/जन्मतिथि/पहचान पत्र संख्या/फोटो में कोई भी विसंगति होने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि स्टेज-I में किसी अन्य दस्तावेज़ की जांच नहीं की जाएगी और यह केवल प्रारंभिक बुनियादी दस्तावेज़ सत्यापन है. विस्तृत दस्तावेज़ सत्यापन अगले पैराग्राफ में उल्लिखित नियमों के अनुसार स्टेज-II और स्टेज-III में किया जाएगा.

(ii) बायोमेट्रिक रिकॉर्डिंग- जो उम्मीदवार बायोमेट्रिक सत्यापन में सफल हो जाएंगे, उन्हें स्टेज-I में बायोमेट्रिक रिकॉर्डिंग से गुजरना होगा. स्टेज-I पर कैप्चर किए गए बायोमेट्रिक डेटा को बाद के चरणों यानी स्टेज-II, स्टेज-III और स्टेज-IV पर सत्यापित/पुनः प्राप्त किया जाएगा. यदि बायोमेट्रिक को स्टेज-II में पुनः प्राप्त किया जाता है, जैसा कि ऊपर पैरा 5 (बी) (ii) में बताया गया है, तो पुनः प्राप्त बायोमेट्रिक डेटा को स्टेज-III और स्टेज-IV के लिए अग्रेषित किया जाएगा.

(iii) उम्मीदवार को आवेदन किए गए पद के आधार पर निम्नलिखित परीक्षण देने होंगे :-

क्रम	आवेदित पद	लिखित परीक्षा	उत्तीर्ण अंक	टिप्पणियां
(एए)	**नाविक (जीडी)**	अनुभाग (I+II)	30+20=50 (यूआर/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी) 27+17=44 (एससी/एसटी)	सेक्शन-I और II में अलग-अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है

(iv) लिखित परीक्षा के विभिन्न अनुभागों का विवरण इस प्रकार है :-

क्रम	परीक्षा का नाम	परीक्षा का विवरण	प्रश्नों का विषयवार आवंटन	उत्तीर्ण अंक	पाठ्यक्रम
(एए)	**अनुभाग-I**	अधिकतम अंक-60 समय-45 मिनट. प्रश्नों की कुल संख्या-60	गणित-20 विज्ञान-10 अंग्रेजी -15 तर्क-10 जीके-5	30 (यूआर/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी श्रेणी) 27 (एससी/एसटी वर्ग के लिए)	कक्षा 10वीं का पाठ्यक्रम
(एबी)	**अनुभाग-II**	अधिकतम अंक -50 समय-30 मिनट. प्रश्नों की कुल संख्या-50	गणित-25 भौतिकी-25	20 (यूआर/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी श्रेणी) 17 (एससी/एसटी वर्ग के लिए)	कक्षा 12वीं गणित और भौतिकी पाठ्यक्रम

(v) अंकों का सामान्यीकरण. अलग-अलग पालियों में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को वस्तुनिष्ठ तरीके से सांख्यिकीय पद्धति से तर्कसंगत बनाने के लिए परिणाम घोषित होने से पूर्व अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को निम्नलिखित सूत्र के अनुसार सामान्यीकृत किया जाएगा :-

$$M_{ij} = \frac{M_t^g - M_q^g}{M_{ti} - M_{iq}} (M_{ij} - M_{iq}) + M_q^{gm}$$

जहां :

M_{ij} = iवीं पाली में jवें उम्मीदवार के सामान्यीकृत अंक.

M_t^g = सभी पालियों को ध्यान में रखते हुए शीर्ष 0.1 प्रतिशत उम्मीदवारों के औसत अंक (उम्मीदवारों की संख्या को पूर्णांकित किया जाएगा)

M_q^g= सभी पालियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में उम्मीदवारों के माध्य और मानक विचलन अंकों का योग.

M_{ti} = iवीं पाली में शीर्ष 0.1 प्रतिशत उम्मीदवारों के औसत अंक (उम्मीदवारों की संख्या को पूर्णांकित किया जाएगा)

M_{iq} = iवीं पाली के माध्य अंक और मानक विचलन का योग.

M_{ij} = jवें उम्मीदवार द्वारा iवीं पाली में प्राप्त वास्तविक अंक.

M_q^{gm} = सभी पालियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा में उम्मीदवारों के अंकों के अधिकतम माध्य और मानक विचलन वाली पाली में उम्मीदवारों के औसत अंकों का योग.

नोट :

(i) प्रश्न पत्र चार विकल्पों के साथ वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा. उम्मीदवार को सही विकल्प चुनना होगा.

(ii) कोई नकारात्मक अंकन नहीं है.

(iii) अनुभाग-I और II के लिए विस्तृत पाठ्यक्रम आईसीजी वेबसाइट पर उपलब्ध है.

(बी) स्टेज-II कंप्यूटर आधारित परीक्षा में प्रदर्शन, आईसीजी द्वारा तय अनुपात और उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर, उम्मीदवारों को स्टेज-II के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और अनंतिम ई-एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा. ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए, उम्मीदवारों को आईसीजी वेबसाइट पर उल्लिखित एक निश्चित अवधि के भीतर नीचे पैरा 7 (ई) में उल्लिखित अतिरिक्त दस्तावेज अपलोड करने होंगे. आईसीजी द्वारा घोषित समय सीमा के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज अपलोड करने में विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. स्टेज-II की अवधि 1-2 दिन है और आवंटित केंद्र पर आयोजित की जाएगी. स्टेज-II में निम्नलिखित परीक्षा शामिल है, जो केवल प्रकृति में अर्हता प्राप्त करने वाली है यानी या तो अस्थायी रूप से 'उत्तीर्ण' या 'असफल' :-

(i) मूल्यांकन/अनुकूलनशीलता परीक्षण बायोमेट्रिक सत्यापित उम्मीदवारों को ओएमआर आधारित लिखित परीक्षा से गुजरना होगा. परीक्षा आयोजित होने के एक घंटे बाद परिणाम घोषित किया जाएगा. जो लोग इस परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे, वे ही परीक्षा के अगले चरण यानी पीएफटी के लिए आगे बढ़ेंगे.

(ii) शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण पीएफटी से गुजरने वाले उम्मीदवार अपने जोखिम पर ऐसा करेंगे. सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पास स्पोर्ट्स रिंग (जूता, टी-शर्ट, ट्राउजर आदि) रखें. पीएफटी में शामिल हैं :-

(एए) 1.6 किलोमीटर की दौड़, 7 मिनट में पूरी करनी होगी.

(एबी) 20 स्क्वाट अप्स (उठक-बैठक).

(एसी) 10 पुश-अप.

पीएफटी के सभी तीन परीक्षण बिना किसी रुकावट के निरंतरता से किए जाने हैं. तीन परीक्षणों में कोई भी ब्रेक पीएफटी में असफलता माना जाएगा.

(iii) दस्तावेज़ सत्यापन ऑनलाइन आवेदन में दी गई सभी जानकारी उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत सभी मूल दस्तावेजों जैसे कक्षा 10वीं/कक्षा 12वीं/डिप्लोमा मार्कशीट/पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट)/श्रेणी प्रमाण पत्र/व्यक्तिगत विषय और कुल अंक/सीजीपीए (जैसा लागू हो) से मेल खाना चाहिए. आवेदन पत्र में उम्मीदवार द्वारा दी गई जानकारी, अपलोड किए गए दस्तावेज़ और स्टेज-II में सत्यापन के लिए प्रस्तुत मूल दस्तावेजों के साथ कोई बेमेल / असंगतता / त्रुटि, 'नाम, जन्म तिथि, माता-पिता का नाम, विषयवार अंक /सीजीपीए' के संबंध में दस्तावेजों के साथ (जैसा लागू हो), दस्तावेजों की वैधता, श्रेणी प्रमाणपत्र विवरण, आदि, दस्तावेज़ सत्यापन में विफलता होगी और उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. सभी दस्तावेजों को जारी करने की तारीख आवेदन की अंतिम तारीख को या उससे पहले होनी चाहिए. अपलोड किए गए सभी दस्तावेजों की वैधता कम से कम 28 फरवरी 2025 तक होनी चाहिए. ऑनलाइन आवेदन में किसी भी गलत घोषणा से उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. अस्वीकृति के सामान्य कारणों को **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/downloads/commonReasonForRejection** पर देखा जा सकता है.

(iv) **भर्ती चिकित्सा परीक्षा** चिकित्सा अधिकारी निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा फिटनेस के लिए उम्मीदवारों का मूल्यांकन करेंगे और उन्हें फिट/अनफिट घोषित करेंगे. अयोग्य घोषित किए गए उम्मीदवार, जो अपील करना चाहते हैं, उन्हें किसी भी नामित अपील चिकित्सा केंद्र में भेजा जाएगा. ऐसे उम्मीदवारों को भर्ती चिकित्सा परीक्षा, जिसने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया है, की तारीख से अधिकतम 21 दिनों के भीतर अपील चिकित्सा केंद्र को रिपोर्ट करना होगा. अपील मेडिकल के दौरान सैन्य अस्पताल में विशेषज्ञ की राय के अलावा कोई अन्य मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र स्वीकार्य नहीं है. अपील मेडिकल परीक्षा को अंतिम माना जाएगा और उम्मीदवार को किसी अन्य या उसी अस्पताल में दोबारा अपील करने का कोई अधिकार नहीं होगा.

ध्यान दें :

(i) भर्ती मेडिकल के संचालन का कार्यक्रम बदल सकता है और भर्ती प्राधिकारी के विवेकानुसार प्रशासनिक या तकनीकी कारणों से किसी भी स्तर पर इसे पूर्व-नामांकन मेडिकल के साथ जोड़ा जा सकता है.

(ii) स्टेज-II भर्ती केंद्र में भर्ती चिकित्सा परीक्षा में फिट घोषित किए गए उम्मीदवारों को आईसीजी द्वारा दस्तावेजों की आगे की जांच के दौरान दस्तावेज़ सत्यापन में अयोग्य घोषित किया जा सकता है, क्योंकि दस्तावेज़ सत्यापन स्टेज-II अंतिम योग्यता/परिणाम प्रकाशित करने से पहले भर्ती प्रक्रिया के कई चरणों में आयोजित होने के बाद भी किया जाता है, जैसा कि नीचे पैरा 13(एके) में बताया गया है.

(iii) प्रशिक्षण अकादमी (आईएनएस चिल्का) में प्रवेश की तारीख से चार (04) सप्ताह पहले मेडिकल (प्रारंभिक भर्ती और अपील) पूरा न करने पर उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है.

(सी) **स्टेज-III के लिए अंतिम मैरिट सूची तैयार करना.** आईसीजी उम्मीदवारों द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों का पुनः सत्यापन (उम्मीदवारों की अनुपस्थिति में) करेगा और केवल उन उम्मीदवारों पर योग्यता तैयारी के लिए विचार किया जाएगा, जो दस्तावेज़ सत्यापन में अर्हता प्राप्त करेंगे और प्रारंभिक/अपील मेडिकल में फिट घोषित किए जाएंगे. स्टेज-I में उम्मीदवार द्वारा प्राप्त अंकों और उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर अखिल भारतीय मैरिट सूची तैयार की जाएगी. स्टेज-I में दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के समान अंक होने की स्थिति में मेरिट में टाई-ब्रेकिंग नियम इस प्रकार है (जहां भी टाई टूटती है तो अगला चरण पहले नहीं होगा) :-

(एए) अभ्यर्थी अनुभाग-I में अधिक अंक प्राप्त कर रहा है.

(एबी) अधिक उम्र वाला उम्मीदवार योग्यता में उच्च होगा.

(डी) **स्टेज-III,** जो उम्मीदवार स्टेज-I और स्टेज-II में अर्हता प्राप्त करते हैं और उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार योग्यता में आते हैं, उन्हें आईएनएस चिल्का में प्रशिक्षण के लिए अनंतिम रूप से शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और उन्हें अनंतिम ई-प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा. स्टेज-III की अवधि 1-2 दिन है. इसके अलावा, चूंकि आईएनएस चिल्का एक नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठान है, इसलिए प्रशिक्षण आधार पर प्रचलित सत्यापन प्रक्रिया लागू होती है. स्टेज-III में निम्नलिखित शामिल हैं :-

(i) **दस्तावेज़ सत्यापन (अनंतिम रूप से 'पास' या 'असफल')** ऑनलाइन आवेदन में दी गई सभी जानकारी उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत सभी मूल दस्तावेजों जैसे कक्षा 10वीं/कक्षा 12वीं/डिप्लोमा मार्कशीट/पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट)/श्रेणी प्रमाण पत्र/व्यक्तिगत विषय और कुल अंक/सीजीपीए (जैसा लागू हो) से मेल खाना चाहिए. आवेदन पत्र में उम्मीदवार द्वारा दी गई जानकारी, अपलोड किए गए दस्तावेज़ और स्टेज-II में सत्यापन के लिए प्रस्तुत मूल दस्तावेजों के साथ कोई बेमेल / असंगतता / त्रुटि, 'नाम, जन्म तिथि, माता-पिता का नाम, विषयवार अंक / सीजीपीए' के संबंध में दस्तावेजों के साथ (जैसा लागू हो), दस्तावेजों की वैधता, श्रेणी प्रमाणपत्र विवरण, आदि, दस्तावेज़ सत्यापन में विफलता होगी और उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. सभी दस्तावेजों को जारी करने की तारीख आवेदन की अंतिम तारीख को या उससे पहले होनी चाहिए. अपलोड किए गए सभी दस्तावेजों की वैधता कम से कम 28 फरवरी 2025 तक होनी चाहिए. ऑनलाइन आवेदन में किसी भी गलत घोषणा से उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. अस्वीकृति के सामान्य कारणों को **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/downloads/commonReasonForRejection** परदेखा जा सकता है.

(ii) **आईएनएस चिल्का में नामांकन-पूर्व मेडिकल** सभी चयनित उम्मीदवारों की नामांकन-पूर्व चिकित्सा जांच आईएनएस चिल्का में की जाएगी. नामांकन-पूर्व चिकित्सा परीक्षा का आयोजन स्टेज-II भर्ती प्रक्रिया के दौरान आयोजित भर्ती चिकित्सा परीक्षा और आईएनएस चिल्का में उम्मीदवारों की रिपोर्टिंग की तारीख के बीच के समय अंतराल पर निर्भर करेगा. नामांकन पूर्व मेडिकल के दौरान अनफिट घोषित किए गए उम्मीदवारों को अपील का मौका दिया जाएगा, यदि वे अयोग्य घोषित होने की अधिकतम 21 दिनों की अवधि के भीतर नामित अपील चिकित्सा केंद्र (आईएनएचएस निवारिनी/आईएनएचएस कल्याणी) में अपील करना चाहते हैं. उम्मीदवार अपील चिकित्सा परीक्षा के लिए अपने स्वयं के खर्च पर चयनित सैन्य अस्पताल की यात्रा करेंगे और वापस आएंगे.

ध्यान दें :

(i) नामांकन-पूर्व चिकित्सा परीक्षा के संचालन का कार्यक्रम भर्ती प्राधिकारी के विवेकानुसार प्रशासनिक या तकनीकी कारणों से बदल सकता है.

(iii) मूल दस्तावेज, पुलिस सत्यापन और अन्य संबद्ध प्रपत्र जमा करना सभी उम्मीदवारों को स्टेज-III पर ई-एडमिट कार्ड के साथ मूल दस्तावेज, पुलिस सत्यापन फॉर्म और अन्य संबंधित फॉर्म जमा करने होंगे. उम्मीदवारों के पास अधिवास या वर्तमान निवास स्थान से पुलिस सत्यापन होना चाहिए, जो आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किया जाना चाहिए. सत्यापित पुलिस सत्यापन रिपोर्ट के बिना या प्रतिकूल टिप्पणियों वाली रिपोर्ट वाले उम्मीदवार नामांकन के लिए पात्र नहीं होंगे.

(डी) **स्टेज-IV** आईएनएस चिल्का में प्रशिक्षण लेने वाले उम्मीदवारों को स्टेज-III के दौरान सभी मूल दस्तावेज जमा करने होंगे और भारतीय तटरक्षक बल द्वारा बोर्ड/विश्वविद्यालयों/राज्य सरकार के माध्यम से सभी मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा. यदि संबंधित बोर्ड/विश्वविद्यालय/राज्य सरकार द्वारा दस्तावेजों को वास्तविक नहीं बताया गया तो उम्मीदवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा.

7. **आवेदन कैसे करें.**

(ए) **आवेदन 13 फरवरी 2024 (11:00 बजे) से 27 फरवरी 2024 (17:30 बजे) तक 'केवल ऑनलाइन'** स्वीकार किए जाएंगे. उम्मीदवारों को **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/** पर लॉगऑन करना होगा और ई-मेल आईडी/मोबाइल नंबर के साथ खुद को पंजीकृत करने के लिए निर्देशों का पालन करना होगा. उम्मीदवारों को कम से कम **28 फरवरी 2025** तक ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर की वैधता सुनिश्चित करनी होगी. उम्मीदवारों को अपनी पंजीकृत ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर याद रखना होगा, क्योंकि उन्हें आवेदन पत्र में एन्क्रिप्ट किया जाएगा. यदि उम्मीदवार अपना ई-मेल आईडी या मोबाइल नंबर भूल जाता है तो वह उम्मीदवार के डैशबोर्ड में लॉग-इन नहीं कर पाएगा और न ही ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड कर पाएगा या अपना रिजल्ट देख पाएगा और आईसीजी इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा. पंजीकृत ई-मेल आईडी या मोबाइल नंबर पुनः प्राप्त करने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

(बी) उम्मीदवारों को आवेदन पत्र भरने के लिए **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/selectionInfor-mation/guidelines/fillingOnlineApplication** पर उल्लिखित दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है.

(सी) उम्मीदवारों को वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/faqs** पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) का पालन करना होगा.

(डी) यदि उम्मीदवार एक विशेष भर्ती चक्र में एकाधिक आवेदन भरता है, तो उसका नवीनतम भरा हुआ आवेदन स्वीकार कर लिया जाएगा और पहले भरे गए सभी आवेदन अस्वीकार कर दिए जाएंगे. हालांकि, एक से अधिक बार भरे गए आवेदनों की परीक्षा फीस वापस नहीं की जाएगी. पात्रता के लिए ऑनलाइन आवेदन की आगे जांच की जाएगी और किसी भी तरह से अपात्र पाए जाने पर किसी भी स्तर पर इसे खारिज किया जा सकता है. ऑनलाइन आवेदन के संबंध में किसी भी प्रश्न के लिए, उम्मीदवार **icgcell@cdac.in** पर ई-मेल और **टेलीफोन नंबर :- 020-25503108/020-25503109** पर संपर्क कर सकते हैं.

(ई) भर्ती के विभिन्न चरणों के दौरान अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज़ उम्मीदवारों को दो चरणों में दस्तावेज़ अपलोड करने होंगे. ऑनलाइन आवेदन चरण के दौरान कुछ दस्तावेजों की आवश्यकता होती है और स्टेज-II के लिए शॉर्टलिस्ट होने पर कुछ दस्तावेजों को अपलोड करना आवश्यक होता है. उम्मीदवारों को आवेदन किए गए पद के लिए लागू मूल दस्तावेजों (न तो फोटोकॉपी और न ही स्व-सत्यापित फोटोकॉपी को स्कैन करना है) को स्कैन करना होगा और भर्ती के विभिन्न चरणों के दौरान नीचे बताए अनुसार अपलोड करना होगा.

(i) **स्टेज-I से पहले ऑनलाइन आवेदन भरते समय सभी उम्मीदवारों द्वारा अनिवार्य अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज**

(एए) पासपोर्ट आकार का हालिया रंगीन फोटो (आवेदन खुलने की तारीख से तीन महीने पहले का नहीं होना चाहिए) (सिखों को छोड़कर बिना हेड गियर के हल्के बैकग्राउंड में सामने का चित्र). उम्मीदवार को अपनी छाती के सामने एक काली स्लेट रखकर फोटो खींचनी होगी, जिस पर सफेद चाक से बड़े अक्षरों में अपना नाम और फोटो खींचने की तारीख स्पष्ट रूप से लिखी होगी. फोटो बिना टोपी, चश्मे के होना चाहिए और दोनों कान दिखाई देने चाहिए. यदि किसी उम्मीदवार द्वारा उचित फोटो अपलोड नहीं किया गया तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एबी) **पंजीकरण के दौरान लाइव इमेज कैप्चर** . उम्मीदवार को पंजीकरण के दौरान नवीनतम तस्वीर भी अपलोड करनी होगी. इसके अतिरिक्त, पंजीकरण के दौरान उम्मीदवार की लाइव छवि खींची जाएगी. अपलोड की गई फोटो में उम्मीदवार के चेहरे की विशेषताओं का वास्तविक समय की फोटो से मिलान किया जाएगा. फोटो मिलान की स्थिति में ही अभ्यर्थी आवेदन जमा कर सकेंगे.

(एसी) उम्मीदवार की स्कैन की गई हस्ताक्षर छवि.

(एडी) बाएं हाथ के अंगूठे के निशान की स्कैन की गई छवि.

(एई) जन्मतिथि का प्रमाण (कक्षा 10वीं की मार्कशीट या जन्म प्रमाण पत्र).

(एएफ) पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट).

(एजी) यदि उम्मीदवार आईसीजी कार्मिक या आईसीजी नागरिक की सेवा कर रहा है तो सेवा प्रमाणपत्र / एनओसी.

(एएच) क्षेत्रवार भर्ती के लिए उम्मीदवार का क्षेत्र निर्धारित करने के लिए सभी उम्मीदवारों द्वारा एक वैध अधिवास प्रमाणपत्र अपलोड किया जाना है. निवासी प्रमाणपत्र 'डोमिसाइल प्रमाणपत्र' नहीं है. 'अधिवास प्रमाण पत्र' के स्थान पर 'निवास प्रमाण पत्र' अपलोड करने वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं होंगे.

(ii) **स्टेज-II के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने पर अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज़** यदि उम्मीदवार को स्टेज-II भर्ती प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है, तो उसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे:-

(एए) श्रेणी प्रमाणपत्र 'एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस).

(एबी) कक्षा 10वीं की मार्कशीट.

(एसी) कक्षा 10वीं का प्रमाण पत्र.

(एडी) कक्षा 10वीं के लिए अतिरिक्त मार्कशीट (यदि लागू हो).

(एई) सीजीपीए/ग्रेड को 10वीं कक्षा के प्रतिशत में बदलने का फॉर्मूला (यदि लागू हो).

(एएफ) यदि उम्मीदवार कार्यरत है तो सरकारी संगठन से एनओसी. एनओसी आवेदन भरने की तारीख या उसके बाद की होनी चाहिए.

(एजी) कक्षा 12वीं की मार्कशीट.

(एएच) कक्षा 12वीं का प्रमाण पत्र.
(एजे) सीजीपीए/ग्रेड को 12वीं कक्षा के प्रतिशत में बदलने का फॉर्मूला (यदि लागू हो).
(एके) कक्षा 12वीं की अतिरिक्त मार्कशीट (यदि लागू हो).

नोट :-

(i) एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस आवेदकों के मामले में, जो अपने संबंधित कोटा का लाभ उठा रहे हैं, तो ऑनलाइन आवेदन का वर्तमान या स्थायी पता श्रेणी प्रमाणपत्र 'एससीए एसटी और ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस' में उल्लिखित पते के समान होना चाहिए.

(ii) ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र **भारत सरकार** के प्रारूप के अनुसार होगा. प्रारूप आईसीजी वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/** पर उपलब्ध है **(किसी अन्य प्रारूप पर विचार नहीं किया जाएगा).**

(iii) इसके अलावा, उम्मीदवारों का ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र **भारत सरकार** के तहत पद के लिए नियुक्ति के प्रारूप के अनुसार और बाद में ऑनलाइन सत्यापन के लिए क्यूआर/बार कोड होना चाहिए। ओबीसी (नॉन क्रीमी) प्रमाणपत्र का प्रारूप आईसीजी की वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/** पर उपलब्ध है. **(किसी अन्य प्रारूप पर विचार नहीं किया जाएगा).** किसी भी अन्य प्रारूप पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(iv) अपलोड किए जाने वाले सभी दस्तावेजों का आकार **50kb to 150kb** के बीच होना चाहिए.

(v) सभी अपलोड किए गए दस्तावेजों 'एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस/मार्क शीट/शिक्षा प्रमाण पत्र/पहचान प्रमाण' 'ऑनलाइन आवेदन के दौरान' और 'स्टेज-II' के लिए शॉर्टलिस्ट होने पर अपलोड किए गए दस्तावेज़' जारी करने की **तारीख-27 फरवरी 2024** को या उससे पहले होना चाहिए और दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान सभी दस्तावेजों की वैधता कम से कम **28 फरवरी 2025** तक होनी चाहिए.

(vi) अपलोड किए गए सभी दस्तावेज़ हिंदी या अंग्रेजी में होने चाहिए. यदि दस्तावेज़ अंग्रेजी या हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा में है तो उम्मीदवार को दस्तावेज़ का मूल और अंग्रेजी अनुवाद दोनों अपलोड करना होगा.

(vii) दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान धुंधली तस्वीर, अंगूठे का निशान, हस्ताक्षर और अपलोड किए गए दस्तावेजों वाले आवेदन खारिज कर दिए जाएंगे. अपलोड किए गए दस्तावेज़ों में छवियों की स्पष्टता अनिवार्य है. ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किए गए दस्तावेजों की छवियों की स्पष्टता में कोई भी विसंगति या विसंगति के कारण उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. अपलोड किए गए दस्तावेज़ सुपाठ्य, पढ़ने योग्य और पूर्ण होने चाहिए अन्यथा, उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी. संपूर्ण दस्तावेज़ को स्कैन करके अपलोड किया जाना है, उदाः यदि जन्मतिथि प्रमाणपत्र या श्रेणी प्रमाणपत्र या पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) या कक्षा 10वीं या कक्षा 12वीं प्रमाणपत्रमें दो या अधिक पृष्ठ हैं तो सभी पृष्ठों को एक फाइल में विलय कर ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किया जाएगा. अपूर्ण या आंशिक रूप से स्कैन किए गए दस्तावेज़ अपलोड करने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(viii) **ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपलोड किए जाने वाले सभी दस्तावेज केवल .jpeg और .jpg प्रारूप में होने चाहिए.**

(च) **परीक्षा शुल्क** उम्मीदवारों (एससी/एसटी उम्मीदवारों को छोड़कर, जिन्हें शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है) को नेट बैंकिंग या वीज़ा/मास्टर/मेस्ट्रो/रुपे क्रेडिट/डेबिट कार्ड/यूपीआई का उपयोग करके ऑनलाइन मोड के माध्यम से **रुपये 300/-** (केवल तीन सौ रुपये) का शुल्क देना होगा. परीक्षा के लिए ई-प्रवेश पत्र केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को जारी किया जाएगा, जिन्होंने परीक्षा शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान कर दिया है और जो परीक्षा शुल्क में छूट के हकदार हैं.

नोट :-

(i) एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए शुल्क आरक्षित रखा जा सकता है.

(ii) एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवार परीक्षा शुल्क में छूट के हकदार हैं. यदि यह पाया जाता है कि परीक्षा शुल्क/अन्य लागू रियायतों की छूट का दावा करने के लिए गलत एससी/एसटी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है, तो भर्ती/प्रशिक्षण के किसी भी चरण में उम्मीदवारों को सेवामुक्त/अस्वीकृत किया जा सकता है.

(iii) यदि उम्मीदवार ने शुल्क का ऑनलाइन भुगतान किया है और खाते से पैसा काट लिया गया है (अर्थात असफल भुगतान), तो कृपया जांच लें कि शुल्क लेनदेन के मूल खाते में स्वतः वापस कर दिया गया है या स्वचालित धन वापसी के लिए कृपया 15 कार्य दिवसों तक प्रतीक्षा करें. आपके खाते में पैसा और मूल खाते में लेनदेन की स्थिति की जांच करें.

(iv) यदि किसी उम्मीदवार से एक ही आवेदन के लिए कई भुगतान प्राप्त होते हैं, तो वह वापस नहीं किया जाएगा.

(छ) **परीक्षा शहर** स्टेज-I और II प्रक्रिया के लिए आवेदन में उम्मीदवार को परीक्षा शहर के लिए पांच प्राथमिकताएं देनी होंगी. उम्मीदवारों को पहली पसंद वर्तमान/संचार निवास से 30 किलोमीटर के भीतर भरनी होगी. यदि कोई 'परीक्षा शहर' वर्तमान पते से 30 किमी के भीतर नहीं है तो वर्तमान पते से निकटतम 'परीक्षा शहर' उम्मीदवार की पहली पसंद होनी चाहिए.

ध्यान दें :- यदि उम्मीदवार उपरोक्त अनुसार केंद्र की पहली पसंद का अनुपालन नहीं कर रहे हैं, तो दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान इसके विपरीत पाए जाने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है.

(ज) भारतीय तट रक्षक स्टेज-I और स्टेज-II के लिए परीक्षा शहर आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है, जो उम्मीदवार की पसंद के अनुसार हो भी सकता है और नहीं भी.

8. परीक्षा और ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने का अस्थायी कार्यक्रम. परीक्षा की अस्थायी तारीखें इस प्रकार हैं :-

संवर्ग	परीक्षा/ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की संभावित तिथियां		
	स्टेज-I	स्टेज-II	स्टेज-III
नाविक (जीडी)	मध्य/अंत अप्रैल, 2024	मध्य/अंत मई, 2024	प्रारंभिक/मध्य अक्टूबर 2024

नोट :-

(i) आईसीजी स्टेज-I, II और III के लिए ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड के लिए उपलब्ध होने की तारीख की घोषणा करेगा. उम्मीदवारों को निर्देशित किया जाता है कि वे प्रतिदिन आईसीजी भर्ती वेबसाइट पर जाएं और विभिन्न चरणों के लिए ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए संबंधित लॉग-इन आईडी में लॉग-इन करें. 'ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड के लिए कब उपलब्ध होगा' के संबंध में उम्मीदवारों को कोई ई-मेल या एसएमएस नहीं भेजा जाएगा.

(ii) **परीक्षा शहर** स्टेज-I से कम से कम 10 दिन पहले उम्मीदवार के लॉग-इन में प्रदर्शित किया जाएगा. सटीक परीक्षा केंद्र पते के साथ ई-प्रवेश पत्र उम्मीदवार के लॉग-इन पर उपलब्ध होगा और परीक्षा से केवल 02-03 दिन पहले पंजीकृत ईमेल आईडी पर ईमेल भेजा जाएगा.

(iii) ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में विफलता और विभिन्न भर्ती चरणों के लिए रिपोर्टिंग न करने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. यदि उम्मीदवार स्टेज-I, II और III के लिए ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के संबंध में वेबसाइट पर दैनिक आधार पर महत्वपूर्ण भर्ती संचार की नियमित रूप से जांच करने में विफल रहता है तो आईसीजी जिम्मेदार नहीं होगा.

9. परिणाम घोषणा स्टेज-I से स्टेज-III तक चयन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण का परिणाम आईसीजी भर्ती वेबसाइट पर उम्मीदवारों के खाते में लॉग-इन करके देखा जा सकता है. स्टेज-I पर ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम 30 दिनों के भीतर अस्थायी रूप से घोषित किया जाएगा. स्टेज-II और स्टेज-III भर्ती में नियमों के अनुसार दस्तावेज़ सत्यापन में विफल रहने वाले उम्मीदवारों को 'प्रामाणिक उम्मीदवार' नहीं माना जाएगा, 'क्योंकि उन्होंने आवेदन में असत्य/गलत जानकारी जमा की है, जो 'अपलोड किए गए दस्तावेज़ों द्वारा विधिवत समर्थित नहीं है' या 'गलत दस्तावेज़ अपलोड किया गया है' तो स्टेज-I पर उनके अंक और स्टेज-II और स्टेज-III के लिए कट-ऑफ उन्हें 'उम्मीदवारों के लॉग-इन से परिणाम प्रदर्शन' के दौरान सूचित नहीं किया जाएगा और उन्हें केवल 'असफलता के कारण के बारे में' सूचित किया जाएगा. दस्तावेज़ सत्यापन में' इसके अलावा, स्टेज-I, II और III में अनुपस्थित या कदाचार में शामिल पाए गए उम्मीदवारों को उनके अंकों के बारे में सूचित नहीं किया जाएगा और संबंधित पद और श्रेणी का कट-ऑफ प्रदर्शित नहीं किया जाएगा.

10. प्रत्येक चरण में आवश्यक दस्तावेजों की सूची परीक्षा के किसी भी चरण में डिजिलॉकर में दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किए जाएंगे, क्योंकि परीक्षा परिसर/केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की अनुमति नहीं है. उम्मीदवारों को सीजीईपीटी परीक्षा के सभी चरणों में अपने मूल दस्तावेज लाने होंगे.

स्टेज-I

(ए) वैध मूल पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) जैसा कि ऑनलाइन आवेदन में जमा/अपलोड किया गया है.

(बी) ई-एडमिट कार्ड का 01 रंगीन प्रिंटआउट (काले और सफेद प्रिंटआउट की अनुमति नहीं है).

(सी) ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किए गए समान चेहरे की विशेषताओं के साथ पासपोर्ट आकार की 02 रंगीन फोटो.

(डी) **केवल एससी/एसटी आवेदकों के लिए :-** मूल श्रेणी प्रमाण पत्र और स्व-सत्यापित एससी/एसटी प्रमाण पत्र की 02 फोटोकॉपी, मूल ट्रेन/बस टिकट, एनईएफटी भुगतान के लिए रद्द चेक लीफ और टीए का दावा करने के लिए वेबसाइट से डाउनलोड किया गया यात्रा फॉर्म.

स्टेज-II

(ए) 'स्टेज-I और स्टेज-II के ऑनलाइन आवेदन और ई-एडमिट कार्ड' का रंगीन प्रिंटआउट.

(बी) पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) जैसा कि ऑनलाइन आवेदन में जमा/अपलोड किया गया है.

(सी) ऑनलाइन आवेदन पत्र और स्टेज-II के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने के बाद उम्मीदवार लॉग-इन में जमा/अपलोड किए गए दस्तावेजों की मूल प्रति.

(डी) सभी मूल दस्तावेजों की स्वप्रमाणित 02 फोटो कॉपी.

(ई) समान चेहरे की विशेषताओं के साथ ऑनलाइन आवेदन में जमा पासपोर्ट आकार की 12 रंगीन फोटो.

(एफ) वर्तमान में किसी भी सरकारी संगठन में सेवारत उम्मीदवारों के लिए नियोक्ता से मूल एनओसी और 02 स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (यदि लागू हो).

स्टेज-III

(ए) 'ऑनलाइन आवेदन और स्टेज-III ई-एडमिट कार्ड' का रंगीन प्रिंटआउट.

(बी) ऑनलाइन आवेदन पत्र और स्टेज-III के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने के बाद उम्मीदवार लॉग-इन में जमा/अपलोड किए गए दस्तावेजों की मूल प्रति.

(सी) सभी मूल दस्तावेजों की स्वप्रमाणित 03 फोटो प्रतियां.

(डी) समान चेहरे की विशेषताओं के साथ ऑनलाइन आवेदन में जमा पासपोर्ट आकार की 30 रंगीन फोटो.

(ई) नीली पृष्ठभूमि के साथ 3.5 सेमी x 2.5 सेमी विनिर्देश की रंगीन तस्वीरें + (10 संख्याएं).

(एफ) अभिभावकों की सहमति प्रमाण पत्र - (एक प्रति मूल और 02 ज़िरॉक्स प्रतियां).

(जी) पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र - (एक प्रति मूल और 02 ज़िरॉक्स प्रतियां).

(एच) पारिवारिक विवरण प्रमाण पत्र - (एक प्रति मूल और 02 ज़िरॉक्स प्रतियां).

(जे) चरित्र प्रमाण पत्र - (एक प्रति मूल और 02 ज़िरॉक्स प्रतियां).

(के) स्वेच्छा प्रमाण पत्र - (एक प्रति मूल और 02 ज़िरॉक्स प्रतियां).

(एल) सत्यापन प्रपत्र (कैडर नाम के साथ) -(03 प्रतियां मूल).

(एम) वर्तमान में किसी भी सरकारी संगठन में सेवारत उम्मीदवारों के लिए नियोक्ता से मूल एनओसी और 4 स्व-सत्यापित फोटोकॉपी (यदि लागू हो).

(एन) पहचान प्रमाण (आधार कार्ड या पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट) जैसा कि ऑनलाइन आवेदन में जमा/अपलोड किया गया है.

नोट :

(i) स्टेज-III के क्रम (एफ) से (एल) का प्रारूप आईसीजी वेबसाइट **https:// joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/downloads/documentsRequired/stage3** पर उपलब्ध है.

(ii) स्टेज-I, II और III के दौरान उपरोक्त दस्तावेज़ जमा करने में विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(iii) सभी फोटोकॉपी उम्मीदवार द्वारा हस्ताक्षर के साथ स्व-सत्यापित होनी चाहिए. फोटोकॉपी में उम्मीदवार का नाम और रोल नंबर का विवरण भी होना चाहिए.

(iv) **बैंक खाता खोलने और स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या उत्पन्न करने के लिए स्टेज-III में आधार कार्ड और आधार कार्ड से जुड़ा मोबाइल नंबर अनिवार्य है.**

11. चिकित्सा मानक

(ए) सेवा में प्रवेश पर नामांकित कार्मिकों पर लागू वर्तमान नियमों में निर्धारित चिकित्सा मानक के अनुसार रक्षा बलों के अधिकृत चिकित्सा अधिकारियों द्वारा चिकित्सा परीक्षा आयोजित की जाएगी.

(बी) **ऊंचाई :** न्यूनतम ऊंचाई 157 सेमी. असम, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गढ़वाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अधिवास वाले उम्मीदवारों के लिए ऊंचाई मानकों को 157 सेमी से 05 सेमी तक कम किया जा सकता है. लक्षद्वीप के मूल निवासी उम्मीदवारों के लिए ऊंचाई के मानकों में 02 सेमी तक की कमी की जा सकती है.

(सी) **छाती :** यह अच्छी तरह से आनुपातिक होना चाहिए. न्यूनतम विस्तार 5 सेमी.

(डी) **वजन :** ऊंचाई और उम्र के अनुपात में + 10 प्रतिशत स्वीकार्य.

(ई) **सुनना :** सामान्य.

ध्यान दें :

(i) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे चिकित्सकीय जांच से पहले अपने कानसे मोम औरदांतों से टार्टर साफ करवा लें.

(ii) ऊंचाई में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों को चिकित्सा अधिकारी को अधिवास प्रमाण पत्र जमा करना होगा. अधिवासप्रमाण पत्र जमा न करने पर ऊंचाई में छूट नहीं दी जाएगी.

(iii) विस्तृत चिकित्सा मानकों को **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/careerOpportunity/navik/gd** पर देखा जा सकता है।

(एफ) **टैटू** शरीर के किसी भी हिस्से पर स्थायी टैटू की अनुमति नहीं है. हालांकि, भारत सरकार द्वारा घोषित जनजातीय क्षेत्रों के समुदायों के उम्मीदवारों को कुछ रियायतें दी गई हैं. अन्य उम्मीदवारों के लिए, शरीर पर स्थायी टैटू केवल बाहों के अंदरूनी हिस्से पर यानी कोहनी के अंदर से कलाई तक और हथेली के पीछे/हाथ के पिछले (पृष्ठीय) हिस्से पर ही स्वीकार्य हैं. इस संबंध में विवरण भारतीय तटरक्षक भर्ती वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/assets/img/downloads/doc/Tatto.pdf** पर उपलब्ध है.

ध्यान दें : उपरोक्त चिकित्सा मानकों वाले उम्मीदवार ही चयन के लिए उपस्थित होंगे. उपर्युक्त मानकों के लिए कोई छूट नहीं दी जाएगी. चिकित्सा मानक पर भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) का आदेश अंतिम प्राधिकारी होगा.

12. प्रशिक्षण नाविक (जनरल ड्यूटी) के लिए बुनियादी प्रशिक्षण आईएनएस चिल्का में सितंबर 2024 के प्रारंभ/मध्य में अस्थायी रूप से शुरू होगा, इसके बाद समुद्री प्रशिक्षण और आवंटित ट्रेड में पेशेवर प्रशिक्षण होगा. बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान सेवा और प्रदर्शन की आवश्यकता के अनुसार शाखा/ट्रेड आवंटित किया जाएगा. यदि प्रशिक्षण के दौरान किसी भी समय उम्मीदवारों की प्रगति (शैक्षणिक सहित) या आचरण असंतोषजनक है, तो उन्हें अनुपयुक्त मानकर सेवामुक्त कर दिया जाएगा. यदि प्रशिक्षुओं का ऑनलाइन आवेदन

या दस्तावेज भर्ती के किसी भी चरण में गलत पाए जाते हैं तो उन्हें प्रशिक्षण के किसी भी चरण में बर्खास्त किया जा सकता है.

13. **सामान्य निर्देश (उम्मीदवार द्वारा पालन किया जाना चाहिए, अन्यथा उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी)**

(ए) किसी अन्य सेवा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान से अनुशासनात्मक आधार पर निकाले गए उम्मीदवार उपस्थित होने के पात्र नहीं हैं.

(बी) उम्मीदवारों को किसी भी अदालत में गिरफ्तार, दोषी या लंबित आपराधिक मामला नहीं होना चाहिए. आपराधिक कार्यवाही का सामना करने वाले/एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस जांच का सामना करने वाले उम्मीदवारों को इस विज्ञापन के जवाब में आवेदन करने से बाधित किया जाता है.

(सी) ऑनलाइन आवेदन दाखिल करने के समय और स्टेज-IV प्रशिक्षण अकादमी में ज्वॉइनिंग तक परीक्षा/चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के दौरान उम्मीदवार के खिलाफ किसी भी अदालत में एफआईआर दर्ज करने के बाद कोई आपराधिक मामला या पुलिस जांच लंबित नहीं होनी चाहिए. किसी भी अपराध के लिए सक्षम क्षेत्राधिकार की आपराधिक अदालत द्वारा शामिल किया गया कोई भी उम्मीदवार भारतीय तट रक्षक के किसी भी पद के लिए आवेदन करने के लिए अयोग्य है और भर्ती प्रक्रिया के दौरान यदि ऐसा पाया जाता है तो उम्मीदवारी को आगे की भर्ती प्रक्रिया में और प्रशिक्षण अकादमी से उपस्थित होने के लिए रद्द / वंचित कर दिया जाएगा.

(डी) स्टेज-II के समय प्रस्तुत सभी मूल प्रमाण पत्र और मार्कशीट सत्यापन के बाद उम्मीदवार को वापस कर दी जाएंगी. स्टेज-III के समय प्रस्तुत किए गए सभी मूल प्रमाणपत्र और मार्कशीट स्टेज-III में उत्तीर्ण होने पर आईसीजी द्वारा अपने पास रख ली जाएंगी या असफल घोषित होने पर सत्यापन के बाद उम्मीदवार को वापस कर दी जाएंगी.

(ई) किसी विशेष बैच से संबंधित उम्मीदवार का चयन केवल उसी बैच के लिए मान्य है. योग्य उम्मीदवार, जिनका नाम अंतिम मेरिट सूची में नहीं है, वे अगले बैच के लिए प्रवेश का दावा नहीं कर सकते. इन उम्मीदवारों को नए सिरे से चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा, बशर्ते कि वे नए बैच के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा करते हों.

(एफ) डाक द्वारा प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे.

(जी) स्टेज-III के लिए ई-प्रवेश पत्र केवल स्टेज-II उत्तीर्ण करने वाले और रिक्तियों के अनुसार योग्यता में आने वाले उम्मीदवारों को भेजा जाएगा. ऐसे उम्मीदवारों को अपने स्वयं के खर्च पर प्रशिक्षण प्रतिष्ठान यानी आईएनएस चिल्का तक पहुंचना होगा.

(एच) **30 दिसंबर, 2025** के बाद इस बैच के लिए भर्ती/नामांकन के संबंध में किसी भी पूछताछ पर विचार नहीं किया जाएगा.

(जे) परीक्षण प्रक्रियाओं के दौरान नकल/कदाचार आदि सहित अनुशासनहीनता गतिविधियों के परिणामस्वरूप भी अयोग्यता होगी. नकल/कदाचार के संबंध में आईसीजी का निर्णय अंतिम और सभी उम्मीदवारों के लिए बाध्यकारी होगा.

(के) भारतीय तटरक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान प्रतिरूपण को बहुत गंभीरता से लेता है. आवेदक और प्रॉक्सी उम्मीदवार दोनों के खिलाफ एफआईआर/आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाएगी.

(एल) किसी भी अभ्यर्थी को किसी भी तरह से दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए या परीक्षा परिसर में अव्यवस्था पैदा नहीं करनी चाहिए. किसी भी तरह से दुर्व्यवहार करने वाले उम्मीदवार को आईसीजी की वर्तमान और भविष्य की परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया जाएगा. आईएनएस चिल्का में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (स्टेज-I), पीएफटी/मूल्यांकन परीक्षण/प्रारंभिक चिकित्सा (स्टेज-II), दस्तावेज़ सत्यापन/अंतिम चिकित्सा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अन्यथा के संबंध में भारतीय तटरक्षक का निर्णय (स्टेज-III), मूल दस्तावेजों का सत्यापन (स्टेज-IV) अंतिम और उम्मीदवार पर बाध्यकारी होगा. जिन अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी पिछले बैच में कदाचार/दुर्व्यवहार के कारण रद्द कर दी गई थी, वे आवेदन करने के लिए अयोग्य हैं.

(एम) नामांकन से पहले पात्रता के लिए आवेदन और मूल दस्तावेजों की पुनः जांच की जाएगी और भर्ती के किसी भी चरण में और सेवा में शामिल होने के बाद भी किसी भी तरह से अयोग्य पाए जाने पर इसे खारिज कर दिया जा सकता है.

(एन) एआईसीटीई/सीओबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं होने वाले 'ओपन स्कूल' संस्थानों के उम्मीदवार पात्र नहीं हैं.

(पी) परीक्षा शहर आवेदन पत्र में दी गई प्राथमिकताओं के अनुसार और जिन्होंने सफल भुगतान करके सफलतापूर्वक आवेदन जमा किया है (एससी / एसटी उम्मीदवारों को छोड़कर, जिन्हें शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है) उम्मीदवारों को आवंटित किया जाएगा. एक परीक्षा शहर के लिए अधिक संख्या में उम्मीदवारों द्वारा आवेदन करने की स्थिति में, तटरक्षक बल किसी अन्य परीक्षा शहर को आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है, जो उम्मीदवार की प्राथमिकता सूची में हो भी सकता है और नहीं भी.

(क्यू) भारतीय तटरक्षक बल के पास एक केंद्र पर परीक्षा रद्द करने और परीक्षा को किसी अन्य तिथि और केंद्र पर स्थानांतरित करने का अधिकार सुरक्षित है.

(आर) भारतीय तटरक्षक बल बिना कोई कारण बताए भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में इस बैच की पूरी भर्ती को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है.

(एस) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन और किसी भी प्रकार के अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के उपयोग की अनुमति नहीं है. भारतीय तटरक्षक इसको अनुचित साधन अपनाना मानता है. यदि कोई भी उम्मीदवार स्टेज-I, II और III के दौरान मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस, किसी भी प्रकार की रिकॉर्डिंग/स्कैनिंग/सुनवाई/कैप्चरिंग उपकरण आदि के साथ पकड़ा जाता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और तुरंत एफआईआर दर्ज करने सहित कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी.

(टी) भारतीय तटरक्षक किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को सुरक्षित रखने की गारंटी नहीं दे सकता. लिखित परीक्षा शुरू होने और बायोमेट्रिक पंजीकरण प्रक्रिया के बाद किसी भी कारण से उम्मीदवार को शौचालय जाने या परीक्षा स्थल/हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

(यू) परीक्षा स्थल में प्रवेश करने से पहले सभी उम्मीदवारों की तलाशी ली जाएगी.

(वी) सभी उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और किसी भी उम्मीदवार द्वारा की गई किसी भी संदिग्ध गतिविधि के बारे में तुरंत पर्यवेक्षक को सूचित करें.

(डब्ल्यू) सफल ऑनलाइन पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों के पास वैध ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर होना चाहिए. उम्मीदवार के साथ आईसीजी द्वारा संचार केवल ई-मेल या आईसीजी भर्ती वेबसाइट के माध्यम से होगा. उम्मीदवारों को भर्ती कार्यक्रम में किसी भी बदलाव के लिए आईसीजी वेबसाइट और ई-मेल नियमित रूप से जांचने का निर्देश दिया जाता है. ई-मेल और आईसीजी भर्ती वेबसाइट की नियमित रूप से जांच करने में विफलता के कारण उम्मीदवार द्वारा विभिन्न भर्ती चरणों के लिए रिपोर्टिंग नहीं की जा सकेगी और उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. ईमेल और आईसीजी भर्ती वेबसाइट पर प्रकाशित अपडेट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. यदि उम्मीदवार दैनिक आधार पर ई-मेल या वेबसाइट के माध्यम से महत्वपूर्ण भर्ती संचार की नियमित रूप से जांच करने में विफल रहता है तो आईसीजी जिम्मेदार नहीं होगा.

(एक्स) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन पत्र पूरी सावधानी से भरना होगा क्योंकि आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आवेदन में कोई बदलाव की अनुमति नहीं है. ऑनलाइन आवेदन में कोई भी गलत जानकारी देने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. ऑनलाइन आवेदन में गलत जानकारी की गलती स्वीकार करने वाले उम्मीदवार द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित शपथ पत्र पर भर्ती प्रक्रिया की परीक्षा के किसी भी चरण में विचार नहीं किया जाएगा और उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(वाई) उम्मीदवारों को निर्देश दिया जाता है कि वे लागू श्रेणी विवरण (एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी)/ईडब्ल्यूएस) को उचित सावधानी से भरें, क्योंकि आवेदन जमा करने के बाद किसी भी बदलाव की अनुमति नहीं है. अतीत में, कुछ उम्मीदवारों ने आवेदन पत्र में गलत श्रेणी घोषित करते हुए भारतीय तटरक्षक बल से उन्हें सामान्य उम्मीदवार के रूप में लिखित परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति देने का अनुरोध किया था. आवेदन पत्र में उम्मीदवारों द्वारा गलत घोषणा के आधार पर इसकी अनुमति नहीं है और भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में और सेवा में शामिल होने के बाद भी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(जेड) अभ्यर्थियों को दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय पर आवेदन करें.

(एए) स्टेज-I, II और III के लिए ई-एडमिट कार्ड पर उल्लिखित तारीख और समय पर रिपोर्ट करने में विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एबी) भारतीय तटरक्षक बल अंतिम तिथि के भीतर या भारतीय तटरक्षक के नियंत्रण से परे किसी अन्य कारण से अपने आवेदन जमा करने में सक्षम नहीं होने वाले उम्मीदवारों के लिए कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेता है.

(एसी) परीक्षाओं के प्रशासन/तकनीकी/लॉजिस्टिक्स में कुछ समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना से पूरी तरह इंकार नहीं किया जा सकता है, जो परीक्षा और/या परिणाम को प्रभावित कर सकती हैं. उस स्थिति में, ऐसी समस्या को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, जिसमें उम्मीदवारों की आवाजाही, परीक्षा में देरी शामिल हो सकती है. पुनः परीक्षा का आयोजन भारतीय तटरक्षक/परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के पूर्ण विवेक पर निर्भर है. अभ्यर्थी दोबारा परीक्षा के लिए कोई दावा नहीं कर सकेंगे. जो उम्मीदवार आगे बढ़ने के इच्छुक नहीं हैं या परीक्षा की विलंबित प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक नहीं हैं, उन्हें प्रक्रिया से सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा.

(एडी) कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त विज्ञापन पर जारी शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/** पर प्रकाशित किया जाएगा और उम्मीदवारों को किसी भी शुद्धिपत्र के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना होगा. यदि उम्मीदवार वेबसाइट पर जारी शुद्धिपत्र को देखने में विफल रहता है और तदनुसार कार्य नहीं करता है या आवश्यक शुद्धिपत्र का अनुपालन नहीं करता है तो भारतीय तटरक्षक बल जवाबदेह नहीं होगा.

(एई) उम्मीदवारों को भर्ती वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/faqs** पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की जांच करनी होगी और ऑनलाइन आवेदन जमा करने के दौरान और परीक्षा के विभिन्न चरणों में अनुपालन करना होगा.

(एएफ) उम्मीदवार को ऑनलाइन आवेदन भरते समय दर्ज किया गया अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी याद रखना चाहिए, क्योंकि उम्मीदवार के साथ पत्राचार केवल ई-मेल आईडी या आईसीजी वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/** के माध्यम से होगा. आवेदन जमा करने के बाद, उम्मीदवार को ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर केवल एन्क्रिप्टेड रूप में दिखाई देगा.

(एजी) स्टेज-II के लिए ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड करने तक ही दस्तावेज़/अतिरिक्त दस्तावेज़ अपलोड करना अनुमत है. स्टेज-II ई-एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के बाद उम्मीदवार द्वारा कोई दस्तावेज अपलोड नहीं किया जा सकता है. आईसीजी द्वारा घोषित समय के भीतर दस्तावेज़ अपलोड करने में विफलता पर उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एएच) जिन अभ्यर्थियों का श्रेणी प्रमाण पत्र 'एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस' स्टेज-II और स्टेज-III से पहले समाप्त हो रहा है, उन्हें स्टेज के लिए उपस्थित होने के समय पुराने प्रमाण पत्र के साथ नवीनीकृत/नया प्रमाण पत्र लाना चाहिए. स्टेज-II और स्टेज-III में पुराना और नवीनीकृत/ताजा प्रमाण पत्र लाने में विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एजे) यदि अभ्यर्थी धोखाधड़ी से एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी)/ईडब्ल्यूएस स्थिति का दावा करते हैं या कोई अन्य गैर-बोनाफाइड लाभ प्राप्त करते हैं तो उन्हें आईसीजी द्वारा आयोजित वर्तमान और भविष्य की परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा.

(एके) स्टेज-II के बाद भी भर्ती प्रक्रिया के कई चरणों में दस्तावेज़ सत्यापन किया जाता है. उम्मीदवारों को निर्देशित किया जाता है कि वे नियमित रूप से दैनिक आधार पर अपने ई-मेल जांचें और डैशबोर्ड लॉग-इन करें. यदि उम्मीदवार डैश बोर्ड/ई-मेल लॉग-इन पर आईसीजी द्वारा पोस्ट किए गए अपडेट की जांच करने में विफल रहता है, तो अलग से कोई संचार नहीं किया जाएगा और उम्मीदवार इसके लिए जिम्मेदार होगा.

(एएल) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले अनिवार्य रूप से आईसीजी वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in/cgept/downloads/commonReasonForRejection** पर अस्वीकृति के सामान्य कारणों को देखना होगा. यदि दस्तावेज़ 'अस्वीकृति के सामान्य कारणों' के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं, तो उन्हें इस विज्ञापन के जवाब में आवेदन न करने का निर्देश दिया जाता है.

(एएम) उम्मीदवारों को उनके हित में निर्देशित किया जाता है कि वे अंतिम तिथि से बहुत पहले ऑनलाइन आवेदन जमा करें और अंतिम तिथि के निकट/समाप्ति दिनों के दौरान वेबसाइट पर भारी लोड के कारण आईसीजी वेबसाइट पर लॉग-इन करने में वियोग/असमर्थता या विफलता की संभावना से बचने के लिए अंतिम तिथि तक इंतजार न करें.

(एएन) उम्मीदवारों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऑनलाइन आवेदन में अपलोड किए गए मूल दस्तावेजों को चोरी या लापरवाही के कारण न खोएं. उम्मीदवार द्वारा दावा किए गए चोरी या लापरवाही के कारण भी आवेदन में अपलोड किए गए मूल दस्तावेजों को प्रस्तुत करने में विफलता पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. इस संबंध में किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही उम्मीदवार अपने दस्तावेजों की कथित चोरी के संबंध में फोटोकॉपी के साथ एफआईआर और/या शपथ पत्र प्रस्तुत करे.

(एपी) जन्मतिथि और लिंग की जानकारी को किसी भी परिस्थिति में किसी भी बाद के चरण में बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी भी चरण में गलत जानकारी पाए जाने पर आपकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एक्यू) उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन को अंतिम रूप से जमा करने से पहले आवेदन के प्रिंट पूर्वावलोकन का विकल्प प्रदान किया जाएगा. इस सुविधा का उपयोग उम्मीदवारों द्वारा यह प्रमाणित करने के लिए किया जाना चाहिए कि क्या उनका आवेदन सभी पहलुओं (आवश्यक विवरण जैसे नाम, जन्म तिथि, माता-पिता का नाम, विषयवार अंक/सीजीपीए (जैसा लागू हो), दस्तावेजों की वैधता तिथि, श्रेणी प्रमाणपत्र विवरण आदि) में मान्य है, सही हैं और विज्ञापन में निर्धारित नियमों के अनुसार दस्तावेज़ सत्यापन में अस्वीकृति नहीं होती है. इस सुविधा का उपयोग ऑनलाइन आवेदन को अंतिम रूप से जमा करने से पहले कितनी भी बार किया जा सकता है.

(एआर) उपरोक्त बिंदु (एक्यू) के अलावा, पंजीकरण पूरा होने के बाद उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन आवेदन में कुछ फील्ड को संपादित/सुधार करने के लिए 02-03 दिनों की अवधि के लिए संपादन/सुधार विंडो प्रदान की जाएगी. संपादन विंडो की अवधि उम्मीदवारों को आईसीजी भर्ती वेबसाइट और ई-मेल पर स्क्रॉल के माध्यम से सूचित की जाएगी. पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान ऑनलाइन आवेदन भरते समय की गई गलतियों को सुधारने के लिए उम्मीदवारों को संपादन विंडो का उपयोग करना होगा. ऑनलाइन आवेदन पत्र, अपलोड किए गए दस्तावेज़ (ऑनलाइन आवेदन स्टेज-I और II पर) और स्टेज-II में भौतिक सत्यापन के लिए प्रदान किए गए दस्तावेजों के साथ नाम, जन्म तिथि, माता-पिता का नाम, विषयवार अंक/प्रतिशत/सीजीपीए (जैसा लागू हो), दस्तावेजों की वैधता, श्रेणी प्रमाणपत्र विवरण, आदि के संबंध में प्रदान की गई जानकारी के साथ कोई बेमेल/असंगतता/त्रुटि दस्तावेज़ सत्यापन में विफलता होगी और उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एएस) उम्मीदवारों को कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की संबंधित मार्कशीट के अनुसार सभी विषयों के अंक दर्ज करने होंगे. अपूर्ण/गलत अंक दर्ज करने या मार्कशीट के केवल 02 या 03 विषयों के अंक दर्ज करने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(एटी) आधार कार्ड रखने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन दाखिल करते समय पहचान प्रमाण के लिए पहले विकल्प के रूप में आधार कार्ड अनिवार्य रूप से अपलोड करना होगा. यदि, आधार कार्ड के बिना उम्मीदवार को भर्ती प्रक्रिया के आगे के चरणों के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है, तो उम्मीदवार को आधार कार्ड और आधार कार्ड से जुड़ा हुआ मोबाइल नंबर सुनिश्चित करना होगा, क्योंकि स्टेज-III पर बैंक खाता खोलने और स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या उत्पन्न करने के लिए यह अनिवार्य है.

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र.-02, फ्लेट क्र.-303 एवं 304, थर्ड फ्लोर, साक्षी ग्रीन बिल्डिंग, हरदौल गार्डन के फ्रन्ट पर, सचिन तेन्दुलकर मार्ग, ग्वालियर - पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-09/2023-24

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, ग्वालियर संभाग क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 09/2023-24 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_333922_1 है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 26.02.2024 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/113856/2024 R-49507/2024 **परियोजना यंत्री**

लघु वनोपजों के निर्यात के लिये आदिवासी बहुल जिलों को मिलेगा जैविक प्रमाण-पत्र

भोपाल, लघु वनोपजों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये आदिवासी बहुल जिलों को जल्द ही जैविक प्रमाण-पत्र मिलेगा। वन मंत्री श्री नागरसिंह चौहान ने इसके लिये सभी औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि तेन्दूपत्ता संग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिये उन्हें संबल योजना में शामिल किया गया है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े जनजातीय परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिये तेंदूपत्ता संग्रहण दर 3000 रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है। वर्ष 2003 में संग्रहण दर 400 रुपये प्रति मानक बोरा थी। इस निर्णय के परिणामस्वरूप संग्राहकों को लगभग 560 करोड़ रुपये का संग्रहण पारिश्रमिक के रूप में वितरित किया गया है।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 279/MTN/2024

No./2376/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 16.02.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. Table No. 1 :- Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Harda	2	4138401.00

2. Table No. 2 :- Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Burhanpur	1	13066601.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **19.02.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113832/2024 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49504/2024

Computer Proficiency Certification Test

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited

Exam Registration Opens

MPSEDC/CPCT/Exam/2024/

"म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड"

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु संविदा/नियमित नियुक्तियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 15-16 & 17 मार्च 2024 | **पंजीयन तिथि : 16 फरवरी 2024 से 25 फरवरी 2024**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 27 फरवरी 2024 से 29 फरवरी 2024

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल **(www.cpct.mp.gov.in)** पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011 R-49501/2024

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

म.प्र. माध्यम/113818/2024

पहुंच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को मिलेगी गति

भोपाल, परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। श्री सिंह ने नरसिंहपुर जिले के तेन्दूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मेहदा में 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पहुंच मार्ग का भूमिपूजन किया। इसके बाद समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिये संकल्पित है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी निर्माणाधीन कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरे किये जायेंगे। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को विकास कार्यों की सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिये। इस मौके पर श्री सिंह ने ग्राम डोभी में पब्लिक स्कूल के सामने मिनी स्टेडियम निर्माण के लिये 25 लाख रुपये और डोभी-गुटौरी तिराहे पर पहुंच मार्ग निर्माण के लिये एक करोड़ 25 लाख रुपये की घोषणा की।

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
फोन : 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत बैरक निर्माण कार्य 9वीं वाहिनी, रीवा जिला रीवा के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 14/2023-24 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_334009_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.02.2024 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पद पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113854/2024 **परियोजना यंत्री**

R-49506/2024

(एयू) आईसीजी रक्षा मंत्रालय के अधीन एक सशस्त्र बल है, किसी भी प्रकार की दिव्यांगता वाले व्यक्ति आवेदन करने के पात्र नहीं हैं.

14. **यात्रा व्यय** अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार, जो केंद्र/राज्य सरकार द्वारा नियोजित नहीं हैं, उन्हें यदि होम स्टेशन परीक्षण स्थल (स्टेज-I) से 30 किलोमीटर से अधिक दूर है, तो केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार मूल टिकट दिखाने पर सबसे छोटे मार्ग सेट्रेन/सरकारी बस/स्टीमर द्वारा साधारण द्वितीय श्रेणी किराया की प्रतिपूर्ति की जाएगी. एससी/एसटी उम्मीदवारों को आईसीजी वेबसाइट से यात्रा फॉर्म डाउनलोड करना होगा और भारतीय तटरक्षक बल को जमा करना होगा.

15. **वेतन, भत्ते और अन्य लाभ :**

(ए) नाविक (जनरल ड्यूटी) मूल वेतन रु. 21700/- (वेतन स्तर-3) + महंगाई भत्ता और प्रचलित नियमों के अनुसार ड्यूटी की प्रकृति/तैनाती के स्थान के आधार पर अन्य भत्ते.

16. **पदोन्नति और अनुलाभ :**

(ए) 47600/- रुपये (वेतन स्तर-8) महंगाई भत्ते सहित के मौजूदा वेतनमान के साथ प्रधान अधिकारी के पद तक पदोन्नति की संभावनाएं मौजूद हैं. अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति विषय पर निर्धारित नियमों के अनुसार सेवा में रहते हुए उपयुक्तता और प्रदर्शन के अधीन है.

(बी) अन्य लाभ :

(i) मौजूदा नियमों के अनुसार मुफ्त राशन और कपड़े. आश्रित माता-पिता सहित स्वयं और परिवार के लिए निःशुल्क चिकित्सा उपचार. (ii) स्वयं एवं परिवार के लिए सरकारी आवास.

(iii) सरकारी नियमों के अनुसार स्वयं, परिवार और आश्रित माता-पिता के लिए अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) के साथ हर साल 45 दिन की अर्जित छुट्टी और 08 दिन की आकस्मिक छुट्टी.

(iv) अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) और सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी. (v) कैंटीन सुविधाएं (सीएसडी) और अन्य ऋण सुविधाएं.

(vi) सेवानिवृत्ति के बाद ईसीएचएस चिकित्सा सुविधाएं.

(vii) बीमा कवर नामांकित कार्मिक के लिए 75 लाख रुपये का बीमा कवर (योगदान पर) लागू है.

नोट : वेतन, भत्ते, पदोन्नति, बीमा कवर और अन्य लाभ सरकारी आदेशों के अनुसार परिवर्तन के अधीन हैं.

17. **सभी शाखाओं की नौकरियों की प्रकृति के बारे में संक्षिप्त विवरण https://joinindian coastguard.cdac.in/cgept/join_navik_gd.html लिंक से प्राप्त किया जा सकता है.**

उम्मीदवार विज्ञापन के हिंदी संस्करण और संपूर्ण अपडेट के लिए तटरक्षक भर्ती वेबसाइट https://joinindia ncoastguard.cdac.in/cgept/ देखें. यह केवल सांकेतिक विज्ञापन है, किसी भी न्यायालय में केवल अंग्रेजी विज्ञापन ही संदर्भित किया जाएगा, हिंदी संस्करण नहीं. अंग्रेजी संस्करण हर समय हिंदी विज्ञापन पर श्रेष्ठता रखता है.

सावधानी : भारतीय तटरक्षक बल में चयन निष्पक्ष और योग्यता के आधार पर होता है. अभ्यर्थी को भर्ती एजेंट के रूप में प्रस्तुत बेईमान व्यक्तियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए. ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत के लिएए उम्मीदवार को निदेशक (भर्ती) तटरक्षक मुख्यालय, भर्ती केंद्र, नोएडा से टेलीफोन : 0120-2975817 पर संपर्क करना होगा.

अस्वीकरण
विज्ञापन में दिए गए नियम और शर्तें केवल दिशानिर्देश हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा जारी संशोधित आदेश भर्ती प्रक्रिया के दौरान लागू होंगे.

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 27 फरवरी, 24 (17:30 बजे)
तटरक्षक नामांकित कार्मिक परीक्षण (सीजीईपीटी) 02/2024 बैच के लिए

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking - Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
REGIONAL OFFICE INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road INDORE- 452001 (M.P.)
CIN : U51102MP1977SGC001392 Phone : (O) 0731-2970611, 2971311, 2974363
Fax No. : 0731-2972629. E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in

NOTICE INVITING TENDER

Tender for Commercial Plot in Industrial Area Nimrani District Khargone

MPIDC Regional office Indore (formerly known as MPAKVN(I) Ltd., Indore) invites offers for lease of plot measuring as below in Industrial Area Nimrani, District Khargone is well developed industrial area and has more than 200 Industrial Plots near by .The proposed plot to be leased out is on Indore-Mumbai (NH-3) National Highway. The plot has good road connectivity. Therefore the proposed plot is a good location for commercial activites.

Details of Commercial Purpose Land to be leased are as under :

Plot No.	C-1	C-2	C-3
Plot Area (SQM)	4555.7	3530.0	3212.0
Base Price	5678680.0	4400145.0	4003758.0
Earnest Money	567868.0	440015.0	400376.0
Tender Prosess	E-Tendering		

Detailed of Bid documents can be down loaded for perusal from website **http://www.mptenders.gov.in** and can be purchased from 15.02.2024 to 05.03.2024 Online on website **www.mptendres.gov.in**

M.P. Madhyam/113807/2024 R-49498/2024 **EXECUTIVE DIRECTOR**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Regional Office : 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE-452001 (M.P.) , Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629, Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, CIN : U51102MP1977SGC001392

No. MPIDC/RO/IND/TECH/24/2945 DATE :15.02.2024

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable amount of contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender form (in Rs.)	Last date of Submission of Tender
Repairing custom, security building work and misc. work at SEZ I & II, Pithampur, Distt. Dhar (M.P.)	196.00	196000/-	14750/-	08.03.2024

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/113819/2024 R-49502/2024 **EXECUTIVE ENGINEER**

APPOINTMENTS

Under College Code 28

Affiliated to BCI, DAVV & H.E.
Renaissance, a renowned educational group requires
at **RENAISSANCE LAW COLLEGE,**
Gram Narlay, Post-Rangwasa, Distt. Indore (M.P.)

ASSISTANT PROFESSORS

For LAW, Political Science, English & Economics

Qualification & Salary as per UGC norms.

Candidates should have excellent command over English.

Apply within 15 days.

City Office : 45, Anurag Nagar, Behind Press Complex, Indore Ph: **0731-4262132**
renaissancelawcollege@gmail.com

Renaissance Law College
Affiliated to BCI, DAVV & H.E.

R-49489/2024 ADVT.

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बैरसिया, जिला - भोपाल (म.प्र.)

क्र./मंडी/निर्माण/23-24/1162 बैरसिया, दिनांक : 12.02.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2024_MPSAM_332435_1 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदायें दिनांक 05.03.2024 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.co.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/113742/2024 R-49490/2024 **सचिव**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1172 (PM-JANMAN) (Batch-I, Year-2023-24)

No./2127/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 12.02.2024

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:-

- **Name of Work -** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs)
1	Anuppur	5	14	29.39	194959656.00
2	Ashoknagar	2	2	2.56	21175000.00
3	Balaghat	8	11	38.41	252782782.00
4	Datia	1	2	2.40	15157070.00
5	Dindori	7	20	47.05	329978360.00
6	Guna	4	4	10.56	79839660.00
7	Gwalior	5	10	14.87	103579234.00
8	Mandla	4	14	33.19	207790550.00
9	Morena	1	1	2.10	13987000.00
10	Narsinghpur	3	3	19.50	122646080.00
11	Satna	1	1	2.85	21133728.00
12	Shahdol	10	23	38.05	230894682.00
13	Sheopur	1	1	3.62	28889680.00
14	Shivpuri	4	6	22.72	143837340.00
15	Sidhi	4	13	27.46	189160680.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **16.02.2024 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **11.03.2024 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113744/2024 R-49491/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. Of M. P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./2130/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 12.02.2024

NOTICE INVITING TENDER EL-79

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/ Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/ CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.** Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Betul	1	3217303.00
2.	Chhindwara	1	1691977.00
3.	Sagar	2	2490000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **13.02.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113745/2024 R-49492/2024 **(TENDER)**

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal-462011 (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./2192/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 13.02.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1173 DMF

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work - UPG (MPRRDA SSR : 05.11.2019)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Sehore	2	185390000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **19.02.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113782/2024 R-49493/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION (MPSeDC), BHOPAL

(Under Department of Science & Technology Government of Madhya Pradesh)

VACANY AT MPSeDC

Reference above titled advertisement published on 26.01.2024, for various positions of MPSeDC. For further clarification and in public interest, this is to inform that the last date of receiving the application for the following positions has been **extended till 20.02.2024.**

1. Database Administrator (DBA) - Oracle Database
2. Senior Developer - Java
3. Developer - Java
4. Database Developer - Oracle Database
5. Desktop Developer (GIS)
6. GIS Application Development Lead
7. GIS Application Developer
8. Cloud Solution Architect
9. Database Expert

All other details mentioned in the advertisement remain unchanged.

R-49497/2024 M.P. Madhyam/113803/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
फोन - 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत पुलिस लाइन टीकमगढ़ में बॉस्केटबाल कोर्ट मय सिन्थेटिक फ्लोरिंग, बॉलीबाल कोर्ट, लॉन टेनिस कोर्ट मय सिन्थेटिक फ्लोरिंग, बैडमिंटन कोर्ट मय सिन्थेटिक फ्लोरिंग का निर्माण कार्य के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 13/2023-24 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/ TENDER NO. 2024_MPPHC_ 333484_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 24.02.2024 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113817/2024 R-49500/2024 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेन्ट कंपनी लिमिटेड

(नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन)
अमरकण्टक भवन, प्रेस काम्पलेक्स, एम पी नगर, भोपाल-462011 (म.प्र.)
ई-मेल : mapurdep@gmail.com, दूरभाष : 0755-2763060
(CIN No. U75110MP2015SGC034139)

क्र. MPUDC/PMU/2024/1282 दिनांक : 14.02.2024

रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन एवं रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (डायरेक्ट)

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंम्पनी लिमिटेड द्वारा मध्यप्रदेश में जिला सतना के चित्रकूट नगरीय क्षेत्र की फिजिबिलिटी स्टडी एवं एकीकृत नगरीय विकास योजना तैयार कराये जाने कार्य हेतु योग्य सलाहकार फर्म्स से योग्यता के आधार पर **रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन एवं रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल** आमंत्रित किया जाता है। विस्तृत वितरण तथा संबंधित जानकारी ई प्रोक्योरमेंट के पोर्टल https://mptenders.gov.in (Madhya Pradesh Urban Development Company Limited - MDB Tender no. 2024_MPUDC_332032) पर उपलब्ध है।

विस्तृत प्रपत्र दिनांक 16.02.2024 अपरान्ह 02.00 बजे से ऑनलाइन उपलब्ध है। प्रस्ताव के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण की **अंतिम तिथि 19.03.2024 अपरान्ह 02:30 बजे तक** है।

अधोहस्ताक्षरकर्ता बिना कारण बताये किसी भी अथवा समस्त प्रस्तावों को मान्य अथवा अमान्य करने अथवा विज्ञप्ति को निरस्त करने के लिये स्वतंत्र है।

म.प्र. माध्यम/113802/2024 **उप परियोजना संचालक (तकनीकी)**

R-49496/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal-462011 (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./1184/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dt. : 13.02.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1174 (PMGSY-B.W.)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work - Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Vidisha	1	35026000.00

1. Bid document may be purchase online from **19.02.2024 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **04.03.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113784/2024 R-49494/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./2285/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 15.02.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1175

(PMGSY-III-Bridge)
(PMGSY-III, Batch-I, Year 2023-24)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work – Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
1	Jabalpur	1	1	68460830.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **19.02.2024 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **04.03.2024 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113816/2024 R-49499/2024 **(TENDER)**

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 278/MTN/2024 (BW)

No./2373/22/D-12/NIT-Maint./2024 **Bhopal, Dated : 16.02.2024**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. Table-1; Name of Work : Post 5 Year (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Chhindwara	1	1708000.00

2. Table-2; Name of Work : Post 10 Year (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	12214000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **19.02.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113831/2024 R-49503/2024 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 280/MTN/2024 (Flood Damage-SR)

No./2370/22/D-12/NIT-Maint./2024 **Bhopal, Dated : 16.02.2024**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable -** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Shivpuri	1	2473036.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **19.02.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/113833/2024 R-49504/2024 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं. 1 चिनार पार्क ईस्ट, भोपाल

आम-सूचना

''सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा **म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग तथा म.प्र. शासन, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2023** का आयोजन हेतु दिनांक 28.04.2023 को विज्ञापन क्रमांक 03/2023 प्रकाशित किया गया था। उक्त परीक्षा हेतु जारी पूर्व विज्ञापन, विभागों/कार्यालयों से प्राप्त पुनरीक्षित आरक्षण तालिका को समाहित कर जारी शुद्धि पत्र क्रमांक MPESB/प-1/753/2024 दिनांक 12.02.2024 एवं तदानुसार घोषित किये जाने वाले परिणाम के संबंध में मण्डल द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर खंडपीठ इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र.के समक्ष केविएट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा उक्त संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता-(1) श्री राहुल दिवाकर अधिवक्ता-751 अग्रवाल कालोनी, जबलपुर (2) श्री कौस्तुभ पाठक अधिवक्ता-102 बी ब्लॉक प्रकृति कार्पोरेट 18/2 वाय.एन. रोड, इंदौर एवं (3) श्री विवके खेडकर, अधिवक्ता-विंच्योरकर की गोठ, चावड़ी बाजार, लश्कर, ग्वालियर, म.प्र.को उपलब्ध कराने का कष्ट करें''।

विज्ञापन क्रमांक-.18/23-2024

म.प्र. माध्यम/113787/2024 R-49495/2024 **संचालक**

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री ने किया मृगनयनी एम्पोरियम का निरीक्षण

भोपाल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा मध्यप्रदेश संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम एवं मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल ने जीटीबी परिसर स्थित मृगनयनी एम्पोरियम का निरीक्षण किया। मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के एम्पोरियम में खादी एवं हाथकरघा के जरिये निर्मित उत्पादों का विक्रय किया जाता है। एम्पोरियम में रेशम की साड़ी, चंदेरी साड़ी, मेंहदीवाड़ा की कोसा साड़ी, खादी परिधान, चादरें, कांसे, काष्ठ एवं बांस के खिलौने भी उचित मूल्य पर विक्रय के लिये उपलब्ध है। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। भोपाल हाट, मेलों एवं अन्य प्रमुख स्थानों में भी एम्पोरियम के स्टॉल्स लगायें। खादी, हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पादों की विशेष ब्रांडिंग करने के निर्देश दिए।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की वेबसाइट पर 550 प्राचीन पुस्तकें

भोपाल, जनसामान्य में संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिये स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की वेबसाइट तैयार की गई है। वेबसाइट में संस्थान से जुड़ी जानकारी के अलावा शासकीय जीवाजी वेधशाला उज्जैन और शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल की जानकारियों को भी समाहित किया गया है। संस्थान की वेबसाइट www.mpssbhopal.org पर संस्कृत विषय से जुड़ी हुई 550 प्राचीन पुस्तकों को अपलोड किया गया है। वेबसाइट पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिये तैयार ब्लू प्रिंट, प्रश्न बैंक, आदर्श उत्तर पाठ्य सामग्री, संस्थान का नवीन पाठ्यक्रम अपलोड किये गये हैं। इसके साथ ही नवीन पाठ्यक्रम अनुसार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडलम् से प्राप्त कक्षा 9वीं से 12वीं तक की प्राच्य संस्कृत विषयों की 22 पाठ्यपुस्तकें तथा संस्कृत प्रबोधनी की पुस्तक को स्केन किया जाकर अपलोड किया गया है।

मण्डी व्यापारियों को 30 वर्ष तक की अवधि के लिये मिलेगा लायसेंस

भोपाल, प्रदेश के मण्डी व्यापारियों को अब 30 वर्ष तक की अवधि के लिये लायसेंस मिलेगा। मण्डी व्यापारियों की फीस में भी कमी की गई है। इससे प्रदेश के मण्डी व्यापारी लाभान्वित होंगे। इस संबंध में मण्डी बोर्ड से जारी आदेश 24 फरवरी, 2024 से प्रभावी होगा। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री सह अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री एदल सिंह कंषाना के निर्देश पर मण्डी व्यापारियों के लायसेंस की अवधि को बढ़ाने संबंधी निर्देश जारी कर दिये हैं। प्रदेश की 259 मण्डी समितियों द्वारा व्यापारियों को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति लायसेंस की अवधि 5 वर्ष से बढ़ाकर 30 वर्ष कर दी गई है। सभी मण्डी समितियों को अधिनियम की धारा-81 के तहत मण्डियों में प्रवृत्त उप विधि में 23 फरवरी, 2024 तक आवश्यक संशोधन करने को कहा है। उन्होंने बताया है कि निर्धारित दिनांक तक संशोधन नहीं होने पर आदेश स्वत: 24 फरवरी से लागू हो जायेगा। मण्डी बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री श्रीमन शुक्ला ने बताया है कि नवीन जारी आदेशानुसार मध्यप्रदेश के 65 हजार से अधिक व्यापारियों को प्रत्येक 5 साल में लायसेंस नवीनीकरण कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा

राजधानी संभाग क्र. - 3, लोक निर्माण विभाग
ई–5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, फोन : 0755-2463894

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यों हेतु निविदाएं, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदाएं पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में प्राप्त की जा सकती है। विभाग किसी भी प्रकार के डाक विलंब के लिए उत्तरदायी नहीं रहेगा।

क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	1. कार्य की अनुमानित लागत 2. अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं अंतिम दिनांक	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्राप्ति का दिनांक एवं कार्यालय	निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक एवं कार्यालय	(1) कार्य पूर्ण करने की अवधि (2) ठेकेदारों की श्रेणी (3) आमंत्रण क्र.
1.	155/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन के ऑडीटोरियम में विद्युत नवीनीकरण कार्य।	1- रु. 9,35,459/- 2- रु. 18709/-	**(1) 28.2.2024** सायं 5.30 तक	रु. 2000/-	(1) 29.2.2024 अपराह्न 3.00 बजे तक (2) कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल।	(1) 29.2.2024 समय 3.30 बजे। (2) कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल।	(1) 02 माह (2) केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली (3) प्रथम आमंत्रण।
2.	156/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित नवीन पारिवारिक खण्ड क्र. एन-2 सूट नं. 5,6,7,8 एवं मीटिंग हॉल का नवीनीकरण एवं सुदृढ़िकरण कार्य।	1- रु. 8,18,368/- 2- रु. 16367/-	(1) 26.2.2024 सायं 5.30 तक	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 02 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -
3.	157/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित खण्ड 1 से 3 एवं ओ.एफ.बी., बीआई.पी. गेस्ट हाउस एवं स्पीकर बंगलों के विभिन्न उद्यानों का लैडस्केपिंग कार्य।	1- रु. 9,80,580/- 2- रु. 19612/-	-- तदैव --	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 02 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -
4.	158/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम खण्डों में डी.एल.पी. ट्रंकिंग कार्य।	1- रु. 9,61,393/- 2- रु. 19228/-	-- तदैव --	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 02 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -
5.	159/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन में वूडन फर्नीचर/पेनलिंग का मेलामाईन पालिशिंग एवं ग्रिल, डोर, गेट का पेंटिंग कार्य।	1- रु. 9,77,660/- 2- रु. 19553/-	-- तदैव --	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 08 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -
6.	160/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन के रिपोर्टर सेक्शन का रिस्टोरेशन रिनोवेशन कार्य।	1- रु. 8,53,480/- 2- रु. 17070/-	-- तदैव --	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 01 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -
7.	161/23-24 व.ले.लि. दि. 14.2.2024	वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन में विद्युत नवीनीकरण कार्य।	1- रु. 9,95,172/- 2- रु. 19903/-	-- तदैव --	रु. 2000/-	-- तदैव --	-- तदैव --	(1) 02 माह (2) - तदैव - (3) - तदैव -

(1) कोरे निविदा प्रपत्र निर्धारित राशि का भुगतान कर कार्यालय कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। उक्त राशि वापसी योग्य नहीं है। (2) निविदा का वैद्यता खोले जाने की दिनांक से 120 दिन तक की होगी। (3) यदि निविदा प्राप्त होने/खोलने का दिवस शासकीय अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस में कार्यवाही संपादित की जावेगी। (4) निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करते समय निर्धारित आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य है, यदि निर्धारित दस्तावेज ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो उसकी निविदा खोली नहीं जावेगी। (i) म.प्र. लो.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी में वैद्य पंजीयन (ii) पैन कार्ड (iii) नो रिलेशन सर्टिफिकेट (iv) जी.एस.टी. पंजीयन (v) निविदा प्रपत्र अनुसार शपथ पत्र (vi) ई.पी.एफ. पंजीयन। (5) कार्य की अन्य शर्तों के बावत् जानकारी अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा,
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग

जी-24322/49511/2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड सीहोर (म.प्र.)

Mail ID :- eephseh@nic.in, Fax No. :- 07562-224092
Telephone No. :- 07562-224092, NEW BUS STAND SEHORE 466001 (M.P.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 26/नि.प्र./खण्ड सीहोर/लोस्वायांवि/2023-24 **सीहोर, दिनांक : 05.02.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदाओं में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

निविदा क्रमांक	कार्य	अनुमानित लागत (रु. में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2024_PHED_330290_1	सीहोर जिले के विकासखण्ड सीहोर के ग्राम तोरनिया, सतोरनिया, छापरी, झागरिया एवं मुंगावली में नलजल प्रदाय योजना का कार्य।	17941629/-	179416/-	12500/-	06 माह
2024_PHED_330292_1	सीहोर जिले के विकासखण्ड सीहोर के ग्राम पाडलिया, सिराडी, कतपोन, मगरदीखुर्द एवं सरखेडा में नलजल प्रदाय योजना का कार्य।	21884843/-	218848/-	15000/-	06 माह

क्र.	कार्यक्रम का विवरण	निर्धारित निविदा कार्यक्रम (की डेट्स) एवं समय
1.	ऑनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम दिनांक	19.02.2024, 05.30 PM
2.	बिड ओपनिंग दिनांक	20.02.2024, 05.30 PM

कार्यपालन यंत्री

जी-24022/49471/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सीहोर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग श्योपुर (म.प्र.)

Web. :- www.mppwd.nic.in, E-mail :- eepwdsheopur@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु अनुसूची सड़क पर प्रभावशील दिनांक 25.03.2022 निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेंडरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. निर्माण कार्य बर्धाबुजुर्ग जंगशन श्योपुर पाली मार्ग से मेडिकल कॉलेज मार्ग तक लं. 5.00 कि.मी. उपसंभाग श्योपुर के अंतर्गत जिला श्योपुर।

ई-टेण्डर क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक	जिला	कार्य की अनु. राशि रु. लाख में	ई.एम.डी. की राशि रु. में	निविदा डॉक्यूमेंट की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2023_PWDRB_331611	54	श्योपुर	836.61	836610	20000	12 माह वर्षाकाल सहित

1. ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक 10.02.2024 समय 10.30 बजे।
2. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय प्रारंभ दिनांक 12.02.2024 समय 10.30 बजे।
3. ऑनलाइन बिड सबमिशन प्रारंभ दिनांक 12.02.2024 समय 10.30 बजे।
4. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय/डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 09.03.2024 समय 17.30 बजे।
5. ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक **09.03.2024** समय 17.30 बजे।
6. ऑनलाइन टेक्निकल बिड ओपनिंग दिनांक 11.03.2024 समय 10.30 बजे।
7. ऑनलाइन फाइनेन्सियल बिड ओपनिंग दिनांक 18.03.2024 समय 10.30 बजे।

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-24041/49472/2024 **लो.नि.वि. संभाग श्योपुर (म.प्र.) (मो. 7610119531)**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. - 07582-220840, ईमेल आईडी. - cepwdsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं. - 25/2023-24/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 06.02.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. तेन्दूखेड़ा उपसंभाग के अंतर्गत हथनी इमलिया झापन मार्ग लंबाई 1 से 24, 30 एवं 36/2-4 = 25.40 कि.मी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWDRB_330499_1	दमोह	528.31	528310/-	20000	10 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 06.02.2024 समय 10.30 बजे से **दिनांक 20.02.2024** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता

जी-24010/49470/2024 **लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर**

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला छतरपुर (म.प्र.)

वार्डन/अधीक्षिकाओं की नियुक्ति संबंधी विज्ञप्ति

आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक/समग्र/07/2023-24/1040 भोपाल दिनांक 13.06.2023 में संलग्न छात्रावास संचालन मार्गदर्शिका में छात्रावास निर्देश क्रमांक 02 के कंडिका क्रमांक 9 अनुसार जिला अंतर्गत संचालित जिला छतरपुर अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास (सेकेण्डरी एजुकेशन) भगवां, बक्स्वाहा, किशनगढ़, गौरिहार, ईशानगर, चंदला, महाराजपुर, राजनगर एवं राज्य बजट अंतर्गत संचालित जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक एवं बालिका छात्रावास तथा 200 सीटर बालिका छात्रावास छतरपुर, कक्षा 9वीं से 12वीं तक संचालित छात्रावास में वार्डनों/अधीक्षिकाओं का प्रभार 03 वर्ष से अधिक होने पर वार्डन का प्रभार बदलना आवश्यक होने के निर्देश प्रदान किये गये हैं। उक्त निर्देश के परिपालन में संचालित बालिका छात्रावास हेतु वार्डन/अधीक्षिका पद पर कार्य करने हेतु इच्छुक महिला शिक्षक तथा बालक छात्रावास हेतु इच्छुक पुरुष शिक्षक के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की आरंभ तिथि :– 12.02.2024 से

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :– 05.03.2024 सायं 04.00 बजे तक

आवेदन पत्र एवं पद हेतु वांछित योग्यता संबंधी नियम कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी छतरपुर में कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी

जी-24052/49473/2024 **जिला छतरपुर (म.प्र.)**

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

Phone - 0755-2540590, 405000, Fax - 0755-2541376, Email - deangmc.bpl@yahoo.co.in

क्रमांक 6470/एम.सी./4/स्था/राज/2024 **भोपाल, दिनांक : 13.02.2024**

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-06/2018/1-55 दिनांक 07.04.2018 मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सकीय आदर्श सेवा नियम 2018, म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक एफ 1-9/2018/55-2 दिनांक 29.06.2018, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्रमांक 1134-38/स्था/अराज/2018 दिनांक 18.12.2018, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्रमांक 172/स्था/अराज/2019 दिनांक 05.02.2019 एवं संचालनालय चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्रमांक 2101/स्था/अराज/2022 दिनांक 21.10.2022 के अंतर्गत स्वशासी संस्था गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के अधीन निम्नलिखित **चिकित्सकीय संवर्ग** के रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है आवेदन करने की पात्रता उन्हीं आवेदकों को होगी जो शासन द्वारा निर्धारित शैक्षणिक अर्हताएं पूरी करते हों।

विज्ञापन की संपूर्ण जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल मध्यप्रदेश की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net** पर उपलब्ध है। योग्य उम्मीदवारों की सूची एवं साक्षात्कार की तिथि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल की website पर उपलब्ध कराई जाएगी इस हेतु website का अवलोकन करें।

आवेदन पत्र डाक द्वारा/व्यक्तिगत रूप से अधिष्ठाता गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। किसी भी स्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवेदन शुल्क चिकित्सकीय अधिकारी अनारक्षित वर्ग के लिए 3000 एवं आरक्षित वर्ग के लिए 1500/- प्रति आवेदन, का आवेदन शुल्क (IMPS/NEFT/UPI) ऑनलाइन माध्यम के द्वारा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के खाते **Account Name :-** CEO & Dean Gandhi Medical College, Bhopal. **Bank Name :-** State Bank of India **Account No. :-** 10625211248 **IFSC Code :-** SBIN0010140 में जमा कराना होगा।

शुल्क संचालन की रसीद आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा (डिमांड ड्राफ्ट स्वीकार नहीं होंगे)

आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 29.02.2024 सायं 5.30 बजे तक अधिष्ठाता कार्यालय गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल

सीधी भर्ती - चिकित्सा अधिकारी - कुल 11 पद

क्र.	पद	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल
01	चिकित्सा अधिकारी	-	-	04	05	02	11

शैक्षणिक अर्हता :– एम.बी.बी.एस./एम.सी.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा महाविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण। **(नोट :- इन पदों में बर्न एवं प्लास्टिक यूनिट के पद सम्मिलित है एवं प्लास्टिक/बर्न यूनिट में न्यूनतम 01 वर्ष का कार्य अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी को 01 पद हेतु प्राथमिकता दी जावेगी।)**

वेतनमान :– 15600-39100+5400 (राज्य शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत वेतनमान एवं अन्य भत्ते आदि देय होंगे।)

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-24224/49482/2024 **गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, रतलाम (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक - 07412-270439, फैक्स क्रमांक - 267740, ईमेल - eephedrat@mp.nic.in

क्रमांक 519/नि.लि./लो.स्वा.यां./2024 **रतलाम, दिनांक 08.02.2024**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य की निविदा सूचना ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **(https://mptenders.gov.in/nicgep/app)** पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :– रतलाम जिले के निम्न विकासखण्डों में नलकूप में गिरकर फंसी हुई इण्डिया मार्क-II हैण्डपंप की लाइन को मय संपूर्ण सामग्री का सुधार कार्य हेतु ऑनलाइन नवीन केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र ''अपेडिक्स 2.10'' पर आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	विकास खण्ड	प्लेट फार्म की संख्या	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाकाल सहित	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 5.30 बजे तक	निविदा प्रपत्र का मूल्य
11/23-24	2024_PHED_331362_1	जावरा, आलोट, पिपलोदा	150 नग	12.96	25920/-	6 माह	21.02.2024	2000/-
	2024_PHED_331370_1	रतलाम	100 नग	8.64	17280/-	6 माह		2000/-
	2024_PHED_331375_1	सैलाना, बाजना	100 नग	8.64	17280/-	6 माह		2000/-

शर्तें :–

1. निविदा आमंत्रण सूचना विभाग की वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखी जा सकती है। 2. निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क ऑनलाइन पेमेंट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** किया जाना है। 3. विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. उक्त निविदा में संशोधन होने पर ऑनलाइन **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** देखे जा सकते हैं। अलग से प्रकाशित नहीं किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-24220/49481/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड रतलाम**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नया वि./यां. संभाग
राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल
ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल, फोन - 0755-2463613

क्रमांक 92 से 112/व.ले.लि./23-24 **दिनांक : 29.01.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएं मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत विद्युत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. आर.जी.पी.व्ही. के कार्यालय एल.टी. डिस्ट्रब्यूशन पैनल, कैपेस्टिर पैनल, एच.टी. ट्रांसफार्मर मरम्मत एवं केबल का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।

एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य की अनु. लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदारों की श्रेणी
92/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330980	रु. 2465755/-	रु. 49315/-	रु. 5000/-	निर्माता एवं उनके अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदायकर्ता

2. विन्ध्याचल भवन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में ई.पी.बी.एक्स, लेन, नेटवर्किंग, सी.सी.टी.वी., साउण्ड सिस्टम, व्ही.सी. सिस्टम एवं फायर डीटेक्शन सिस्टम का संधारण एवं संचालन कार्य।

93/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330981	रु. 1032187/-	रु. 20644/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''अ'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

3. विन्ध्याचल भवन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में व्ही.आर.वी. सिस्टम एवं अन्य ए.सी. सिस्टम का संधारण एवं संचालन कार्य।

94/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330982	रु. 712973/-	रु. 14259/-	रु. 2000/-	--तदैव--

4. विन्ध्याचल भवन में स्थित Thyseen मेक 03 नग लिफ्टों का वार्षिक रखरखाव कार्य।

95/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330983	रु. 678510/-	रु. 13570/-	रु. 2000/-	निर्माता एवं उनके अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदायकर्ता

5. मुख्य निर्वाचन भवन में स्थित ESCON मेक 01 नग लिफ्ट का वार्षिक रखरखाव कार्य।

96/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330984	रु. 307230/-	रु. 6144/-	रु. 2000/-	--तदैव--

6. विन्ध्याचल भवन में स्थित 05 नग लिफ्टों का वार्षिक संचालन कार्य।

97/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330986	रु. 1830708	रु. 36614/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''ब'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

7. विन्ध्याचल भवन के 33 के.वी. सब स्टेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन पैनल का वार्षिक संधारण एवं संचालन कार्य।

98/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330989	रु. 1891584/-	रु. 37832/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''अ'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

8. वल्लभ भवन-1 में चेंजओवर स्विच, केबल एवं अन्य विद्युतीकरण का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।

99/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330992	रु. 612828/-	रु. 12257/-	रु. 2000/-	--तदैव--

9. वल्लभ भवन के चतुर्थ एवं पंचम तल में स्थापित विद्युत अधिष्ठापनों का संचालन एवं संधारण कार्य।

100/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330994	रु. 879132/-	रु. 17583/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''ब'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

10. शौर्य स्मारक में स्थापित हौलोग्राफिक यूनिट का वार्षिक संधारण कार्य।

101/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330996	रु. 654192/-	रु. 13084/-	रु. 2000/-	--तदैव--

11. वल्लभ भवन-1 में विद्युत संधारण कार्य।

102/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 330999	रु. 1999026/-	रु. 39981/-	रु. 2000/-	--तदैव--

12. सी.पी.ए. भवन में विद्युत संधारण कार्य।

103/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331001	रु. 999178/-	रु. 19984/-	रु. 2000/-	--तदैव--

13. राज्य सूचना आयोग में स्थापित आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण कार्य, डी.जी. सेट, ई.पी.बी.एक्स., लेन नेटवर्किंग, ओ.एच. प्रोजेक्टर, साउण्ड सिस्टम, फायर सिस्टम का संचालन एवं संधारण कार्य।

104/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331003	रु. 1124122/-	रु. 22482/-	रु. 2000/-	--तदैव--

14. राज्य सूचना आयोग में स्थापित Thyssen मेक लिफ्ट का संधारण एवं संचालन कार्य।

105/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331006	रु. 688622/-	रु. 13772/-	रु. 2000/-	निर्माता एवं उनके अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदायकर्ता

15. राज्य सूचना आयोग में स्थापित वातानूकुलन संयंत्र का संधारण कार्य।

106/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331008	रु. 147294/-	रु. 2946/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''ब'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

16. विन्ध्याचल भवन में विद्युत संधारण कार्य।

107/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331010	रु. 1999026/-	रु. 39981/-	रु. 2000/-	--तदैव--

17. विन्ध्याचल भवन स्थित विधि-विभाग में व्ही.आर.वी./व्ही.आर.एफ. सिस्टम का मरम्मत, सर्विसिंग एवं गैस बदलने का कार्य।

108/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331012	रु. 199408/-	रु. 4000/-	रु. 1000/-	--तदैव--

18. विन्ध्याचल भवन स्थित एन.के.एन. विभाग में स्थापित 01 नग 125 के.व्ही.ए. डी.जी. सेट का संधारण एवं संचालन का कार्य।

109/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331015	रु. 623402/-	रु. 12468/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''अ'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

19. वल्लभ भवन-3 में विद्युत संधारण कार्य।

110/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331016	रु. 1960504/-	रु. 33810/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''ब'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

20. सतपुड़ा भवन में 01 नग डी.जी. सेट का वार्षिक संधारण एवं संचालन कार्य।

111/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331018	रु. 922197/-	रु. 18444/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''अ'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

21. तुलसी नगर में स्थित दावा अदालत एवं शिजी नगर में स्थित संचालक गैस राहत विभागों में स्थापित आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण कार्य का सुधार एवं प्रदाय कार्य।

112/23-24 व.ले.लि. दि. 29.01.2024	2024_ सी.पी.ए._ 331186	रु. 1998762/-	रु. 39975/-	रु. 2000/-	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार ''ब'' श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक।

(1) उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (tender documents) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। (2) निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.02.2024 से 04.03.2024** सायं 5.30 बजे निर्धारित है। (3) विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, नया वि./यां. संभाग
जी-24169/49477/2024 **राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल, मोबा. क्र. 7869135540**

कार्यालय मुख्य अभियंता, इंदिरा सागर परियोजना (नहरें) सनावद
दूरभाष - 07280-234608, फैक्स - 07280-234608, ई-मेल - ceispnvda@gmail.com

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 09/सा./खण्डवा मा.उ.सि.यो./2023-24 **सनावद, दिनांक : 07.02.2024**

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :–

कार्य का नाम	खण्डवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना का टर्न की पद्धति पर निर्माण कार्य 53330 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई जो कि 2.5 हेक्टेयर चक तक, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार (परंतु उस तक सीमित नहीं।)
अनुबंध का अनुमानित राशि	1544.91 करोड़ (जीएसटी छोड़कर)
धरोहर राशि रु. में	50.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	50,000/- पचास हजार (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	09.02.2024, 17.30 Hrs. से 27.02.2024, 17.30 Hrs. तक
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	09.02.2024, 17.30 Hrs. से 27.02.2024, 17.30 Hrs. तक
धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक	29.02.2024, 10.30 Hrs. के पश्चात्

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से, भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
जी-24199/49480/2024 **इंदिरा सागर परियोजना (नहरें) सनावद, जिला खरगोन**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग
कला मंदिर रोड स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

एनआईटी नं. :– 04/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/CE/Building/355 **रीवा, दिनांक : 06.02.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. समान, जिला रीवा में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_ 331467_1	रीवा	121.82	121820/-	12500/-	08 माह वर्षाकाल सहित
2. जवा, जिला रीवा में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)					
2024_PWPIU_ 331472_1	रीवा	121.82	121820/-	12500/-	08 माह वर्षाकाल सहित
3. उच्च शिक्षा विभाग रीवा, जिला रीवा में अतिरिक्त संचालक कार्यालय भवन के निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)					
2024_PWPIU_ 331480_1	रीवा	359.77	359770/-	15000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
4. बैकुठपुर में उप तहसील कार्यालय भवन और सिविल हॉस्पिटल परिसर सिरमौर की ओपीडी पहुंच मार्ग का निर्माण अस्पताल का प्रमुख प्रवेश द्वारा जय स्तंभ चौक की ओर से निर्मित करना तथा प्रवेश मार्ग के दोनों ओर पेवर ब्लॉक एवं अन्य सौन्दर्यीकरण का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2024_PWPIU_ 331492_1	रीवा	55.63	55630/-	10000/-	06 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 12.02.2024 समय 10.00 AM से **दिनांक 26.02.2024** समय 6.00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
जी-24142/49474/2024 **लोक निर्माण विभाग, रीवा (म.प्र.)**

सुशासन भवन में आर्थिक विकास एवं रोज़गार सृजन पर हुई परिचर्चा

भोपाल, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग की भारत सरकार के प्रतिनिधियों के साथ 'आर्थिक विकास एवं रोज़गार सृजन' विषय पर परिचर्चा हुई। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल में हुई परिचर्चा में नीति आयोग के सदस्य श्री वी.के. सारस्वत, वरिष्ठ सलाहकार श्री इशियाक अहमद, प्रमुख सचिव योजना एवं सांख्यिकी श्री मुकेश गुप्ता शामिल हुए। परिचर्चा में आर्थिक सामाजिक विकास के रोडमैप पर विचार प्रस्तुत किये गये।

विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा

परिचर्चा में मध्यप्रदेश को आर्थिक वृद्धि एवं समावेशी विकास की ओर अग्रसर होने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर सुझाव दिये गये। प्रमुख रूप से कृषि क्षेत्र में फसल विविधिकरण और ड्रोन आधारित कृषि जैसी नवीन तकनीक का प्रयोग, विनिर्माण क्षेत्र के विकास के लिये स्टार्ट-अप, नवाचारों सामाजिक क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा को भी विकास के नवीन आयामों, एआई, शोध और नवाचार के प्रयोग से अद्यतन और गुणवत्तापूर्ण बनाने के सुझाव दिये गये। परिचर्चा में रोज़गार सृजन आधारित आर्थिक विकास के लिये प्रदेश की उच्च शिक्षा को तकनीकी एवं कौशल विकास के सभी प्रतिमानों एवं आयामों से एकीकृत करने पर चर्चा हुई। इससे उच्च शिक्षा को नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण बनाने और आवश्यकता आधारित रोज़गार सृजन में आवश्यक मदद मिलेगी।

परिचर्चा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बीएस जामोद, सचिव श्रीमती शिल्पा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन महोत्सव 2024

जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव ही है अच्छे सुशासन का मूलमंत्र - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामभाउ म्हलगी प्रबोधिनी संस्था के कार्यक्रम में सुशासन पर विचार प्रस्तुत किये

भोपाल, शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही सुशासन की परंपरा रही है, चाहे वह भगवान राम का काल हो या सम्राट विक्रमदित्य और राजा भोज का काल। आदिकाल की इसी परंपरा पर चलते हुए मध्यप्रदेश राज्य भी सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सुशासन के प्रेरणास्रोत हैं। ये विचार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में रामभाउ म्हलगी प्रबोधिनी संस्था के तत्वावधान में आयोजित सुशासन महोत्सव 2024 के मध्यप्रदेश राज्य के सत्र के दौरान व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन की परिकल्पना में प्रदेश के मंत्रिमंडल को दक्ष बनाने और जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के उद्देश से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। प्रदेश मंत्रिमंडल के प्रशिक्षण उपरांत अधिकारियों पर निर्भरता भी कम होगी।

डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन के जरिए जीवन में बदलाव लाने वाली अंत्योदय आधारित, पारदर्शी, संवेदनशील और गरीबोन्मुखी कार्यप्रणाली की व्यवस्था करना राज्य शासन का ध्येय है, जिससे आम नागरिक भी स्वाभिमान के साथ जीवनयापन कर सकें। प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, रोज़गार और पर्यावरण सरकार की प्राथमिकताएं हैं, जिस पर पिछले दो माह से काम जारी है। प्रदेश में सभी जिलों में एक्सीलेंस महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिनियम और कोलाहल अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए लगभग 25,000 दुकानें एक दिन में बंद करवाई गई और 32,000 से अधिक ध्वनि प्रदूषण यंत्र जब्त किए गए। दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध भी शासन सख्त कार्रवाई कर रहा है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन द्वारा प्रदेश के शासकीय कर्मचारी, कार्यकर्ता, संविदा कर्मियों को आयुष्मान भारत 'निरामयम' प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सम्मिलित किये जाने के संबंध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण, प्रमुख सचिव वित्त, प्रमुख सचिव राजस्व, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सचिव सामान्य प्रशासन, प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सदस्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुष्मान भारत निरामय सदस्य सचिव होंगे।

समिति प्रदेश के शासकीय कर्मचारी, कार्यकर्ता, संविदा कर्मियों को आयुष्मान भारत 'निरामयम' प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत, पूर्व में स्वीकृति पात्र श्रेणियों में सम्मिलित हितग्राहियों के अतिरिक्त, सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका सहित संविदाकर्मियों को प्रतिवर्ष, 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ देने के निर्देश जारी करेगी।

मुख्यमंत्री से राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जनता की भलाई के कार्य तत्परता से करें। प्रदेश में जनकल्याण, विकास और सुशासन के कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अच्छा कार्य करें। जनता की शिकायतें नहीं मिलें। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की डीपीसी समय पर कराकर पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जाएगा।

किसान भाई फसलों का पंजीयन समयावधि में करायें

भोपाल, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने चना, मसूर एवं सरसों उत्पादक किसान भाइयों से अपील की है कि वे उपज के उपार्जन के लिये ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन निर्धारित समय अवधि में जरूर कर लें। उन्होंने बताया है कि रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 20 फरवरी से 10 मार्च 2024 तक पंजीयन की कार्यवाही होगी।

श्री कंषाना ने बताया है कि रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के लिये खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने विस्तृत निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया है कि चना, मसूर एवं सरसों की फसलों के लिए www.mpeuparjan.nic.in ई-उपार्जन पोर्टल पर किसान भाइयों को पंजीयन कराना होगा। मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि पंजीयन की व्यवस्था, पंजीयन केन्द्रों के निर्धारण, पंजीयन केन्द्रों पर अन्य व्यवस्थाओं के लिये निर्देश दे दिये गए हैं।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर चने की उपज के उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के समस्त जिलों में होगा। मसूर के लिए 37 जिलों में एवं सरसों उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के 40 जिलों में होगा।

मसूर उपार्जन के लिए पंजीयन

मसूर उपार्जन के लिए पंजीयन भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर पन्ना, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, मण्डला, डिण्डोरी जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, कटनी, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, उज्जैन, मंदसौर, आगर, शाजापुर, रतलाम, नीमच एवं धार में किया जायेगा।

सरसों उपार्जन के लिए पंजीयन

सरसों के उपार्जन के लिए पंजीयन भिण्ड, मुरैना, श्योपुरकला, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, सागर, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी, डिण्डोरी, मण्डला, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, देवास, आगर, विदिशा, राजगढ़, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा में किया जायेगा।

बच्चों का कौशल उन्नयन भी करेगी नई शिक्षा नीति

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने ग्वालियर में सेठ एम.आर. जयपुरिया के शुभारंभ अवसर पर कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को समयबद्ध रूप से प्रदेश में लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति अच्छी शिक्षा के साथ बच्चों का कौशल उन्नयन भी करेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों के साथ-साथ प्राइवेट स्कूल के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने समारोह में प्रदेश में संचालित सीएम राइज स्कूल और पीएमश्री स्कूल के संचालन व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल बच्चों को संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने में अहम भूमिका अदा करते हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी संबोधित किया।

ई-समिट 2024

भारत युवा शक्ति से विश्व में अपनी पहचान रखता है

भोपाल, भारत बुद्धि, कौशल और युवा शक्ति से विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। हमारे युवा कम लागत एवं सीमित संसाधनों में भी अपनी बुद्धि और विवेक से कार्य कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश और देश के युवा सारे प्रश्नों और समस्याओं का हल ढूंढने में सक्षम हैं। युवा शक्ति के योगदान से प्रदेश और देश आगे बढ़ रहा है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में मेनिट परिसर में आयोजित मध्य भारत के सबसे बड़े उद्यमशील उत्सव 'ई-समिट 2024' को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-समिट 2024 की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। इस दिशा में हमारी युवा शक्ति का योगदान सराहनीय है। मध्यप्रदेश सरकार युवाओं के सपनों की उड़ान में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेनिट में आयोजित ई-समिट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

एमएसएमई के सचिव श्री पी. नरहरि ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिष्ठित रूप से उभरकर सामने आया है। प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करते हुए गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्टार्टअप के क्षेत्र में प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। स्टार्टअप के कार्यक्रमों को बढ़ावा देते रहेंगे। प्रदेश में उद्यमियों के लिए कई सुविधाएं देने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में मेनिट के डायरेक्टर श्री करुणेश कुमार शुक्ला और सीएआई एमपी स्टार्टअप श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, उद्यमी, विशेषज्ञ और विद्यार्थी उपस्थित थे।

जीवन में रेडियो से जुड़ी कोई न कोई घटना अमिट स्मृति के रूप में विद्यमान है

भोपाल, अतीत में रेडियो का बहुत महत्व था, वर्तमान में भी इसकी महत्ता निरंतर बनी हुई है। भारत में ऑल इंडिया रेडियो और आकाशवाणी ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखी है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व रेडियो दिवस पर दिए संदेश में कही। उन्होंने कहा कि यह गौरवान्वित होने का विषय है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात द्वारा रेडियो का महत्व पुन: स्थापित किया है। रेडियो शिक्षा, मनोरंजन और सभी प्रकार की जानकारी देने के लिए आज भी जनसामान्य में अत्यंत लोकप्रिय संसाधन है। हम सभी के जीवन में रेडियो से जुड़ी कोई न कोई घटना अमिट स्मृति के रूप में विद्यमान है।

मुख्यमंत्री ने विश्व रेडियो दिवस की दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना 8 जून 1936 को हुई। इससे पहले 1927 में मुम्बई और कलकत्ता में रेडियो क्लब ने प्रसारण किया था। संपूर्ण भारत की लगभग 99.19 प्रतिशत जनसंख्या आकाशवाणी की पहुंच में है, यह हम सबके लिए गौरव का विषय है। मध्यप्रदेश में वर्तमान में आकाशवाणी के 19 केन्द्र संचालित हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्व रेडियो दिवस पर एफ.एम. रेडियो को बधाई देते हुए कहा कि निजीकरण और नई सूचना तकनीक का लाभ लेते हुए एफ.एम. रेडियो ने भी अपनी पहचान बनाई है। मध्यप्रदेश को गढ़ने और आगे बढ़ाने में रेडियो निरंतर अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संबोधन

विश्वविद्यालय की पहचान शैक्षणिक कुशलता और संस्कारित युवाओं के निर्माण से ही है

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने छतरपुर में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

भोपाल, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में बुंदेली संस्कृति और संस्कार के बीच सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के शताब्दी हॉल के सामने आयोजित समारोह में डॉ. मृत्युंजय महापात्रा महानिदेशक मौसम विज्ञान भारत सरकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 38 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं उपाधि से सम्मानित करते हुए बधाई दी। साथ ही विश्वविद्यालय के समाचार पत्र छत्रछाया तथा स्मारिका दीक्षावाणी का विमोचन किया गया और उपाधिधारकों को शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि कुलपति को अब कुलगुरु कहा जाएगा। महाराजा छत्रसाल की वीर भूमि आल्हा-ऊदल जैसे वीर योद्धाओं और केन-बेतवा नदियों की पावन धरा बुन्देलखण्ड में महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर अत्यंत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी विद्वानों के व्याख्यान, प्रयोगशालाओं के उन्नयन, विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र-छात्राओं की समस्याओं के निराकरण की पहल सराहनीय है। राज्यपाल ने कहा कि महाराजा छत्रसाल जी के नाम पर शोध केन्द्रों एवं ऋषि मार्कंडेय उद्यान विश्वविद्यालय परिसर (गुरैया) में 5 हजार पौधों के रोपण और विश्वविद्यालय के हर एक प्रयास में सेना के अधिकारियों का मार्गदर्शन भी सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि पौधारोपण हर एक के जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। विश्वविद्यालय की पहचान उसकी शैक्षणिक कुशलता और संस्कारित युवाओं के निर्माण केन्द्र के रूप का होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपील करते हुए कहा है कि 2047 तक विकसित भारत बनाना है। हर एक बच्चा मातृभूमि के प्रति अपनी जो सोच है उसे आगे बढ़ाए और अपनी राय दे। उन्होंने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा गांवों में गई है। जो लाभ से वंचित रह गए हैं, उन्हें लाभ दिया गया है।

राज्यपाल ने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि जो गरीब व्यक्ति लाभ से वंचित रह गए हैं उन्हें लाभ दिलाने में सहयोग करें और खुद के साथ समाज की भी सोचें और आगे बढ़ें।

प्रधानमंत्री का हितग्राहियों से जन-संवाद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झाबुआ में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से चर्चा की

महासभा की प्रांतीय बैठक का आयोजन

लोधी, लोधा और लोध क्षत्रिय समाज का इतिहास बहादुरों का इतिहास

भोपाल, लोधी, लोधा और लोध क्षत्रिय समाज का इतिहास बहादुरी का इतिहास है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में समाज के वीरों और महापुरुषों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। पूरा देश उनके बलिदान का ऋणी रहेगा। भावी पीढ़ी को उनके जीवन चरित्र और मूल्यों से प्रेरणा लेना चाहिए। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तुलसी मानस भवन में आयोजित लोधी, लोधा और लोध क्षत्रिय महासभा की प्रांतीय बैठक को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीरों, महापुरुषों को सम्मानित करने की भावना के साथ नई शिक्षा नीति लागू कर शिक्षा के पाठ्यक्रम से गुलामी के चिन्ह मिटाए हैं। नई शिक्षा नीति में आवश्यक किताबी ज्ञान के साथ महापुरुषों, क्रांतिकारियों और बलिदानियों की जीवनियों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने वीर हृदय शाह लोधी और रानी अवंतीबाई लोधी के भारत की स्वतंत्रता में किए गए योगदान और बलिदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री का पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेंद्र लोधी ने सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय की स्थापना और उनके नाम पर सम्मान दिए जाने के कार्यों के लिए आभार माना।

इस अवसर पर लोधी लोधा और लोध क्षत्रिय समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री जालम सिंह पटेल सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सांवेर में गौशाला के लिए भूमि आवंटित की जाएगी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से विधानसभा स्थित कक्ष में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधि मंडलों, विधायकों और मंत्रीगण के साथ जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विकास से जुड़े सुझाव पत्र दिए गए, जिन पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री से जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के साथ सांवेर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने गौशाला प्रारंभ करने के संबंध में आग्रह किया और आवश्यक भूमि की मांग की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांवेर में गौशाला प्रारंभ करने के लिए भूमि आवंटित की जाएगी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में विधानसभा स्थित कक्ष में एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विभागीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

समय-सीमा में पूर्ण की जायें निर्माणाधीन परियोजनाएं

भोपाल, गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है, इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माणाधीन परियोजनाओं को पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। यह बात लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री राकेश सिंह ने वृहद परियोजना की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न इकाई समन्वय बनाकर कार्य करें।

श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण के कार्यों से लोककल्याण हो हम इस विजन के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाये। परियोजनाओं में देरी के कारणों का पता लगाएं और तत्काल समस्या का निराकरण कर परियोजनाओं को पूर्ण कराएं। गुणवत्ता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये नियमित रूप से इंपैक्ट वैल्यू टेस्ट, क्यूब टेस्ट, सिल्ट कंटेंट टेस्ट, रोड रिलेटेड टेस्ट, कंक्रीट कंप्रेसिव स्ट्रैंथ टेस्ट, स्लंप टेस्ट कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत निर्माण कार्यों की विभिन्न यूनिट्स समन्वय बनाकर कार्य करें।

श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत भवन, सेतु, एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई के द्वारा कराये जा रहे 100 करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने सड़क निर्माण अन्तर्गत उज्जैन रिंग रोड, कोलार 6 लेन रोड, पद्मी रामनगर घुगनी सलवाद मार्ग की वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर कोलार 6 लेन में हो रही देरी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने सेतु निर्माण अन्तर्गत भोपाल मैदा मिल रोड फ्लाई ओवर, इंदौर एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण, भवन निर्माण अंतर्गत बुधनी मेडिकल कॉलेज, मंदसौर मेडिकल कॉलेज निर्माण, एनएचएआई अंतर्गत जबलपुर में एलिवेटेड कॉरिडोर एवं जबलपुर रिंग रोड के वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर समस्त कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने विभाग की पिछली गतिविधियों को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस बैठक में प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्थानीय नगरीय निकाय आहरित कर सकेंगे 300 करोड़ रुपये

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुशंसा पर वित्त विभाग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को 300 करोड़ रुपये की राशि आहरित करने की अनुमति प्रदान की है। वर्ष 2023 में 31 मार्च से लगाए गए प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए वित्त विभाग द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। गौरतलब है की वित्त विभाग ने अपने आदेश में नगरीय विकास विभाग को 300 करोड़ रुपये की राशि में से 58 करोड़ 40 लाख रुपये बिजली कम्पनियों को भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि विभागीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देशानुसार राशि से 419 नगरीय निकायों में कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, स्थापना व्यय एवं अन्य दैनंदिनी कार्य संबंधी कार्य किए जायेंगे।

12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 7 हजार 800 विद्यार्थियों को मिली स्कूटी

भोपाल, प्रदेश में सरकारी स्कूलों में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए नि:शुल्क ई-स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है। योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पिछले शैक्षणिक सत्र 2022-23 में इस योजना का लाभ प्रदेश के 7 हजार 800 विद्यार्थियों को दिया गया। इन विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ई-स्कूटी प्रदान की गई। पुरस्कृत विद्यार्थियों ने नियमित परीक्षार्थी के रूप में अपनी शाला में कक्षा 12वीं की परीक्षा में समस्त संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हैं। योजना में लाभ प्राप्त करने वाले चयनित विद्यार्थी को नि:शुल्क ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

2.50 लाख विद्यार्थियों को दिलाई गई व्यावसायिक शिक्षा

स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोज़गारोन्मुखी शिक्षा देने के लिए व्यावसायिक शिक्षा देने की योजना शुरू की है। पिछले शिक्षा सत्र में प्रदेश ने 1540 स्कूल में 12 ट्रेड्स में करीब 2 लाख 56 हजार विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दिलाई गई।

विद्यार्थियों को एग्रीकल्चर, अपेरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, बैंकिंग एण्ड फायनेंस सर्विसेस, इलेक्ट्रिकल्स एण्ड हार्डवेयर, मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट, आईटी विद्या में नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया गया। इस योजना ने जहां बेटियों में शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन बढ़ाया, वहीं उनकी परेशानियों को भी दूर किया है।

युवाओं के हुनर को मिला सम्मान

ग्लोबल स्किल्स पार्क के छठवें बैच के 84 विद्यार्थियों को मिला शत- प्रतिशत प्लेसमेंट

भोपाल, संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हो रहा है। कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने यह बात ग्लोबल स्किल्स पार्क के छठवें बैच के विद्यार्थियों को विभिन्न कम्पनियों के नियुक्ति पत्र देते हुए कही। स्किल्स पार्क के इस बैच के 84 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न कम्पनियों में हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल स्किल्स पार्क और आईटीआई के माध्यम से कौशल युक्त-बेरोज़गार मुक्त मध्यप्रदेश बनाने के लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जायेगा।

श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से ग्रामीण क्षेत्र में छिपे हुनर का विकास करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना में परम्परागत व्यवसायों से जुड़े युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें स्व-रोज़गार स्थापित करने के लिये लोन भी दिलाया जायेगा। सरकार का प्रयास है कि युवा अब नौकरी के लिये नहीं भटकें। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि भारत विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश कौशल विकास परियोजना के तहत 10 नये आईटीआई खोले जायेंगे।

श्री टेटवाल ने ट्रेनर श्री आकाश तिवारी और कमलेश प्रसाद को बेस्ट ट्रेनर अवॉर्ड प्रदान किया। उन्होंने बेस्ट आउटगोइंग अवॉर्ड अभिषेक मालवीय और अब्दुल तारिक वारसी को प्रदान किया।

कौशल विकास राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलवामा हमले की बरसी पर भारतीय सेना के शहीद जवानों को शौर्य स्मारक पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की

मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश

भोपाल, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर प्रदेश के समस्त संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की। श्रीमती राणा ने भारत सरकार एवं राज्य सर्विलांस प्लान अनुसार खाद्य पदार्थों की नियमित रूप से जांच करने और उसके आधार पर मिलावटी क्षेत्रों का चिह्नांकन कर दोषियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

सुश्री भूरिया ने अध्यक्ष का पदभार किया ग्रहण

भोपाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पर्यावास भवन स्थित कार्यालय में मध्यप्रदेश महिला वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निगम के सदस्यों के साथ बैठक कर सभी से परिचय लिया। निगम द्वारा संचालित कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी ली। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि निगम महिलाओं के सशक्तिकरण एवं चहुंमुखी विकास के लिये भरसक प्रयास करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तेलंगाना में शिलान्यास समारोह में हुए शामिल

बेहतर शासन-संचालन में आमजन का योगदान और सम्मान दोनों आवश्यक

भोपाल, शासन संचालन में आमजन का योगदान और उनका सम्मान आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र तेजी से विकास कर रहा है। भारत की शान भी विश्व में बढ़ी है। वसुधैव कुटुम्बकम का भाव भारतीय संस्कृति की विशेषता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तेलंगाना के कोमुरवेल्ली रेलवे स्टेशन के शिलान्यास समारोह में जनता को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोमुरवेल्ली प्रवास के दौरान यहां के प्रमुख आस्था केंद्र मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुझे भगवान मल्लिकार्जुन के द्वार पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के अतिथियों और स्थानीय जन को भगवान महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल सुविधा का यह प्रकल्प क्रियान्वित होने पर स्थानीय निवासियों के लिए लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी और रेल मंत्री श्री वैष्णव के प्रयासों से यह सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोमुरवेल्ली स्थित मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की

के सभी वर्गों के लिए रेल साधन उपयोगी है। मेट्रो के साथ ही वन्देभारत ट्रेनें और अन्य विशेष रेलगाड़ियां उपयोगिता बढ़ा चुकी हैं। बढ़ती रेल सुविधाओं से व्यवसाय और रोज़गार के क्षेत्र में लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल सुविधा का यह प्रकल्प क्रियान्वित होने पर स्थानीय निवासियों के लिए लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी और रेल मंत्री श्री वैष्णव के प्रयासों से यह सुविधा मिल रही है।

भारत ही नहीं विश्व में भी बज रहा डंका

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि काल के प्रवाह में यह गर्व का विषय है कि भारत विकास के साथ अपनी संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी आगे बढ़ा है। विगत दिनों सरयू तट पर अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के लिए प्राण-प्रतिष्ठा कार्य पूर्ण होने के बाद संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में भी मंदिर के लोकार्पण का कार्य हो गया है।

अंतरिम बजट विकास और कल्याण का बजट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट को विकासपरक और नागरिकों के कल्याण का बजट बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट शिक्षा, सिंचाई, कृषि, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, शहरी विकास, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण, स्वास्थ्य और नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े प्राथमिक क्षेत्र और जनकल्याण के कार्यों के लिए पर्याप्त राशि के प्रावधान के साथ तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरिम बजट में विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए पर्याप्त राशि रखी गई है। विकासपरक कार्यों के लिए प्रावधान किए गए हैं। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आम लोगों की बेहतरी के लिए सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं और किसानों के लिए भी सर्वाधिक राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतिम बजट जन आकांक्षाओं के अनुरूप है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में अधिकतम विकास के लिए चिंतित और सक्रिय है।

प्रकृति में परमेश्वर है, उसे अध्यात्म से महसूस किया जा सकता है

भोपाल, आध्यात्मिकता ही भारतीय विचार प्रक्रिया का मूल तत्व है। हम मूलत: आध्यात्मिक हैं। सम्पूर्ण प्रकृति में परमेश्वर व्याप्त है। उसे आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महसूस किया जा सकता है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में माधव सेवा न्यास में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी मध्य प्रान्त के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा ज्ञान-विज्ञान अत्यंत प्राचीन है। कुंभ का मेला नक्षत्र के अनुसार होता है। प्रत्येक बारह वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आध्यात्मिकता की यात्रा ही भारत के विकास की यात्रा है। उज्जैन में स्थित डोंगला में स्टेण्डर्ड टाइम की गणना होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने बताया कि पौधों में प्राण होते हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकनाथ रनाडे के विचारों पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के विद्यार्थियों द्वारा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में कार्यक्रम को किया संबोधित

लिखित पुस्तक 'ध्येयनिष्ठ जीवन' का विमोचन किया।

आध्यात्मिकता उपासना का तंत्र नहीं

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष पद्मश्री डॉ. निवेदिता भिंड ने कहा कि आध्यात्मिकता केवल एक उपासना तंत्र नहीं है अपितु आध्यात्मिकता के सम्बन्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि स्वभाव ही आध्यात्मिकता है। अपनेपन के दायरे में जो आता है, वह आध्यात्मिकता है। जो व्यक्ति परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है, वह आध्यात्मिकता ही है।

क्षिप्रा में गंदा पानी मिलने से रोका जाए

भोपाल, क्षिप्रा नदी में इंदौर से आने वाली कान्ह नदी का गंदा पानी मिलने से रोका जाए। पानी का ट्रीटमेंट धर्मपुरी से शुरू किया जाए। पानी को शुद्ध कर खेतों में सिंचाई के लिए दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उज्जैन की क्षिप्रा नदी के शुद्धिकरण के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए क्षिप्रा नदी पर बेहतर घाटों का निर्माण किया जाए। उन्होंने शनि मंदिर से गऊघाट, वीर दुर्गादास की छत्री से मंगलनाथ घाट, मंगलनाथ से भैरूगढ़ ब्रिज, भूखी माता के सामने घाट निर्माण सहित लगभग 27 किलोमीटर लम्बाई के घाटों पर चर्चा की और जरूरी दिशा निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश में सीएम राइज़ स्कूल में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के हों लगातार प्रयास

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि सीएम राइज़ स्कूल प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इन स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता में लगातार सुधार के प्रयास किये जाते रहना चाहिए। बैठक में मंत्री ने योजना में तय समय-सीमा में स्कूल संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

सीएम राइज़ स्कूल भवन निर्माण

बैठक में बताया गया की प्रदेश में 275 सीएम राइज़ स्कूल भवनों का निर्माण 9 हजार 641 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। सीएम राइज़ स्कूल भवन निर्माण में 6 एजेंसी जुड़ी हुई हैं। लोक निर्माण विभाग का पीआईयू 129 भवनों का निर्माण करीब 4 हजार 409 करोड़ रुपये की लागत से कर रहा है। मंत्री श्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग की टेक्निकल बिंग से भवन निर्माण की लगातार निगरानी किये जाने के भी निर्देश दिये।

शिक्षकों और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर जोर

बैठक में बताया गया कि सीएम राइज़ स्कूल की कार्ययोजना के क्रियान्वयन में 3 कंसल्टेंट एजेंसियां भी मदद कर रही हैं। यह एजेंसियां शिक्षकों के नेतृत्व विकास, पढ़ाने की नवीन विधा और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद कर रही हैं। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में परीक्षा परिणाम पर भी चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम अन्य विद्यालयों की तुलना में बेहतर आया है। कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में सीएम राइज़ स्कूल के 5 विद्यार्थियों ने स्थान पाया है। सीएम राइज़ स्कूल योजना को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप लगभग 7 हजार शिक्षकों को आकदमिक प्रशिक्षण दिलाया गया। इसके साथ ही सृजन कार्यक्रम में 60 हजार से अधिक अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। मंत्री श्री सिंह ने स्कूल की गतिविधियों पर केन्द्रित कैलेण्डर का विमोचन किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के
शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, कटनी, छतरपुर, पिपरिया, बैतूल, सागर, विदिशा एवं इटारसी में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
0755-2551330

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

भारत रत्न सम्मान

सर्वश्री चौधरी चरण सिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव और एम.एस. स्वामीनाथन को मिला

भारत सरकार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी

चरण सिंह, स्वर्गीय पी.वी. नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक तथा हरित क्रांति के जनक स्वर्गीय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर इन हस्तियों के योगदान की सराहना करते हुए भारत रत्न सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने सदैव किसानों और मजदूरों के हित के काम किया है, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने देश में आर्थिक सुधारों और उदारीकरण की नींव रखी थी। श्री मोदी ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारतीय कृषि को बदल दिया।

आनंद कुमार

यूएई का गोल्डन वीजा मिला

भारतीय शिक्षाविद और सुपर-30 के फाउंडर आनंद

कुमार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गोल्डन वीजा प्रदान किया है। इसके साथ ही आनंद कुमार बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और संजय दत्त सहित उन भारतीय हस्तियों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यूएई की सरकार ने गोल्डन वीजा दिया है। यूएई सरकार ज्ञान, विज्ञान, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाली हस्तियों को गोल्डन वीजा प्रदान करती है।

गिरिधरन सिवारामन

ऑस्ट्रेलिया में नस्ल भेदभाव आयुक्त नियुक्त

भारतीय मूल के जाने-माने वकील गिरिधरन सिवारामन

को ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने मानवाधिकार आयोग का नया नस्ल भेदभाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। वे 4 मार्च 2024 को वर्तमान आयुक्त चिन टेन की जगह लेंगे। नस्ल भेदभाव आयुक्त के रूप में गिरिधरन का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा।

डोनाल्ड ट्रंप

अदालत में चलेगा क्रिमिनल केस

अमेरिका की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला सुनाया है। अमेरिका की फेडरल अपील अदालत ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप पर वर्ष 2020 में चुनावी नतीजे पलटने की साजिश रचने का आरोप है। कोर्ट ने ट्रंप के उस दावे को भी खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मुकदमे से बचने के लिए कानूनी प्रतिरक्षा (लीगल इम्युनिटी) होने का दावा किया था।

कर्ट कैंपवेल

अमेरिका के नए उप विदेश मंत्री बने

अमेरिकी सीनेट ने कर्ट कैंपवेल को देश का नया उप विदेश

मंत्री बनाने की मंजूरी दे दी है। कैंपवेल को एशियाई मामलों का जानकार माना जाता है। उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडेन का करीबी माना जाता है, वे वेंडी शरमन की जगह लेंगे जो 8 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं। अमेरिकी सीनेट के अनुसार कैंपवेल सेकेंड रैंकिंग डिप्लोमेट के रूप में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ काम करेंगे।

पेरिस ओलिंपिक

पदक में होगा एफिल टॉवर की धातु का उपयोग

इस वर्ष पेरिस में आयोजित किए जाने वाले ओलिंपिक

खेलों के पदक विजेताओं को दिए जाने वाले पदक में पेरिस के एफिल टॉवर की धातु का उपयोग भी किया जाएगा। पेरिस ओलिंपिक के आयोजकों ने पदकों का अनावरण किया। पेरिस ओलिंपिक के क्रिएटिव डायरेक्टर थिएरी रिबौल ने कहा कि हमारा विचार खेलों को फ्रांस के प्रतीकों से जोड़ने का है। उन्होंने कहा कि पेरिस और फ्रांस का प्रतीक एफिल टॉवर है।

जस्टिस अजय माणिकराव खानविलकर

देश के नए लोकपाल बनेंगे

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अजय

माणिकराव खानविलकर देश के अगले लोकपाल होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी. वाय. चंद्रचूड़ और लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता श्री अधीर रंजन चौधरी की उच्च स्तरीय समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की है। जस्टिस खानविलकर अप्रैल 2002 में बॉम्बे उच्च न्यायालय में नियुक्त हुए थे। इसके बाद वे हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भी रह चुके है।

मीर सुल्तान खान

मरणोपरांत 58 वर्ष बाद मिला ग्रैंड मास्टर खिताब

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने शतरंज के

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मीर सुल्तान खान को उनकी मृत्यु के 58 वर्ष बाद मानद ग्रैंड मास्टर खिताब से सम्मानित किया है। मीर सुल्तान यह सम्मान हासिल करने वाले पहले पाकिस्तानी शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं। मीर सुल्तान शतरंज खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखरने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी थे। फिडे ने एक बयान में कहा कि मीर सुल्तान खान शतरंज के बेहतरीन खिलाड़ी थे।

संकेत बुलसारा

अमेरिका में जज नामित हुए

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल के

न्यायाधीश संकेत बुलसारा को जिला न्यायालय में जज नामित करने की घोषणा की है। संकेत वर्ष 2017 से न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए संयुक्त राज्य मजिस्ट्रेट न्यायाधीश है। वे बाइडेन द्वारा संघीय जिला अदालतों में नामित चार व्यक्तियों में से एक हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि संकेत असाधारण रूप से योग्य, अनुभवी और कानून के शासन और संविधान के प्रति समर्पित है।

नीरज चोपड़ा

यूरोप के आइस पैलेस में लगी पट्टिका

भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी और टोक्यो ओलिंपिक

के चैम्पियन नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के जंगफ्राउजोक में स्थित आइस पैलेस में पट्टिका लगाकर सम्मानित किया गया है। इस आईस पैलेस में नीरज के अलावा अन्य कई स्टार खिलाड़ियों की पट्टिकाएं भी लगाई गई हैं।

सैयद मोहसिन रज़ा नकवी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्णकालिक अध्यक्ष बने

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनुभवी प्रशासक

सैयद मोहसिन रज़ा नकवी को पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त किया है। नकवी को लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की विशेष बैठक में सर्वसम्मति से तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। नकवी पीसीबी के 37वें पूर्णकालिक अध्यक्ष है।

एलेक्जेंडर स्टब

फिनलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता

फिनलैंड में हुए राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री

एलेक्जेंडर स्टब ने जीत दर्ज की है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में नेशनल कोलिजन पार्टी के नेता एलेक्जेंडर स्टब ने ग्रीन लीग पार्टी के पेक्का हाविस्टो को कड़े मुकाबले में हराया। चुनाव में स्टब को 51.62 प्रतिशत वोट मिले, वहीं हाविस्टो को 48.38 प्रतिशत वोट मिले। इस जीत के साथ ही यह सुनश्चित हो गया है कि स्टब फिनलैंड के 13वें राष्ट्रपति बनेंगे।

मीरा जोशी

न्यूयॉर्क के एमटीए बोर्ड में हुई नामित

अमेरिका में भारतीय मूल की मीरा जोशी को न्यूयॉर्क

के मेयर एरिक एडम्स ने मेट्रोपोलिन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी (एमटीए) बोर्ड के लिए नामित किया गया है। मीरा जोशी वर्तमान में न्यूयॉर्क की डिप्टी मेयर (ऑपरेशन) है। न्यूयॉर्क शहर के बुनियादी ढाचें, सार्वजनिक क्षेत्र और जलवायु पोर्टफोलियो की देखरेख करने वाली मीरा जोशी को कुछ दिन पहले एनवाइसी विभाग के सिटी प्लानिंग कमीशन निदेशक डैन गारोडनिक के साथ नामित किया गया है।

संजय कुमार जैन

आईआरसीटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बने

भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस)

के वर्ष 1990 बैच के अधिकारी संजय कुमार जैन को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बनाया गया है। संजय कुमार जैन इससे पहले नॉर्थ रेलवे के प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर थे। आईआरसीटीसी ने बताया कि संजय कुमार जैन की चेयरमैन पद पर नियुक्ति को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। संजय कुमार जैन को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दो बार भारतीय रेलवे के सर्वोच्च सम्मान रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

जूलियन असांजे

स्वदेश वापसी के लिए ऑस्ट्रेलियाई संसद में प्रस्ताव पारित

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे की स्वदेश

वापसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया की संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उन्हें असांजे के मुकदमे के सौहार्द्रपूर्ण अंत की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संसद ने अपने नागरिक को अपने देश वापस लौटने की अनुमति देने के लिए एक प्रस्ताव पारित कर अमेरिका और ब्रिटेन पर दबाव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि जूलियन असांजे पर अपनी वेबसाइट विकीलीक्स के जरिए अमेरिका की गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप है। असांजे अभी ब्रिटेन की बेलमार्श जेल में बंद है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट में असांजे के अमेरिकी प्रत्यर्पण के खिलाफ सुनवाई होनी है। ऑस्ट्रेलिया ने सुनवाई से पहले प्रस्ताव पारित कर ब्रिटेन पर दबाव बनाया है।

स्मृति शेष

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दत्ताजीराव गायकवाड़ का निधन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दत्ताजीराव

कृष्णराव गायकवाड़ का निधन हो गया है, वे 95 वर्ष के थे। दत्ताजीराव भारत के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले टेस्ट क्रिकेटर थे। दत्ताजीराव ने वर्ष 1952 से 1961 तक टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस दौरान उन्होंने केवल 11 टेस्ट मैच खेले और 350 रन बनाए हैं। दत्ताजीराव ने वर्ष 1959 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के भारत दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कमान संभाली थी।

नामीबिया के राष्ट्रपति हेज गेनगॉब का हुआ निधन

नामीबिया के राष्ट्रपति हेज गेनगॉब का निधन

हो गया है। 82 वर्षीय गेनगॉब कैंसर से पीड़ित थे। नामीबिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि लेडी पोहाम्बा अस्पताल में चिकित्सा दल ने गेनगॉब का इलाज चल रहा था। गेनगॉब वर्ष 2015 में नामीबिया के राष्ट्रपति बने थे। ये उनका दूसरा कार्यकाल था, जो इस वर्ष नवंबर माह में खत्म होना था।

मैराथन धावक केल्विन किप्टम की सड़क हादसे में मृत्यु

केन्या के विश्व रिकॉर्डधारी मैराथन धावक

केल्विन किप्टम की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। इस हादसे में उनके कोच गेरबाइस हाकिजिमाना की भी मृत्यु हुई है। किप्टम बेहतरीन मैराथन धावक रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में वेलेंसिया में अपनी पहली मैराथन रेस जीती थी, इसके एक वर्ष के अंदर किप्टम ने शिकागो मैराथन रेस को 2 घंटे 35 सेकेंड में जीतकर सबसे तेज मैराथन रेस पूरी करने का रिकॉर्ड बनाया था। किप्टम को वर्ष 2023 के लिए विश्व एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन विभाग)
जिला सीहोर (म.प्र.)

क्रमांक/1161/लो.से.प्र./2023 सीहोर, दिनांक : 07.02.2024

प्रेस विज्ञप्ति

जिला कलेक्टर कार्यालय सीहोर में राजस्व विभाग अंतर्गत लोक सेवा प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कुल 02 पदों की पद पूर्ति हेतु संविदा आधार पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन का प्रारूप एवं ऑनलाइन आवेदन लिंक, पदों का विवरण, अर्हताएं, योग्यता, संविदा नियुक्ति की शर्तें म.प्र. शासन के संयुक्त उपक्रम एमपी ऑनलाइन लिमिटेड की वेबसाइट **https://mponline.gov.in/portal/** पर उपलब्ध है।

2. पदों का विवरण इस प्रकार है :–

सरल क्रमांक	वर्ग	कुल पद
1.	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (मुक्त)	01
2.	अनुसूचित जाति (महिला)	01

3. कार्यालय सहायक सह डाटा एण्ट्री ऑपरेटर (संविदा) को राशि रु. 19,500/- (उन्नीस हजार पांच सौ रु. मात्र) का प्रतिमाह एकजाई मानदेय प्राप्त होगा।
4. ऑनलाइन आवेदन जमा करने की **अंतिम तिथि 06.03.2024** है। भर्ती प्रक्रियां एवं आवेदन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश एमपी ऑनलाइन लिमिटेड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उक्त भर्ती प्रक्रिया में केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार्य होंगे।
5. इस संविदा नियुक्ति के आधार पर नियमितिकरण संबंधी कोई मांग या दावा स्वीकार्य नहीं होगा।
6. उपरोक्त भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत पदों की संख्या में वृद्धि या कमी की जा सकती है।
7. उक्त भर्ती प्रक्रिया के संबंध में समस्त अधिकारी एवं किसी भी प्रकार के दावे-आपत्तियों के संबंध में अंतिम निर्णय केवल जिला कलेक्टर सीहोर का मान्य होगा।

कलेक्टर
जी-24183/49478/2024 जिला सीहोर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नर्मदापुरम

Office Email ID - eereshbd@gmail.com & eereshoshangabad@mp.gov.in

क्र./391/निविदा/ग्रायांसे/2024 नर्मदापुरम, दिनांक : 02.02.2024

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 05/2023-24

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की गई हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.एवं कार्य का नाम :– 1. कृमिपालन भवन निर्माण शासकीय रेशम केन्द्र खामखेड़ी विकासखंड बनखेड़ी।

सिस्टम टेण्डर नं.	संभाग का नाम	निविदा की अनुमानित लागत	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित	निविदा क्रम
2024_RES_330113	नर्मदापुरम	1421861/-	28437/-	2000/-	6 माह	प्रथम
कुल योग		1421861/-	चौदह लाख इक्कीस हजार आठ सौ इकसठ मात्र			

निविदा में निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :–

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	09.02.2024	17.30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभ की तिथि	14.02.2024	10.30
3.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	19.02.2024	15.00
4.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	**26.02.2024**	17.30
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	29.02.2024	10.30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित किये जायेंगे। तथा किसी भी प्रकार के संशोधन/जानकारी ऑनलाइन ही सब्मिट की जाएगी। समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जाएगा। निविदा शर्तें/प्रपत्र आदि की जानकारी के लिए पोर्टल पर देखें।

कार्यपालन यंत्री
जी-24185/49479/2024 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नर्मदापुरम

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कोठी रोड, सिविल लाइंस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. 07676-299470, E-mail : dpepiusatna2@gmail.com

एन.आई.टी. नं. - 04/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/355 रीवा, दिनांक : 06.02.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला चिकित्सालय सतना में 100 बिस्तरीय वार्ड, 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक एवं इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य सह सिविल कार्य, जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग, विद्युत कार्य एवं बाह्य विकास के कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेण्डर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2024_PWPIU_331654_1	सतना	2029.09	1014545/-	50000/-	18 माह	हां

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतन कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 09.02.2024 समय 10.00 से **दिनांक 26.02.2024** समय 18.000 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
जी-24165/49476/2024 लोक निर्माण विभाग, सतना

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1, ग्वालियर

फोन नं. - 0751-2371231, ईमेल : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 47/टी.सी./डी-1 ग्वा./2023-24 दिनांक : 15.01.2024

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 47 ग्वालियर दिनांक 15.01.2024 द्वारा प्रचलित भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.2022/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें, पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-01 ग्वालियर के मेडीकल सेक्शन-2 के अंतर्गत आवासीय भवन ट्यूटर क्वार्टर क्र. 1/2 में रेनोवेशन एवं विशेष मरम्मत कार्य।

टेण्डर आई.डी.	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2024_PWDRB_329818_1	1. 4.21 लाख 2. 8420/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

2. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 ग्वालियर के मुरार सेक्शन अंतर्गत ई टाइप बंगलों में रंगाई पुताई एवं रेनोवेशन एवं मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_329819_1	1. 9.98 लाख 2. 20000/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

3. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 ग्वालियर के बंगला सेक्शन अंतर्गत गांधी रोड स्थित ठाठीपुर गांव बंगलों में रेनोवेशन एवं मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_329820_1	1. 19.56 लाख 2. 39120/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

4. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-2 ग्वालियर के एच.एफ.डब्ल्यू.टी.सी. सेक्शन अंतर्गत एच.एफ.डब्ल्यू.टी.सी. कैम्पस में रेनोवेशन एवं मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_329823_1	1. 19.96 लाख 2. 39920/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

5. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-2 ग्वालियर के एच.एफ.डब्ल्यू.टी.सी. सेक्शन अंतर्गत जजेस कॉलोनी के डी, ई एवं एफ टाइप बंगलों में रेनोवेशन एवं मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_329824_1	1. 19.98 लाख 2. 39960/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

6. निर्माण उपसंभाग क्र.-1 ग्वालियर के मुख्यालय सेक्शन अंतर्गत क्वार्टर क्र. एच-1 एवं एच-5 में मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_329826_1	1. 3.58 लाख 2. 7160/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

7. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-2 ग्वालियर के न्यू हाईकोर्ट सेक्शन अंतर्गत फायर फाइटिंग सिस्टम स्थापना एवं रखरखाव कार्य।

2024_PWDRB_329827_1	1. 7.10 लाख 2. 14200/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 07 (सात)
ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरंभ तिथि 02.02.2024 सायं 17.30
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **19.02.2024** सायं 17.30
ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि 21.02.2024 प्रातः 11.00
निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-24158/49475/2024 लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1, ग्वालियर

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 39/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2023-24 भोपाल, दिनांक : 09.02.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http:mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
1.	2024_PWDRB_331752_1	मण्डला	पुल कार्य	मण्डला जिले के कुम्हाघाट सैलवारा (जिला सिवनी) मार्ग में नर्मदा नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य निविदा ई.पी.सी. मोड पर	प्रथम	6113.31	केवल ऑनलाइन
				कुल योग		**6113.31**	-

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डयूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम **तिथि 26.03.2024 (17.30)** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-24311/49510/2024 लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

कार्यालय कलेक्टर (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण) जिला मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/353/सामा.न्याय/डीडीआरसी/2024 **मण्डला, दिनांक : 13 फरवरी 2024**

संशोधित विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक 2475/13062/23/26-2 भोपाल दिनांक 23.08.2023 के परिपालन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र मंडला जिला मंडला म.प्र. के अंतर्गत निम्न पदों की संविदा आधार पर पूर्ति किये जाने हेतु निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं पदस्तर वेतनमान, संविदा पारिश्रमिक, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	पदनाम	वर्ग	पदों की संख्या	योग्यता/अनुभव	मानदेय
1.	क्लीनिकल मनोचिकित्सक/ पुनर्वास मनोचिकित्सक	अनारक्षित	01	क्लीनिकल साईक्लोजिस्ट - क. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में व्यवसायिक डिप्लोमा। पुनर्वास मनोचिकित्सक - क. पुनर्वास मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. पुनर्वास मनोचिकित्सा में ग्रेजुएट पोस्ट डिप्लोमा (पीजीडीआरपी)	20500
2.	वरिष्ठ फिजियोथेरापिस्ट/ आक्यूपेशनल थेरापिस्ट	अनारक्षित	01	फिजियोथेरापिस्ट 01 अनिवार्य योग्यता बीपीटी ऑक्यूपेशनल थेरापिस्ट 01 अनिवार्य योग्यता बीओटी (औचित्य - पीटी और ओटी दोनों पूरी तरह से अलग-अलग विषय है और दोनों की दिव्यांगता पुनर्वास में बहुत महत्वपूर्ण और अलग-अलग भूमिकाएं हैं)	20500
3.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट	अनारक्षित	01	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिक्स और ओर्थोटिक्स (बीओपी) में स्नातक	20500
4.	सीनियर स्पीच थेरापिस्ट/ ऑडियोलाजिस्ट	अनारक्षित	01	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैंग्वेज पैथालॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एस.सी. स्पीच एंड हियरिंग	20500
5.	प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट (टेक्नीशियन)	अनारक्षित	01	पी एंड ओ में डिप्लोमा या 3 साल के अनुभव के साथ पी एण्ड ओ में प्रमाण पत्र	16000
6.	हियरिंग असिस्टेंट जूनियर स्पीच थेरापिस्ट (ईयर मोल्ड टेक्नीशियन)	अनारक्षित	01	श्रवण यंत्र की जानकारी/मरम्मत/कर्ण मोल्ड बनाने के साथ वाक एवं श्रवण में डिप्लोमा स्पीच एंड हियरिंग तकनीशियन पात्रता हियरिंग लैंग्वेज और स्पीच में डिप्लोमा (डीएचएलएस) ईयर, मोल्ड तकनीशियन पात्रता हियरिंग एंड रिपेयर और ईयर मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीएचएआरईएमटी)	16000
7.	मोविलिटी इन्स्ट्रक्टर	अनारक्षित	01	दसवीं - गतिशीलता में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा, पात्रता अधिमानता गतिशीलता विज्ञान में स्नातक (बीएमएससी) या दृष्टि बाधिता में डी.एड. विशेष शिक्षा/बी.एड. विशेष शिक्षा	14500
8.	मल्टीपर्पज रिहेब्लीटेशन वर्कर	अनारक्षित	01	बहुउद्देशीय पुनर्वास कार्यकर्ता पात्रता समुदाय आधारित पुनर्वास (पीजीडीसीबीआर) में पोस्ट ग्रेजुएट/समुदाय आधारित पुनर्वास (डीसीबीआर)/ समुदाय आधारित समावेशीय विकास (सीबीआईडी)/ एमआरडब्ल्यू में डिप्लोमा	14500
9.	एकाउन्टेंट कम क्लर्क कम स्टोर कीपर	अनारक्षित	01	दो वर्षों के अनुभव सहित (बी.कॉम/एस.ए.एस.)	14500
10.	अटेन्डेंट कम प्यून कम मैसेन्जर	अनारक्षित	01	8वीं पास	9500
11.	वोकेशनल काउन्सलर कम कम्प्यूटर असिस्टेंट	अनारक्षित	01	व्यावसायिक पुनर्वास में डिप्लोमा (डीवीआर)/ (बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा एडीसीजीसी)/पुनर्वास विज्ञान में स्नातक	14500
12.	ट्रांस डिसिप्लिनरी स्पेशल एडुकेटर (एम.आर.)	अनारक्षित	01	(1) श्रवण बाधिता में डीईडीएसई/बीईडीएसई (2) बीआई/आईडी/सीपी/एमडी/डीबी/एएसडी/ एसएलडी में डीईडीएसई/बीईएसई	16000
13.	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर	अनारक्षित	01	स्नातकोत्तर एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव	18000
14.	चौकीदार	अनारक्षित	01	8वीं पास	कलेक्टर दर पर (अकुशल श्रमिक)

नियुक्ति संबंधी शर्तें :–

1. शासन के निर्देशानुसार पदों की भर्ती हेतु न्यूनतम एवं अधिकतम आयु सीमा 18 से 40 वर्ष होगी। अनु.जा., अनु. जनजा., अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/निःशक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए आयु सीमा 18 से 45 वर्ष होगी। आयु की गणना 01.01.2024 से की जावेगी।
2. आवेदक का मध्यप्रदेश के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
3. विज्ञप्ति के तकनीकी पदों हेतु भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई)/भारतीय चिकित्सा परिषद में जीवित पंजीयन होना आवश्यक है। पंजीयन की वैधता विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से न्यूनतम 1 वर्ष की हो।
4. नियुक्ति जिला प्रबंधन दल (डी.एम.टी.) मण्डला द्वारा की जावेगी। विज्ञापित पदों की संख्या, चयन प्रक्रिया एवं किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति में दल (डी.एम.टी.) का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
5. सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया के दौरान कलेक्टर को अधिकार होगा कि वह किसी भी आवेदन को बिना कारण बताये निरस्त कर सकता है।
6. यह पद पूर्णतः संविदा नियुक्ति का है। संविदा की कालावधि नियुक्ति तिथि से 01 वर्ष के लिए होगी। भविष्य में संविदा नियुक्ति के आधार पर शासन के किसी विभाग/उपक्रम में नियमितीकरण संबंधी दावा मान्य नहीं किया जावेगा।
7. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को यदि संविदा अवधि के पूर्व कलेक्टर द्वारा उसकी सेवा समाप्त की जाती है तो ऐसी स्थिति में कलेक्टर द्वारा 1 माह का नोटिस अथवा एक माह का संविदा पारिश्रमिक देय होगा।
8. संविदा पर नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी म.प्र. सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 प्रभावशील होगा।
9. संविदा पर नियुक्त विशेषज्ञ/कर्मचारी को कदाचार या किसी आपराधिक क्रियाकलाप में संलग्न पाए जाने पर नियुक्ति प्राधिकारी ऐसी संविदा नियुक्ति समाप्त कर सकेंगे।
10. नियुक्त विषय विशेषज्ञ/कर्मचारी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों को लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जावेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा संविदा नियुक्ति बिना कोई कारण बताए रद्द कर दी जावेगी।
11. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति बिना किसी विशिष्ट कारण रहे बिना सूचना कर्तव्य से 1 माह से अधिक अनुपस्थित रहता है तो संविदा स्वतः समाप्त मानी जावेगी।
12. बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति/निर्देश के कोई भी सूचना/जानकारी किसी अन्य व्यक्ति या विभाग को नहीं देगा, तथा कार्यालय की गोपनीयता भंग नहीं करेगा।
13. शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताएं संबंधी जानकारी में किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर सेवाएं समाप्त की जावेंगी।
14. चयनित को संविदा में नियुक्ति का आदेश प्राप्त होने पर तत्काल नियुक्ति अधिकारी के साथ 200 रु. के नान ज्यूडिशियल स्टॉप पर करारनामा निष्पादित करना होगा। साथ ही 03 माह के वेतन के समतुल्य धनराशि का बान्ड भी भरवाया जावेगा। यदि वह नियम संविदा अवधि के पूर्व से त्याग पत्र देकर अन्यत्र स्थान पर पदभार ग्रहण करता है, तो उसे उक्त राशि शासन के पास जमा करनी होगी। उक्त समस्त व्यय उम्मीदवार को स्वयं वाहन करना होगा।
15. आवेदक आवेदन के साथ स्वयं का पूर्ण पता लिखा हुआ रजिस्टर्ड डाक टिकट सहित लिफाफा एवं ई-मेल आई.डी. संलग्न करें।
16. आवेदक आवेदन के प्रारूप अनुसार अपनी पूर्ण जानकारी, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव प्रमाण-पत्रों एवं अन्य अर्हताओं की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। निर्धारित योग्यता एवं शर्तें पूर्ण न होने की स्थिति में आवेदन स्वयं ही निरस्त माना जावेगा।
17. पात्र आवेदकों को साक्षात्कार हेतु जिला प्रबंधक दल (डी.एम.टी.) के निर्णयानुसार मेरिट आधार पर बुलाया जावेगा।
18. कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि विज्ञापन प्रकाशन की **दिनांक से 15 दिवस** होगी। आवेदन कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जायेंगे। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
19. निर्धारित प्रारूप में टाइप किया हुआ अपना आवेदन सम्पूर्ण जानकारी एवं मांगे गये प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रति के साथ सादे सीलबंद लिफाफे पर व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा कार्यालयीन समय में उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मण्डला जिला पंचायत मण्डला जिला मण्डला (म.प्र.) में जमा किये जा सकते हैं। लिफाफे पर जिस पद पर आवेदन किया जा रहा है, उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

आवेदन पत्र निम्न प्रारूप पर नवीन पासपोर्ट फोटो के साथ देवें।

1. पद नाम 2. आवेदक का नाम 3. आवेदक के पिता/पति का नाम 4. आवेदक का वर्तमान पता 5. स्थायी पता 6. मोबाइल नंबर 7. जन्मतिथि (अंकों में).....शब्दों में.....

8. शैक्षणिक योग्यता -

क्र.	शैक्षणिक योग्यता	बोर्ड/वि.वि. का नाम	उत्तीर्ण करने का वर्ष	पूर्णांक/प्राप्तांक	प्रतिशत

9. कार्य अनुभव/प्रमाण पत्र सहित प्रमाण पत्र विस्तृत विवरण कब से कम तक कंपनी/विभाग/संस्था का नाम धारित पद।

घोषणा पत्र

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूं कि इस आवेदन पत्र में मेरे द्वारा दी गई समस्त जानकारी पूर्णतः सत्य है। जानकारी असत्य पाने जाने पर मेरा आवेदन निरस्त कर वैधानिक कार्यवाही करने के पूर्ण अधिकार कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र मण्डला को होगा।

दिनांक.....स्थान.....आवेदक के हस्ताक्षर.....

कलेक्टर सह अध्यक्ष

जी-24235/49483/2024 **जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र जिला मण्डला (म.प्र.)**

ROSHAN COLLEGE OF EDUCATION
DHAR (M.P.)
Run by Noble Education Society

Affiliated To D.A.V.V. Indore, M.P. Higher Education, Bhopal
NCTE New Delhi
Mob. No. - 9425046150, Email : roshan.education@gmail.com
Campus :- Prakash Nagar, Bramhakundi Road Dhar (M.P.) 454001
Application are invited for the post in B.Ed. department

Principal, Prof., Asso. Prof., Asst. Prof. For Perspective Education, Padagogy Subject, Fine Arts, Performing Arts, Health & Phy. Edu.
Minimum Qualification as per NCTE Regulation 2024 and DAVV

R-49488/2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ईमेलः eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 49/टी.सी./डी-1 ग्वा./2023-24 **दिनांक : 12.02.2024**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 41 ग्वालियर दिनांक 29.12.2023 द्वारा प्रचलित भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.22/25.03.2022 पर निविदाये लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना बेवसाइट पर ही देखें पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स. क्र.	टेन्डर आई डी.	कार्य का नाम	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
1.	2024_ PWDRB_ 332321_1	लोक निर्माण संभाग ग्वालियर अंतर्गत चार शहर के नाका से मलगढ़ा तिराहा फोरलेन मार्ग पर नाला एवं ड्रेनेज निर्माण कार्य द्वितीय आमंत्रण	1. 334.33 लाख 2. 334330/-	15000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 01 (एक)

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि **12.02.2024 प्रातः 10.30**

ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **27.02.2024 सांय 17.30**

ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि **29.02.2024 प्रातः 11.00**

निविदा फार्म ऊपर दर्शित बेवसाइट पर **(Online System)** ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी- 24316/49509/2024 **लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1, ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग
ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल फोन - 0755-2463894
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएं, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदाएं पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में प्राप्त की जा सकती है। विभाग किसी भी प्रकार के डाक विलंब के लिए उत्तरदायी नहीं रहेगा।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित नवीन पारिवारिक खण्ड क्र. एन-1 सूट नं. 11, 12, 22, 24 एवं गैरेज, स्टोर काउंटर एरिया का नवीनीकरण का सुदृढ़ीकरण कार्य।

एन.आई.टी. क्र.	1.कार्य की अनुमानित लागत 2. अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं अंतिम दिनांक	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्राप्ति का दिनांक एवं कार्यालय	निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक एवं कार्यालय	(1) कार्य पूर्ण करने की अवधि (2) ठेकेदारों की श्रेणी (3) आमंत्रण क्र.
148/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 8,20,005/- 2. ` 16400/-	(1) **23.2.2024** सायं 5.30 तक	` 2000/-	(1) 26.2.2024 अपराह्न 3.00 बजे तक (2) कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल।	(1) 26.2.2024 समय 3.00 बजे तक (2) कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल।	(1) 02 माह (2) केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली (3) प्रथम आमंत्रण।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन के पैनल रूम में विद्युत केबल एवं एमसीसीबी सुधार एवं बदलने का कार्य।

149/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 7,11,965/- 2. ` 14239/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 02 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित विभिन्न उद्यान एवं समाधि पार्क, वी.आई.पी. गेस्ट हाउस, शुक्ला पार्क, ओ.एफ.बी. एन.पी.पी. ग्रीनिंग खण्ड क्र.1, 2 एवं 3 गार्डन का संधारण कार्य।

150/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 9,91,600/- 2. ` 19832/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 12 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन में सांची गेट के समीप पाथ-वे पर स्ट्रीट लाइट का कार्य।

151/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 9,66,644/- 2. ` 19993/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 01 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह स्थित ओवरहेड टैंक/सम्पवेल/वॉटर टैंक का ईको फ्रेन्डली एवं बायो डीग्रेड कैमीकल द्वारा सफाई कार्य।

152/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 6,49,640/- 2. ` 12993/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 12 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधानसभा भवन में माननीय मंत्रीगण/अधिकारियों के कक्षों का फर्नीचर तथा शौचालयों का सुधार, नवीनीकरण एवं सुदृढ़िकरण कार्य।

153/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 9,85,000/- 2. ` 19700/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 08 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह परिसर स्थित खण्ड क्र. अ, ब, स का सुधार एवं नवीनीकरण कार्य।

154/23-24 व.ले.लि. दि. 13.2.2024	1. ` 9,40,522/- 2. ` 18810/-	--तदैव--	` 2000/-	--तदैव--	--तदैव--	(1) 03 माह (2) --तदैव-- (3) --तदैव--

(1) कोरे निविदा प्रपत्र निर्धारित राशि का भुगतान कर कार्यालय कार्यपालन यंत्री भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लो.नि.वि. भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। उक्त राशि वापसी योग्य नहीं है। (2) निविदा का वैधता खोले जोने की दिनांक से 120 दिन तक की होगी। (3) यदि निविदा प्राप्त होने/खोलने का दिवस शासकीय अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस में कार्यवाही संपादित की जावेगी। (4) निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करते समय निर्धारित आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य है, यदि निर्धारित दस्तावेज ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो उसकी निविदा खोली नहीं जावेगी। (i) म.प्र. लो.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी में वैध पंजीयन (ii) पेन कार्ड (iii) नो रिलेशन सर्टिफिकेट (iv) जी.एस.टी. पंजीयन (v) निविदा प्रपत्र अनुसार शपथ पत्र (vi) ई.पी.एफ. पंजीयन। (5) कार्य की अन्य शर्तों के बाबत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग
ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल 0755-2463894

जी-24254/49484/2024

संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास, 1 शिवाजी नगर, भोपाल
दूरभाष - 0755-2441026-0755-2731261

क्रमांक : एफ 17/सं.नि./2024/378 **भोपाल, दिनांक : 14.02.2024**

चिकित्सा अधिकारियों की संविदा नियुक्ति
आवेदन की अंतिम तिथि में वृद्धि की सूचना

मध्यप्रदेश शासन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अंतर्गत संचालित गैस राहत चिकित्सा इकाईयों में चिकित्सा अधिकारियों (एम.बी.बी.एस.) के रिक्त पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति की जाने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से दिनांक 20.02.2024 तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे।

उपरोक्त आवेदन पत्र प्राप्त करने व जमा करने हेतु दिनांक 20.02.2024 के स्थान पर आवेदन पत्र प्राप्त करने व जमा करने हेतु उक्त तिथि में **दिनांक 07.03.2024 तक** की वृद्धि की जाती है।

आवेदन पत्र प्राप्त करने, जमा करने तथा रिक्त पद (जो परिवर्तनीय हैं), संविदा वेतन एवं सेवा शर्तें पूर्वानुसार यथावत रहेंगी। जिसे विभागीय वेबसाइट **www.bgtrrd.mp.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सहायक संचालक
गैस राहत एवं पुनर्वास, भोपाल

जी-24284/49486/2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED OFFICE)
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001
फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

लघु निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 22/व.ले.लि./2023-24 **जबलपुर, दिनांक : 09.02.2024**

लघु निविदा आमंत्रण सूचना क्र.- 22

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. नानाखेड़ा बंदरकूदनी से त्रिशूलभेद तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य।

टेण्डर आई.डी.	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2024_PWDRB_ 331867_pack_1	प्रथम	126.83 लाख	126830/-	12500/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. सिहोरा उपसंभाग के अंतर्गत मड़ा-डमडमा मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_ 331868_pack_1	प्रथम	224.45 लाख	224450/--	15000/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. सिविल लाइन स्थित बंगला नं. डी/149 श्री टी.के. विद्यार्थी, डी.आई.जी. पुलिस में छत की क्षतिग्रस्त ए.सी. शीट बदलकर जी.आई. प्रोफाइल शीट लगाना एवं अन्य मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_ 331869_pack_1	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सिविल लाइन स्थित ऑफीसर्स बंगलों में वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट, सेनेटरी की मरम्मत एवं अन्य मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_ 331871_pack_1	प्रथम	19.90 लाख	40000/-	2000/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. पचपेढी उपखण्ड के अंतर्गत एस.आर., एम.ओ.डब्ल्यू. बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण, पेंटिंग शेड, पेवर ब्लॉक एवं अन्य मरम्मत कार्य।

2024_PWDRB_ 331872_pack_1	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. तिलवारा चरगवां मार्ग से साउथ बैंक तिलवाराघाट तक सी.सी. मार्ग एवं नाली का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_ 331924_pack_1	प्रथम	112.23 लाख	112230/-	12500/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. पिसनहारी की मढ़िया से आई-टाइप क्वार्टस गढ़ा पुरवा तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य एवं पिण्डरई पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_ 331925_pack_1	प्रथम	484.23 लाख	484230/-	15000/-	6 माह (वर्षाऋतु सहित)

टीप :– (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की तिथि **दिनांक 14.02.2024 समय 10.30 से दिनांक 24.02.2024 समय 17.30 बजे** तक है। इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-24271/49485/2024 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग छिन्दवाड़ा
E-mail :- eepwd1chhind@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 20/व.ले.लि./2023-24/ **छिंदवाड़ा, दिनांक : 09.02.2024**

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड की जा सकेंगी।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :–1. कुंआ बादला नांदिया मार्ग लंबाई 18.90 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
331697	छिंदवाड़ा	मजबूतीकरण कार्य	454.00	4,54,000/-	15000/-	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. मोहगांव एलकापार मार्ग लंबाई 19.00 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

331698	छिंदवाड़ा	मजबूतीकरण कार्य	433.22	4,33,300/-	15000/-	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :–3. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र.2 छिंदवाड़ा अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर सड़क का रखरखाव कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

331699	छिंदवाड़ा	सड़क संधारण कार्य	15.00	30,000/-	2000/-	06 माह वर्षाऋतु छोड़कर
	कुल योग :–		**902.22 लाख**			

टीप :– निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 26.02.2024 समय 5.30 बजे** तक है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को मान्य किया जायेंगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-24297/49487/2024 **लो.नि.वि. (भ/स) संभाग छिंदवाड़ा म.प्र.**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी किस खेल के खिलाड़ी हैं?
(अ) टेनिस (ब) बैडमिंटन
(स) स्क्वॉश
(द) इनमें से कोई नहीं

2. किस देश की क्रिकेट टीम की रणनीति को बेजबॉल का नाम दिया गया है?
(अ) इंग्लैंड
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) द. अफ्रीका
(द) वेस्टइंडीज

3. आईसीसी ने किस खिलाड़ी को वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ नवोदित खिलाड़ी चुना है?
(अ) यशस्वी जायसवाल
(ब) एडम जंपा
(स) डेवाल्ड ब्रेविस
(द) रचिन रविंद्र

4. वर्ष 2023 में किस देश ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्डकप जीता है?
(अ) अर्जेंटीना
(ब) इंग्लैंड
(स) नीदरलैंड
(द) बेल्जियम

5. वर्ल्ड शतरंज चैम्पियन डिंग लिरेन किस देश के शतरंज खिलाड़ी हैं?
(अ) उत्तर कोरिया
(ब) चीन
(स) मंगोलिया
(द) नॉर्वे

6. वर्ष 2022 में किस देश को हराकर अर्जेंटीना ने फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीता था?
(अ) फ्रांस (ब) जर्मनी
(स) क्रोएशिया (द) इंग्लैंड

7. आईसीसी ने दिसम्बर माह में किस भारतीय महिला खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार दिया है?
(अ) हरमनप्रीत कौर
(ब) दीप्ति शर्मा
(स) स्मृति मंधाना
(द) रेणुका सिंह

8. भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक में कौन-सा पदक जीता था?
(अ) स्वर्ण पदक
(ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

9. वर्ष 2022 में किस क्लब ने फीफा क्लब वर्ल्डकप जीता था?
(अ) फ्लेमिंगो
(ब) लिवरपूल
(स) बायर्न म्युनिख
(द) रियल मेड्रिड

10. इनमें से किस खेल को ईरान में राष्ट्रीय खेल का दर्जा मिला है?
(अ) फुटबॉल
(ब) कबड्डी
(स) कुश्ती
(द) इनमें से कोई नहीं

11. सैफ चैम्पियनशिप किस खेल से संबंधित एक लोकप्रिय प्रतियोगिता है?
(अ) कबड्डी
(ब) फुटबॉल
(स) क्रिकेट
(द) निशानेबाजी

12. भारत में विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट के किस प्रारूप में खेली जाती है?
(अ) वन-डे (ब) टेस्ट
(स) ट्वेंटी-20 (द) उपरोक्त सभी

13. एमा राडुकानु ने किस वर्ष यूएस ओपन ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था?
(अ) वर्ष 2020 (ब) वर्ष 2021
(स) वर्ष 2022 (द) वर्ष 2023

14. इनमें से किसे हाल ही में पेरू की फुटबॉल टीम का कोच बनाया गया है?
(अ) जॉर्ज फोसाती
(ब) जुआन रेनोसो
(स) ओलिवर कॉन
(द) इनमें से कोई नहीं

15. आईसीसी ने हाल ही में किस देश के क्रिकेट बोर्ड पर लगा प्रतिबंध हटाया है?
(अ) अफगानिस्तान
(ब) ओमान
(स) जिम्बाब्वे
(द) श्रीलंका

16. वर्ष 2022 में किस टीम ने आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था?
(अ) मुंबई इंडियंस
(ब) सनराइजर्स हैदराबाद
(स) गुजरात टाइटंस
(द) चैन्नई सुपरकिंग्स

17. इंग्लैंड के फुटबॉलर हैरी केन प्रोफेशनल फुटबॉल में किस क्लब के लिए खेलते हैं?
(अ) लिवरपूल
(ब) पेरिस सेंट जर्मेन
(स) जुवेंट्स
(द) बायर्न म्युनिख

18. भारत ने पिछले साल एशियन गेम्स में कितने स्वर्ण पदक जीते थे?
(अ) 20 (ब) 24
(स) 28 (द) 29

19. वर्ष 2023 में किस फुटबॉल क्लब ने यूएफा यूरोपा लीग का खिताब जीता है?
(अ) बायर्न म्युनिख
(ब) सेविला (स) जुवेंट्स
(द) एसी मिलान

20. वर्ष 2023 में किस देश ने सुदीरमन कप जीता था?
(अ) चीन (ब) जापान
(स) भारत (द) इनमें से कोई नहीं

21. विश्व चैम्पियन खिलाड़ी पंकज आडवाणी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) बैडमिंटन (ब) टेबल टेनिस
(स) निशानेबाजी (द) बिलियर्ड्स

22. सुमित अंतिल ने टोक्यो पैरालिंपिक में किस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) निशानेबाजी (ब) बैडमिंटन
(स) भाला फेंक (द) ऊंची कूद

23. रोहन बोपन्ना ने वर्ष 2017 में किस खिलाड़ी के साथ मिलकर फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता था?
(अ) कारा ब्लैक
(ब) गैब्रिएला दाब्रोवस्की
(स) मार्टिना नवरातिलोवा
(द) मैरी पियर्स

24. इनमें से किस देश ने टोक्यो ओलिंपिक में तैराकी खेल में सबसे ज्यादा पदक जीते हैं?
(अ) अमेरिका (ब) चीन
(स) ब्रिटेन (द) ऑस्ट्रेलिया

25. वर्ष 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने किस खिलाड़ी की कप्तानी में आईसीसी वन-डे विश्वकप जीता है?
(अ) स्टीव स्मिथ
(ब) पैट कमिंस
(स) डेविड वॉर्नर (द) ट्रेविस हेड

उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (स), 5. (ब), 6. (अ), 7. (ब), 8. (स), 9. (द), 10. (स), 11. (ब), 12. (अ), 13. (ब), 14. (अ), 15. (द), 16. (स), 17. (द), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (द), 22. (स), 23. (ब), 24. (अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी रीवा खण्ड रीवा (म.प्र.)

निविदा सू.क्रं. 17/2023-24/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यां./2024 रीवा, दिनांक : 09.02.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

(1) निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदायें एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियन्ता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 01.09.2023 प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों जिनके पास स्वयं के स्वामित्व की ड्रिलिंग मशीन उपलब्ध हो निविदा ऑनलाइन टेण्डर प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 12.02.2024 डाक्यूमेन्ट डाउनलोड/टेण्डर फार्म क्रय प्रारम्भ तिथि 12.02.2024 टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि **26.02.2024** बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक 12.02.2024 एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि **26.02.2024** को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित है। Manadatory 'A' & Financial bid Open का दिनांक 28.02.2024 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।

(2) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय बेवसाइट **(http//www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

(3) निविदाएँ, निर्धारित तिथि दिनांक 28.02.2024 को खोली जावेगी।

(4) कार्य का विवरण :-

रीवा जिले के खण्ड रीवा के अन्तर्गत विभिन्न विकासखण्डों में फास्ट ड्रिलिंग मशीन से 125/115 मि.मी. व्यास के 90 मीटर गहरे सफल नलकूपों के खनन संबंधि सम्पूर्ण कार्य।

ई-टेण्डर नं.	विकास खण्ड का नाम	समूह में नलकूपों की संख्या	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	प्रतिभूति राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल छोड़कर)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
2024_PHED_331901_1	रीवा (A)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331903_1	रीवा (B)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331906_1	रीवा (C)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331907_1	रीवा (D)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331909_1	रीवा (E)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331910_1	गंगेव (A)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331912_1	गंगेव (B)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331914_1	गंगेव (C)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331915_1	गंगेव (D)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331917_1	गंगेव (E)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331919_1	सिरमौर (A)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331920_1	सिरमौर (B)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331921_1	सिरमौर (C)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331922_1	सिरमौर (D)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331923_1	सिरमौर (E)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331928_1	जवा (A)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331929_1	जवा (B)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331931_1	जवा (C)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331932_1	जवा (D)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331933_1	जवा (E)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331935_1	रायपुर (A)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331936_1	रायपुर (B)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331937_1	रायपुर (C)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331939_1	रायपुर (D)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00
2024_PHED_331940_1	रायपुर (E)	10	7.10	14200.00	1 माह	2000.00

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से ली जा सकती है। विस्तृत निविदा विभागीय वेबसाइट **(http//www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है

कार्यपालन यंत्री
जी-24344/49508/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रीवा (म.प्र.)**

ओडिशा लोक सेवा आयोग

पद का नाम - पशु चिकित्सा सहायक सर्जन/अतिरिक्त पशु चिकित्सा सहायक सर्जन
पदों की संख्या - 539
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और संस्थान से पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन में स्नातक की डिग्री। आयु 21 से 38 वर्ष के बीच हो।
अंतिम तिथि - 26 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://www.opsc.gov.in/Public/OPSC/Default.aspx

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, राजगढ़

पद का नाम – सभी विषयों में पीजीटी, टीजीटी, पीआरटी एवं योग अनुदेशक, काउंसलर, डॉक्टर, स्कूल/स्टाफ नर्स, खेल प्रशिक्षक, कम्प्यूटर अनुदेशक, आर्ट, क्राफ्ट, नृत्य एवं संगीत प्रशिक्षक आदि पद (अंशकालीन अनुबंध के आधार पर)
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 फरवरी 2024 (वॉक - इन - इंटरव्यू)
वेबसाइट – https://rajgarh.kvs.ac.in/

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

पद का नाम – प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर (इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, केमिस्ट्री, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मैथामेटिक्स, सिविल इंजीनियरिंग, इंग्लिश, मैनेजमेंट स्टडीज)
पदों की संख्या - 110
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 फरवरी 2024
वेबसाइट – http://www.mmmut.ac.in/index

फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी निदेशालय

पद का नाम – साइंटिफिक असिस्टेंट (साइबर क्राइम, टेप ऑथेंटिकेशन, स्पीकर आइडेंटिफिकेशन, मनोविज्ञान), सीनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट, सीनियर क्लर्क (भंडार), जूनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट, मैनेजर (कैंटीन)
पदों की संख्या - 125
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 फरवरी 2024
वेबसाइट – https://dfsl.maharashtra.gov.in/en

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग

पद का नाम – सहायक सांख्यिकी अधिकारी/सहायक शोध अधिकारी (अर्थ एवं संख्या विभाग), सहायक सांख्यिकी अधिकारी (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग), सहायक सांख्यिकी अधिकारी वर्ग - 2 (कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग), सहायक सांख्यिकी अधिकारी (डेयरी विकास विभाग), सहायक सांख्यिकी अधिकारी (उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग), अन्वेषक कम संगणक (सहकारी समितियां, उच्च शिक्षा) सांख्यिकीय सहायक (महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग) अन्वेषक/संगणक (महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग)
पदों की संख्या - 223
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 फरवरी 2024
वेबसाइट – https://psc.uk.gov.in/

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम – विद्यालय अध्यापक
पदों की संख्या - 78000
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 फरवरी 2024
वेबसाइट – https://www.bpsc.bih.nic.in/

इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (IDBI)

पद का नाम - जूनियर असिस्टेंट मैनेजर
पदों की संख्या - 500
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री, कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान, क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान, उम्र 20 से 25 साल के बीच हो।
अंतिम तिथि - 26 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://www.idbibank.in/

मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड

पद का नाम - सहायक कार्यकारी (मार्केटिंग)
पदों की संख्या - 11
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://www.mrpl.co.in/

एडमिशन अलर्ट

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/मंडल/परिषद् या समकक्ष संस्थान से 10+2 (इंटरमीडिएट)
अंतिम तिथि - 29 फरवरी 2024
वेबसाइट - http://cmcldpmp.mpjapmis.org/hi/#

श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट, मैसूर

पाठ्यक्रम का नाम - पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 28 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://www.sdmimd.ac.in/

अटल बिहारी वाजपेयी प्रबंधन एवं उद्यमिता संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 28 फरवरी 2024
वेबसाइट - https://www.jnu.ac.in/abvsme-MBAcourses

इंटर्नशिप अलर्ट

एनजीएसएफ इंटर्नशिप प्रोग्राम

किनके लिए - ऐसे विद्यार्थी जो लाइफ साइंस में रिसर्च का अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं।
योग्यता - ग्रेजुएशन के दूसरे या तीसरे वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।
क्या मिलेगा - प्रमुख संस्थान की प्रयोगशाला में 2 से 3 महीने तक काम करने का मौका मिलेगा। इन अभ्यर्थियों को 6 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा।
आवेदन - 31 मार्च 2024
वेबसाइट - www.b4s.in/dbl1/NGF1

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मोदी जी की गारंटी के साथ आया मध्यप्रदेश का लेखानुदान

आगामी चार महीनों के लिये आय व्यय का लेखानुदान मध्यप्रदेश विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प के अनुरूप गांव, गरीब, युवा किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। इस बजट में कोई नया कर नहीं है। फिर भी करअदायगी व्यवस्था के युक्तियुक्त करण से आयवृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

मध्यप्रदेश सरकार का यह बजट केंद्र सरकार की तर्ज पर है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जो वित्त मंत्री भी हैं, ने बजट प्रस्तुत करते हुए मोदीजी का उल्लेख भी किया और कहा कि यह बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने के मोदी जी के संकल्प के अनुरूप है और इसमें जो वादे किये गये हैं उन्हें पूरा करने के लिये मोदी जी की गारंटी भी है। बजट सर्वसम्मति से पारित हुआ। हाल ही संपन्न विधानसभा चुनाव के दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जो संकल्प पत्र जारी किया था, उसकी झलक भी इस बजट में है। यह बजट केवल चार माह का है। वित्तीय भाषा में इसे लेखानुदान कहते हैं। पूर्ण बजट जुलाई माह में आयेगा तब इसके सभी प्रावधान उसमें सम्मिलित होंगे।

लेखानुदान : एक दृष्टि

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये प्रस्तुत इस लेखानुदान में फरवरी 2024 में ही प्रस्तुत द्वितीय अनुपूरक अनुमान में सम्मिलित योजनाओं के लिये किये गये प्रावधान शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-25 के लिये इस बजट में कुल राशि 3,48,986.57 करोड़ अनुमानित है। इसमें चार माह के लिये इस लेखानुदान में 1,45,229.55 करोड़ का प्रावधान किया गया है। लेखानुदान राशि में मतदेय राशि रुपये 1,19,453.05 करोड़ तथा भारित राशि रुपये 25,776.51 करोड़ है।

वर्ष 2024-25 के बजट में कुल राजस्व प्राप्तियाँ 2,52,268.03 करोड़ रुपये अनुमानित हैं। इसमें राज्य कर से राजस्व प्राप्तियाँ 96,553.30 करोड़ और गैर कर राजस्व प्राप्तियाँ 18,077.33 करोड़ रुपये अनुमानित हैं। बजट अनुमान में राजस्व व्यय 2,51,825.13 करोड़ रुपये है। जबकि वर्ष 2023-24 में पुनरीक्षित अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,31,112.34 करोड़ है। वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान में राजस्व आधिक्य 442.90 करोड़ रुपये है। कुल पूँजीगत प्राप्तियों का बजट अनुमान रुपये 59,718.64 करोड़ है एवं वर्ष 2024-25 में कुल पूँजीगत परिव्यय का बजट अनुमान 59,342.48 करोड़ है।

बजट में किये गये प्रावधान के अनुसार

- कर्मचारियों और पेंशनर के लिए चार प्रतिशत डीए और महंगाई राहत का प्रावधान किया गया है।
- लाड़ली बहना और अन्य योजनाओं के लिए 9438 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- किसानों को ब्याज रहित ऋण देने और स्थाई विद्युत पंप पर अनुदान देने के लिए कृषक मित्र योजना को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए 9593 करोड़ रुपये किसान कल्याण विभाग को दिए गए हैं।
- किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन पर प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
- सड़क, औद्योगिक कारिडोर निर्माण और एक्सप्रेस वे को गति देने के लिए पीडब्ल्यूडी को 4098 करोड़ रुपये दिए गए हैं ताकि लंबित भुगतान कर नई परियोजनाओं पर काम हो सके।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पीएम एक्सीलेंस कालेज का निर्माण सभी जिलों में किया जाएगा।
- केरल की तरह पर्यटन क्षेत्र से रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने के लिए पांच पर्यटन केंद्रों तक हेलीकॉप्टर सेवा आरंभ करने की योजना है।
- 23 जिलों में प्रधानमंत्री जनमन योजना को जमीन पर उतारने के लिए अनुसूचित जनजाति कल्याण के बजट में 7500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है।
- गरीब परिवार की महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मिलने वाली प्रसूति सहायता योजना के लिए 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।
- श्रमिकों के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जाएगी।
- शहरी विकास के लिए 6143 और गांव के विकास के लिए 6314 करोड़ रुपये चार महीने में खर्च किए जाएंगे।

लेखानुदान की विशेषता

चार माह के इस बजट (लेखानुदान) की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें कोई नया कर नहीं है। और न किसी पुराने कर में कोई वृद्धि हुई है। इसी प्रकार कोई नई योजना भी सम्मिलित नहीं है। पुरानी योजनाओं के क्रियान्वयन पर ही जोर दिया गया है। इस बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प की सभी प्राथमिकताओं पर गत वर्ष के बजट की तुलना में कुछ अधिक प्रावधान किये गये हैं। उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जो वित्तमंत्री भी हैं ने बजट प्रस्तुत करते हुए मोदीजी के संकल्प का उल्लेख भी किया और मोदीजी के मंत्र "ज्ञान (gyan) का सम्मान" अर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी को सशक्त बनाने के लिये किये गये प्रावधानों का अलग अलग विवरण भी दिया। मोहन सरकार ने मोदी मंत्र के "g" में गरीब के साथ गाँव को भी जोड़ा और अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा कर्मचारी कल्याण की योजनाओं और उन पर किये गये प्रावधानों का भी विवरण दिया। चार माह के इस बजट में मध्यप्रदेश सरकार अधोसंरचना विकास के लिये पूंजी गत व्यय में भी वृद्धि की है। मध्यप्रदेश सरकार ने पिछले साल वर्ष 2023-24 के बजट में कुल तीन लाख 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तुत किया था। जुलाई 2023 तक 27 हजार 718 करोड़ रुपये का प्रथम और फरवरी 2024 में 30 हजार 265 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत किया है। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए तीन लाख 48 हजार 986 करोड़ रुपये का बजट अनुमान है। केंद्रीय करों में हिस्सा, केंद्रीय सहायता सहित अन्य माध्यमों से कुल दो लाख 52 हजार 268 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। इसमें राज्य कर से 96 हजार 553 करोड़ रुपये की आय और कुल दो लाख 51 हजार 825 करोड़ रुपये व्यय अनुमानित है। वर्ष 2024-25 में 442 करोड़ रुपये राजस्व आधिक्य अनुमानित है। सरकार अधोसंरचना विकास पर आगामी वित्तीय वर्ष में 59 हजार 342 करोड़ रुपये व्यय करेगी।

किसानों के सशक्तीकरण के लिये इस अंतरिम बजट में ऊर्जा, पशुपालन, उद्यानिकी, सहकारिता, जल संसाधन, नर्मदा घाटी सहित अन्य विभागों को आवश्यकता के अनुरूप राशि उपलब्ध कराई है। ऊर्जा विभाग के लिए सात हजार 963 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा अटल कृषि ज्योति योजना के माध्यम से सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए बिजली कंपनियों को अनुदान के रूप में दी जाना है। किसानों के लिये सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए केंद्रीय बजट में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं नर्मदा घाटी विकास पर एक हजार 529 रुपये आवंटित किए गए हैं। किसानों को बिना ब्याज का ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग को 443 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान यह आश्वासन संकल्प पत्र 2023 में दिया गया था। इसे पूरा करते हुए किसानों की आय बढ़ाने के लिए मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने दुर्गावती श्री अन्न योजना लागू की जा रही है। इसमें किसानों को प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये मध्यप्रदेश सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान-निकाह योजना, बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति वर्ग की महिलाओं को आहार अनुदान या फिर लाड़ली बहना योजना के लिए बजट में प्रावधान हैं। इसके साथ महिला एवं बाल विकास विभाग को चार माह के लिए 9,438 करोड़ रुपये का प्रावधान है। जनजाति, अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के कल्याण के लिये भी अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को लाड़ली बहनों को 450 रुपये में रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए राशि का प्रावधान किया गया है।

युवाओं के कल्याण के लिये इस बजट में स्वरोजगार पर जोर दिया गया है। सरकार का जोर युवा शक्ति का उपयोग प्रदेश के सर्वांगीण विकास में करने पर है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, रोजगार दिवस के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बैंक ऋण स्वीकृत कराने, ब्याज अनुदान देने का प्रावधान किया है।

चार नए ग्लोबल स्किल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। फ्यूचर जॉब स्किल पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए जबलपुर, उज्जैन, भोपाल का चयन किया गया है। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भाग लेने पर सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग को राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

मध्यप्रदेश सरका का यह बजट गाँव, गरीब, महिला, किसान और महिलाओं को तो प्राथमिकता के साथ प्रदेश के प्रत्येक वर्ग और समूह को आत्मनिर्भर बनाने को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। चूँकि भारत की आत्मनिर्भरता के लिये प्रातों का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इस बजट के प्रावधानों से यह संकेत बहुत स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को सक्षम और समृद्ध बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखा है।

-रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

प्र. 1 गोताखोरों के पास सांस लेने संबंधी क्रिया में उपयोग की जाने वाली गैस है?
(अ) ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन
(ब) ऑक्सीजन तथा हीलियम
(स) ऑक्सीजन तथा आर्गन
(द) ऑक्सीजन तथा निऑन
उत्तर- (ब)

प्र. 2 प्लास्टर ऑफ पेरिस का रासायनिक नाम है?
(अ) कैल्शियम सल्फेट हेमीहाइड्रेट
(ब) कैल्शियम हाइड्रोऑक्साइड
(स) कैल्शियम कार्बोनेट
(द) मैग्नीशियम सल्फेट
उत्तर- (अ)

प्र. 3 सामान्य ट्यूब लाइट में कौन-सी गैस होती है?
(अ) ऑर्गन के साथ सोडियम वेपर
(ब) नियॉन के साथ सोडियम वेपर
(स) ऑर्गन के साथ मर्करी वेपर
(द) नियॉन के साथ मर्करी वेपर
उत्तर- (स)

प्र. 4 हाइड्रोजन को जलाने से क्या प्राप्त होता है?
(अ) ऑक्सीजन (ब) राख
(स) मिट्टी (द) पानी
उत्तर- (द)

प्र. 5 महात्मा गांधी ने अपने आन्दोलन में निम्न में से किसका प्रयोग किया है?
(अ) सोडियम बाई कार्बोनेट
(ब) सोडियम कार्बोनेट
(स) सोडियम हाइड्रॉक्साइड
(द) सोडियम क्लोराइड
उत्तर- (द)

प्र. 6 इनमें से कौन-सी नोबेल गैस कहलाती है?
(अ) हाइड्रोजन
(ब) ऑक्सीजन
(स) हीलियम
(द) कार्बन डाईऑक्साइड
उत्तर- (स)

प्र. 7 हास्य (लॉफिंग) गैस है?
(अ) नाइट्रोजन डाईऑक्साइड
(ब) नाइट्रस ऑक्साइड
(स) नाइट्रोजन ट्राईऑक्साइड
(द) सल्फर डाईऑक्साइड
उत्तर- (ब)

प्र. 8 आलू चिप्स प्लास्टिक के थैलों में संकलित किए जाते हैं?
(अ) नाइट्रोजन वातावरण में
(ब) हाइड्रोजन वातावरण में
(स) ऑक्सीजन वातावरण में
(द) आयोडीन वातावरण में
उत्तर- (अ)

प्र. 9 7 मई, 2020 का विशाखपट्टनम के एलजी पॉलिमर उद्योग में किस गैस का रिसाव हुआ था?
(अ) मिथाइल आइसोसाइनेट
(ब) स्टाइरिन गैस
(स) क्लोरोएसीटोफेनोन
(द) नाइट्रस ऑक्साइड
उत्तर- (ब)

प्र. 10 परमाणु सिद्धांत का जनक किसे माना जाता है?
(अ) जॉन डॉल्टन (ब) मेंडल
(स) डार्विन (द) हेकल
उत्तर- (अ)

प्र. 11 निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नही हैं?
(अ) अलवणीकरण - समुद्रीजल
(ब) प्रतिलोम परासरण - पेयजल
(स) विकृतीकरण - प्रोटीन
(द) पाश्च्युरीकरण - चाय
उत्तर- (द)

प्र. 12 फॉस्फेट्ज परीक्षण किसके विश्लेषण हेतु उपयोग में लिया जाता है?
(अ) दूध (ब) चाय
(स) पानी (द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द)

प्र. 13 पानी मिट्टी से जड़ों में जिस भौतिक प्रक्रिया द्वारा गुजरता है उसे कहा जाता है?
(अ) विसरण (ब) वाष्पोत्सर्जन
(स) अवशोषण (द) परासरण
उत्तर- (द)

प्र. 14 खीरे को काटकर यदि नमक डाला जाता है तो निम्न में से किसके कारण पानी निकलता है?
(अ) सक्रिय परिवहन
(ब) निष्क्रिय परिवहन
(स) परासरण
(द) प्रसार
उत्तर- (स)

प्र. 15 रेत और नैफ्थलीन के मिश्रण को किसके द्वारा अलग किया जा सकता है?
(अ) ऊर्ध्वपातन (सब्लिमेशन)
(ब) आसवन (डिस्टिलेशन)
(स) क्रोमैटोग्राफी
(द) आंशिक आसवन
उत्तर- (अ)

प्र. 16 स्टेनलेस स्टील बनाने के लिए लोहे में क्या मिलाया जाता है?
(अ) निकेल और तांबा
(ब) जिंक और टिन
(स) निकेल और टिन
(द) क्रोमियम और निकेल
उत्तर- (द)

प्र.17 ऊष्मागतिकीय (थर्मोडायनैमिकली) रूप से कार्बन का सबसे स्थिर रूप कौन-सा है?
(अ) फुलरीन (ब) हीरा
(स) कोयला (द) ग्रेफाइट
उत्तर- (द)

प्र. 18 निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है?
(अ) ब्लीचिंग पाउडर - कैल्शियम ऑक्सीक्लोराइड
(ब) प्लास्टर ऑफ पेरिस - कैल्शियम बाइकार्बोनेट
(स) वॉशिंग पाउडर - सोडियम कार्बोनेट
(द) बेकिंग सोडा - सोडियम बाइकार्बोनेट
उत्तर- (ब)

प्र. 19 नीला थोथा रासायनिक रूप से है?
(अ) सोडियम सल्फेट
(ब) निकल सल्फेट
(स) कॉपर सल्फेट
(द) आयरन सल्फेट
उत्तर- (स)

प्र. 20 बेकिंग सोडा है?
(अ) सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
(ब) सोडियम हाइडाइड्रोजन
(स) डाइसोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
(द) सोडियम कार्बोनेट
उत्तर- (अ)

प्र. 21 घड़ी में प्रयोग होने वाले क्वार्ट्ज क्रिस्टल होते हैं?
(अ) सोडियम सिलिकेट
(ब) सिलिकन डाईऑक्साइड
(स) जर्मेनियम ऑक्साइड
(द) टाइटेनियम डाईऑक्साइड
उत्तर- (ब)

प्र. 22 वेल्डिंग में प्रयोग होने वाली गैस है?
(अ) ऑक्सीजन तथा हाइड्रोजन
(ब) ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन
(स) ऑक्सीजन तथा एसीटिलीन
(द) हाइड्रोजन तथा एसीटिलीन
उत्तर- (स)

प्र. 23 निम्नलिखित में से किसको वुड, स्पिरिट भी कहा जाता है?
(अ) मिथाइल एल्कोहल
(ब) एथिल एल्कोहल
(स) इथिलीन ग्लाइकोल
(द) ग्लिसरॉल
उत्तर- (अ)

प्र. 24 पुलिस द्वारा नशे में गाड़ी चलाने वाले की सांस की जांच के लिए फिल्टर पेपर पर क्या होता है?
(अ) पोटैशियम डाइक्रोमेट-सल्फ्यूरिक अम्ल
(ब) पोटैशियम परमैग्नेट-सल्फ्यूरिक अम्ल
(स) सिल्वर नाइट्रेट लेपित जेन
(द) हल्दी
उत्तर- (अ)

प्र. 25 निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर-सेल्युलोजी रेशे का उदाहरण है?
(अ) रेयॉन (ब) लिनन
(स) जूट (द) नायलॉन
उत्तर- (द)

प्र. 26 अल्टीमीटर का उपयोग किया जाता है?
(अ) उड़ते हुये विमान की ऊंचाई नापने के लिए
(ब) विद्युत धारा को मापने के लिए
(स) हवा की शक्ति को मापने के लिए
(द) वायुमंडलीय दाब को मापने के लिए
उत्तर- (अ)

प्र. 27 एक पिंड का अधिकतम भार निम्नलिखित में से किसमें होता है?
(अ) वायु (ब) जल
(स) हाइड्रोजन (द) नाइट्रोजन
उत्तर- (स)

प्र. 28 हाइड्रोमीटर का उपयोग होता है?
(अ) द्रवों का आपेक्षिक घनत्व ज्ञात करने में
(ब) आर्द्रता मापने में
(स) गैस का दाब ज्ञात करने में
(द) पानी की सतह पर तेल की उपस्थिति ज्ञात करने में
उत्तर- (अ)

प्र. 29 गति को सर्वप्रथम किसने परिभाषित किया?
(अ) गैलीलियो
(ब) डॉल्टन
(स) केप्लर
(द) टॉलमी
उत्तर- (अ)

प्र. 30 बर्फ का पानी में तैरना किस सिद्धांत से सम्बंधित है?
(अ) न्यूटन
(ब) आर्किमिडीज
(स) आइन्स्टीन
(द) हुक
उत्तर- (ब)

प्र. 31 बन्दूक से गोली छोड़ते समय पीछे की ओर झटका लगना यह न्यूटन का कौन-सा सिद्धांत है?
(अ) प्रथम (ब) द्वितीय
(स) तृतीय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 32 मानव शरीर का भार होता है?
(अ) ध्रुवों पर अधिकतम
(ब) सभी जगह एक समान
(स) भू-मध्यरेखा पर अधिकतम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 33 चन्द्रमा पर वायुमंडल नहीं होने का कारण -
(अ) यह प्रथ्वी के निकट है
(ब) यह सूर्य से प्रकाश प्राप्त करता है
(स) यह प्रथ्वी की परिक्रमा करता है
(द) इस पर गैस अणुओं का पलायन वेग उनके वर्ग माध्य मूल वेग से कम होता है
उत्तर- (द)

प्र. 34 बारिश की बूंद का गोल होना किसका उदाहरण है?
(अ) पृष्ठ तनाव (ब) श्यानता
(स) घनत्व (द) वायु दाब
उत्तर- (अ)

प्र. 35 सबसे ज्यादा श्यानता होती है?
(अ) जल की (ब) वायु की
(स) खून की (द) शहद की
उत्तर- (द)

प्र. 36 गर्मी के दिनों में पंखा चलने से आराम महसूस होता है, क्योंकि-
(अ) पंखा ठन्डी हवा देता है
(ब) हमारा पसीना तेजी से वाष्पीकृत होता है
(स) हमारे शरीर से अधिक ऊष्मा विकरित होती है
(द) हवा की संवाहकता बढ़ जाती है
उत्तर- (ब)

प्र. 37 स्टेथोस्कोप में, रोगी की दिल की धड़कन की ध्वनि डॉक्टर के कानों तक पहुंचती है?
(अ) ध्वनि के बहु विवर्तन द्वारा
(ब) ध्वनि के बहु परावर्तन द्वारा
(स) ध्वनि के ध्रुवन द्वारा
(द) ध्वनि के बहु अपवर्तन द्वारा
उत्तर- (ब)

प्र. 38 बैरोमीटर में अचानक गिरावट हो जाने से निम्न में से कौन-सी एक मौसम दशा इंगित होती है?
(अ) तूफानी मौसम
(ब) शीत मौसम
(स) ऊष्ण मौसम
(द) लू
उत्तर- (अ)

प्र. 39 वाशिंग मशीन का कार्य सिद्धांत है -
(अ) अपकेन्द्रन (ब) अपोहन
(स) परासरण (द) विसरण
उत्तर- (अ)

प्र. 40 ऑप्टिकल फाइबर किस सिद्धांत पर कार्य करता है -
(अ) पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(ब) प्रकीर्णन
(स) अपवर्तन
(द) परावर्तन
उत्तर- (अ)

प्र. 41 त्रिविमीय चित्र लेने के लिए निम्न में से किसका प्रयोग करते हैं?
(अ) फोटोग्राफी
(ब) होलोग्राफी
(स) सोनोग्राफी
(द) रेडियोग्राफी
उत्तर- (ब)

प्र. 42 धूप से बचने के लिए छाते में रंग संयोजन निम्न में से कौन-सा सबसे उचित है?
(अ) ऊपर काला नीचे सफेद
(ब) ऊपर सफेद नीचे काला
(स) मात्र काला
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 43 दाढ़ी बनाने के लिए कौन-सा दर्पण उपयोग में लाया जाता है?
(अ) अवतल दर्पण
(ब) समतल दर्पण
(स) उत्तल दर्पण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 44 दोपहर 12 बजे किस दिशा में इंद्रधनुष दिखाई देता है?
(अ) पश्चिम में
(ब) दक्षिण में
(स) पूर्व में
(द) इस समय दिखाई नहीं देता है
उत्तर- (द)

प्र. 45 लैंस की शक्ति मापी जाती है?
(अ) डायोप्टर में (ब) इयोन में
(स) ल्यूमन में (द) कैंडिला में
उत्तर- (अ)

प्र. 46 थर्मोस्टेट का प्रयोजन क्या है?
(अ) तापमान को नापना
(ब) तापमान को बढ़ाना
(स) तापमान को स्थिर रखना
(द) ताप को विद्युत में बदलना
उत्तर- (स)

प्र. 47 वायु की गति का मापन किया जाता है?
(अ) बैरोमीटर द्वारा
(ब) हायग्रोमीटर द्वारा
(स) अधिकतम-न्यूनतम थर्मामीटर द्वारा
(द) ऐनीमोमीटर द्वारा
उत्तर- (द)

प्र. 48 अनुदैर्ध्य तरंगों का उदाहरण है?
(अ) रेडियो तरंग
(ब) ध्वनि तरंग
(स) एक्स-किरण
(द) गामा किरण
उत्तर- (ब)

प्र. 49 किसी बल्लेबाज द्वारा क्रिकेट की गेंद को मारने पर गेंद समतल जमीन पर लुढ़कती है। कुछ दूर लुढ़कने के पश्चात गेंद रुक जाती है, गेंद रुकने के लिए धीमी होती हैं, क्योंकि -
(अ) बल्लेबाज ने गेंद को पर्याप्त प्रयास से हिट नहीं किया।
(ब) वेग, गेंद पर लगाए गए बल के समानुपाती है।
(स) गेंद पर गति की दिशा में विपरीत एक बल कार्य कर रहा है।
(द) गेंद पर की असंतुलित बल कार्यरत नहीं है, अत: गेंद विरामावस्था में आने के लिए प्रयासरत है।
उत्तर- (स)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

तर्कशक्ति

प्रश्न 1. नीचे दिए हुए प्रश्न में विकल्पों में से वह सेट चुनिए जो दिए हुए सेट की तरह है।
दिया हुआ सेट : 194, 142, 98
(अ) 158, 134, 92
(ब) 62, 34, 14
(स) 184, 128, 78
(द) 74, 38, 18
उत्तर - (ब) 62, 34, 14
व्याख्या - जिस प्रकार
$14^2 - 2 = 194$
$12^2 - 2 = 142$
$10^2 - 2 = 98$
उसी प्रकार
$8^2 - 2 = 62$
$6^2 - 2 = 34$
$4^2 - 2 = 14$

प्रश्न 2. निम्न में से असमान को चुनिए
(अ) सोना (ब) चाँदी
(स) एल्युमिनियम (द) पारा
उत्तर - (द) पारा
व्याख्या - पारा एक तरल धातु है, जबकि अन्य सभी ठोस धातु हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित श्रृंखला में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) के स्थान पर क्या आएगा?
WE, SG, PJ, LN, ?
(अ) HS (ब) IT
(स) IS (द) HT
उत्तर - (स) IS
व्याख्या -
W $\xrightarrow{-4}$ S $\xrightarrow{-3}$ P $\xrightarrow{-4}$ L $\xrightarrow{-3}$ I
E $\xrightarrow{+2}$ G $\xrightarrow{+3}$ J $\xrightarrow{+4}$ N $\xrightarrow{+5}$ S
= IS

प्रश्न 4. कोड भाषा में PINK को QHOJ लिखा जाता है और BOLT को CNMS लिखा जाता है उस कोड में MUST को कैसे लिखा जाएगा?
(अ) NVIS (ब) NTTS
(स) NTRS (द) NITU
उत्तर - (ब) NTTS

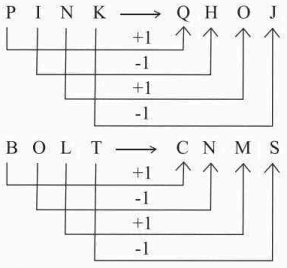

उसी प्रकार
MUST⟶NTTS

प्रश्न 5. अमित दक्षिण की ओर चलना प्रारंभ करता है और 20 मीटर चलने के बाद बाएँ मुड़कर 25 मीटर चलता है। पुन: दाएँ मुड़कर 15 मीटर चलता है और अंत में दाएँ मुड़कर 25 मीटर चलता है। बताएँ कि प्रारंभिक स्थान से वह कितनी दूरी पर है।
(अ) 45 मीटर (ब) 40 मीटर
(स) 25 मीटर (द) 35 मीटर
उत्तर - (द) 35 मीटर

प्रश्न 6. सुमन प्रात: उठकर अपने घर से निकलता है और कुछ चलने के बाद दाहिने मुड़ जाता है। पुन: दाहिने मुड़ जाता है। अगर वह अभी दक्षिण दिशा में जा रहा है, तो उसने किस दिशा में चलना प्रारंभ किया था?
(अ) पूर्व (ब) उत्तर
(स) पश्चिम (द) दक्षिण
उत्तर - (ब) उत्तर
व्याख्या -

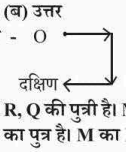

प्रश्न 7. R, Q की पुत्री है। M, B की बहन है जो Q का पुत्र है। M का R से क्या संबंध है?
(अ) कजन (ब) नीस
(स) बहन (द) आन्ट
उत्तर - (स) बहन
व्याख्या - Q का पुत्र B है, Q की पुत्री R है और M, B की बहन है अत: M, R की बहन है।

प्रश्न 8. नीलू की ओर इशारा करते हुए तारकेश्वर ने कहा कि ''वह मेरी माँ के इकलौते पुत्र की पत्नी है'' तो बताएँ नीलू तारकेश्वर से किस प्रकार संबंधित है?
(अ) माँ (ब) पत्नी
(स) मामी (द) नानी
उत्तर - (ब) पत्नी
व्याख्या - चूँकि तारकेश्वर की माँ का इकलौता पुत्र तारकेश्वर स्वयं होगा। अत: नीलू, तारकेश्वर की पत्नी है।

निर्देश (9-13) निम्न प्रश्नों के उत्तर देने के लिए जानकारी को ध्यान से पढ़िए।
सात व्यावसायिक A, B, C, D, E, F और G अपने-अपने व्यवसाय की अलग-अलग शहरों चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, मुम्बई, अहमदाबाद, जयपुर और भुवनेश्वर में प्रैक्टिस कर रहे हैं, पर जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हो। हरेक का अलग-अलग व्यवसाय है। डॉक्टर, इंजीनियर, फार्मासिस्ट, वकील, काउंसलर, प्रोफेसर और कलाकार पर जरूरी नहीं कि इसी क्रम में।
A फार्मासिस्ट है और भुवनेश्वर में प्रेक्टिस करता है। D बैंगलोर में प्रेक्टिस करता है। लेकिन डॉक्टर या कलाकार नहीं है। हैदराबाद में प्रैक्टिस करने वाला प्रोफेसर है। G काउंसलर है और मुम्बई या चेन्नई में प्रैक्टिस नहीं करता है। E वकील है और अहमदाबाद में प्रैक्टिस करता है। F चेन्नई में प्रैक्टिस करता है, लेकिन कलाकार नहीं है। C मुम्बई में प्रैक्टिस करता है?

प्रश्न 9. D का व्यवसाय क्या है?
(अ) डॉक्टर (ब) प्रोफेसर
(स) इंजीनियर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (स) इंजीनियर

प्रश्न 10. प्रोफेसर कौन है?
(अ) B (ब) C
(स) D (द) F
उत्तर - (अ) B

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से व्यवसाय और स्थान का कौन सा संयोजन सही है?
(अ) फार्मासिस्ट - जयपुर
(ब) इंजीनियर - चेन्नई
(स) डॉक्टर - बैंगलोर
(द) कलाकार - मुम्बई
उत्तर - (द) कलाकार - मुम्बई

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से कौन सा व्यक्ति जयपुर में काम करता है?
(अ) B (ब) G
(स) C (द) B या G
उत्तर - (ब) G

प्रश्न 13. डॉक्टर कौन है?
(अ) D (ब) C
(स) B या C (द) F
उत्तर - (द) F
व्याख्या (9-13) -

व्यक्ति	पेशा	शहर
A	फार्मासिस्ट	भुवनेश्वर
B	प्रोफेसर	हैदराबाद
C	कलाकार	मुम्बई
D	इंजीनियर	बैंगलोर
E	वकील	अहमदाबाद
F	डॉक्टर	चेन्नई
G	काउंसलर	जयपुर

प्रश्न 14.

3	?	5
5	4	7
4	4	4
60	96	140

प्रश्नवाचक चिन्ह के स्थान पर विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।
(अ) 4 (ब) 6
(स) 8 (द) 9
उत्तर - (ब) 6
व्याख्या - पहली कतार = $3 \times 5 \times 4 = 60$
तीसरी कतार = $5 \times 7 \times 4 = 140$
दूसरी कतार = $X \times 4 \times 4 = 96$
$X = 6$

प्रश्न 15. प्रश्नवाचक चिन्ह के स्थान पर विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।
R U X A D ?
(अ) F (ब) G
(स) H (द) I
उत्तर - (ब) G
व्याख्या -

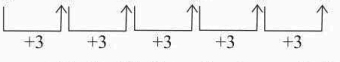

प्रश्न 16. किसी महीने की 3 तारीख मंगलवार है, तो उस महीने की 29 तारीख को कौन सा दिन होगा?
(अ) शनिवार (ब) रविवार
(स) बुधवार (द) सोमवार
उत्तर - (ब) रविवार
व्याख्या - महीने के शेष मंगलवार होंगे
3 + 7 = 10
3 + 14 = 17
3 + 21 = 24
3 + 28 = 31 (अगर महीना 31 दिन का हो)
अब चूंकि 31 तारीख मंगलवार है तो 29 तारीख रविवार होगा।

प्रश्न 17. निम्न में से भिन्न अक्षर-समूह को चुनिए।
(अ) BEAR (ब) CEAR
(स) TEAR (द) WEAR
उत्तर - (ब) CEAR
व्याख्या - 'CEAR' अक्षर समूह को छोड़कर अन्य सभी अक्षर समूह से सार्थक शब्द बनते हैं।

प्रश्न 18. यदि किसी सांकेतिक भाषा में '987' का अर्थ 'love is life' तथा '876' का अर्थ 'wife is life' हो, तो 'love' के लिए कौन सा अंक प्रयुक्त किया गया है?
(अ) 6 (ब) 7
(स) 8 (द) 9
उत्तर - (द) 9
व्याख्या - 9 [8] [7] ⟶ love [is] [life]
[8] [7] 6 ⟶ wife [is] [life]
उपरोक्त से स्पष्ट है 8/7 ⟶ is /life
अत : 9 ⟹ love

प्रश्न 19. निम्नलिखित शब्दों का तर्कसंगत क्रम नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा होगा?
1. दूध 2. घास
3. लस्सी 4. गाय
5. दही
(अ) 3, 2, 4, 1, 5 (ब) 2, 4, 1, 5, 3
(स) 4, 1, 5, 3, 2 (द) 3, 5, 2, 1, 4
उत्तर - (ब) 2, 4, 1, 5, 3
व्याख्या - घास को गाय खाती है। गाय दूध देती है। दूध से दही बनता है। दही से लस्सी बनती है।

प्रश्न 20. P, Q, R, S और T में से प्रत्येक के प्राप्तांक अलग-अलग हैं। Q के प्राप्तांक केवल T से अधिक हैं तथा P के प्राप्तांक S से अधिक, परन्तु R से कम है। सबसे अधिक प्राप्तांक किसके हैं।
(अ) P (ब) S
(स) R (द) T
उत्तर - (स) R
व्याख्या - प्रश्नानुसार Q > T
R > P > S
R > P > S > Q > T
अत: सबसे अधिक प्राप्तांक R के हैं।

प्रश्न 21. कॉलेज पार्टी में पाँच लड़कियाँ एक पंक्ति में बैठी हैं। P, M के बाईं ओर तथा O के दाईं ओर बैठी है। R, N के दाईं ओर, परन्तु O के बाईं ओर बैठी है। बीच में कौन बैठी है?
(अ) O (ब) R
(स) P (द) M
उत्तर - (अ) O
व्याख्या - प्रश्नानुसार, लड़कियों के बैठने का क्रम निम्नवत् है

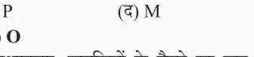

प्रश्न 22. यदि दक्षिण-पश्चिम, उत्तर हो जाता है, तो उत्तर पूर्व क्या हो जाएगा?
(अ) उत्तर (ब) दक्षिण
(स) पूर्व (द) पश्चिम
उत्तर - (ब) दक्षिण
व्याख्या -

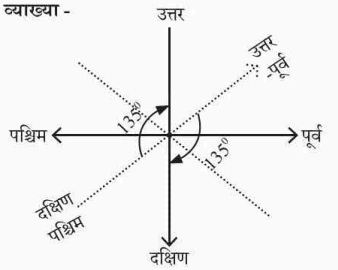

प्रश्न 23. महेश 10 किमी. उत्तर की ओर जाता है, वहां से वह फिर 6 किमी. दक्षिण की ओर जाता है, फिर वह 3 किमी. पूर्व की ओर जाता है। बताएं कि वह अपने प्रारंभिक स्थान से किस दिशा में और कितनी दूरी पर है?
(अ) 5 किमी., उत्तर-पूर्व
(ब) 5 किमी., दक्षिण-पूर्व
(स) 8 किमी. उत्तर-पूर्व
(द) 9 किमी. दक्षिण-पूर्व
उत्तर - (अ) 5 किमी., उत्तर-पूर्व

प्रश्न 24. एक रेलगाड़ी 3 मिनट विलम्ब से चल रही है और आगे वह प्रत्येक मिनट 3 सेकेण्ड विलम्ब होती जा रही है। बताएं कि यह ट्रेन कितनी मिनटों के बाद पूरा एक घण्टा विलम्ब हो जाएगी?
(अ) 1140 मिनट (ब) 1150 मिनट
(स) 1160 मिनट (द) 1800 मिनट
उत्तर - (अ) 1140 मिनट
व्याख्या - 1 घण्टा = 60 मिनट
60-3 = 57 मिनट = 57×60 = 3420 सेकेंड
∵ 3 सेकेण्ड विलम्ब होती है = 1 मिनट में
∴ 3420 सेकेण्ड विलम्ब होती है
$= \frac{3420}{3} = 1140$ मिनट में

प्रश्न 25. तीन घण्टियां क्रमश: 9, 12 तथा 15 मिनट के अंतराल से बजती हैं। 8 बजे पूर्वाह्न साथ-साथ बजने के पश्चात् वे तीनों इकट्ठी सबसे पहले कब बजेंगी?
(अ) 8 : 45 पूर्वाह्न (ब) 10 : 30 पूर्वाह्न
(स) 11 : 00 पूर्वाह्न (द) 1 : 00 अपराह्न
उत्तर - (स) 11 : 00 पूर्वाह्न
व्याख्या - तीनों घण्टियों के पहली बार एक-साथ बजने का समय - 8 बजे पूर्वाह्न
- दूसरी बार एक साथ बजने का समय
= 8 बजे पूर्वाह्न + 9, 12, 15 मिनट का ल.स.
= 8 : 00 + 180 मिनट
= 8 : 00 + 3 : 00 ⟹ 11 : 00 पूर्वाह्न

निर्देश (26-27) कथन व निष्कर्ष दिए गए हैं। आपको ये कथन सत्य मानने हैं भले ही वे सर्वज्ञात तथ्यों से भिन्न हो, फिर निम्नवत् उत्तर देना है।
(अ) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(ब) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(स) निष्कर्ष I और II दोनों अनुसरण करते हैं।
(द) न तो निष्कर्ष I, न ही निष्कर्ष II अनुसरण करता है।

प्रश्न 26. कथन : - कुछ पुस्तकें मैगजीन हैं।
कुछ मैगजीन पुस्तकें हैं।
निष्कर्ष : - I. कुछ पुस्तकें उपन्यास हैं।
II. कुछ उपन्यास पुस्तकें हैं।
उत्तर - (द) न तो निष्कर्ष I, न ही निष्कर्ष II अनुसरण करता है।

प्रश्न 27. कथन : - सभी लैम्प पोल हैं।
कुछ पोल पाइप हैं।
निष्कर्ष : - I. कुछ लैम्प पाइप हैं।
II. कुछ पाइप पोल हैं।
उत्तर - (ब) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है।

- सुजय जैन
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करते हैं।)

भारतीय दर्शन में पर्यावरण चिन्तन

पर्यावरण हमारी पृथ्वी पर जीवन का आधार है। यह न केवल मानव जाति अपितु समस्त जीव-जंतुओं एवं वनस्पति के उद्भव, विकास और अस्तित्व का भी आधार है। सभ्यता के विकास से आज तक मानव ने जो प्रगति और उन्नति की है, उसमें पर्यावरण की महती भूमिका है। शायद यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति का विकास मानव-पर्यावरण समानुकूलन का ही परिणाम है। यह समानुकूलन ही मानव जाति के विकास और उन्नति का आधार है। किन्तु हम अपनी उन्नति और विकास की चकाचौंध में इतने अंधे हो गए हैं कि हमने स्वयं को स्वयंभू मानकर प्रकृति से ऊपर स्थापित करने का भ्रम पाल लिया है। यही भ्रम भविष्य में मानव जाति के पतन का सबसे बड़ा कारण बनेगा। हमने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति को इतनी अधिक हानि पहुंचा दी है कि अब हमारा जीवन भी संकट में पड़ गया है। हमने विकास की प्रक्रिया में पर्यावरण चिंतन को हाशिए पर कर दिया। जिसके कारण हमारा पर्यावरण दूषित होता चला गया और अब स्थिति अत्यधिक भयावह हो गयी है।

वर्तमान समय में मानवजाति द्वारा प्रकृति के प्रति किये गये अपने कुकर्मों पर पर्दा डालने के लिये अनेक मिथ्यावादी प्रयास किये जाने के नाटक किये जा रहे हैं। यह स्थिति स्वयं के प्रति क्रूरता किये जाने जैसी है। पर्यावरण संरक्षण के लिये गंभीर और प्रासंगिक चिंतन की आवश्यकता है जो कि नहीं किए जा रहे हैं।

जहां तक भारतवर्ष का सवाल है, पर्यावरण संरक्षण प्राचीनकाल से ही भारतीय दर्शन और जीवनशैली का अभिन्न अंग रहा है। प्रकृति के माध्यम से जीवन की मंगल कामना करना भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक चिंतन की विशेषता रही है। भारत की प्राचीन परम्परा में ऋषि-मुनियों ने शुद्ध एवं समृद्ध पर्यावरण को ही मानव जीवन के विकास के लिये अनिवार्य नहीं बताया बल्कि प्रकृति की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी शक्तियों को पूज्य और स्वयं को उसके उपासक के रूप में समर्पित करने की बात कही है।

भारत हमेशा से एक आध्यात्मिक राष्ट्र रहा है। हमारे ऋषि-मुनियों और आचार्यों ने अध्यात्म में प्रकृति और प्रकृति में अध्यात्म का साक्षात्कार किया है। उन्होंने मानव समुदाय को बताया है कि प्रकृति मानव से अलग नहीं है। मानव का प्रकृति से उतना ही गहरा संबंध है, जितना शरीर का प्राण और प्राण का शरीर से। जिस प्रकार शरीर के बिना प्राणों की अभिव्यक्ति नहीं हो सकती और प्राणों के बिना शरीर का अस्तित्व नहीं हो सकता है, उसी प्रकार मानव और प्रकृति का अन्योन्याश्रय और अविभाज्य संबंध है।

भारतीय दर्शन के अनुसार प्रकृति के पंचतत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु भौतिक और जैविक पर्यावरण का निर्माण करते हैं। भारतीय दार्शनिक साहित्य में इन पंचतत्वों को ही दैवीय शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। पर्यावरण के जनक इन पंचतत्वों से ही प्राणियों की ज्ञानेन्द्रियां प्रभावित और चेतन होती हैं। इस प्रकार ये पंचतत्व ही भौतिक, जैविक, आध्यात्मिक और सांस्कारिक पर्यावरण का निर्माण करते हैं। अत: यह आवश्यक है कि हम अपने इस पर्यावरण को दूषित न करें। भारत की दार्शनिक और आध्यात्मिक परम्परा का यह एक ऐसा संदेश है जो मानव जाति के सुखमय जीवन की कामना पर आधारित है, किन्तु हम अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर निरन्तर इस सत्य की अवहेलना करते जा रहे हैं, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। यह पृथ्वी पर जीवन के लिये अत्यंत हानिकर है।

भारतीय दर्शन में धर्म एवं पर्यावरण का परस्पर बहुत गहरा संबंध है। धर्म से संबंधित सभी कार्य प्राय: पर्यावरण को शुद्ध करने में सहायक होते हैं। जैसे कि हिन्दु धर्म में धार्मिक यज्ञ द्वारा पर्यावरण को शुद्ध किया जाता है। संसार के सभी प्रमुख धर्म जीव हत्या का विरोध करते हैं जिसमें परोक्ष रूप से जैव विविधता संरक्षण का प्रयोजन निहित है। विभिन्न धर्मों के आदर्शों में प्रकृति के विभिन्न उपादनों तथा आयामों को पुष्पित तथा पल्लवित किये जाने प्रयोजन किया गया है।

प्राचीन भारतीय धर्मशास्त्रों, वेदों, उपनिषद्, पुराण, ब्राह्मण ग्रंथ आदि में अग्नि, जल, वायु आदि को देवता मानकर इनकी पूजा का विधान किया गया है। धार्मिक ग्रंथों में वृक्षों, पहाड़ों, नदियों आदि की पूजा करने के भी उपबंध किये गये हैं। धार्मिक ग्रंथों में निहित ये धार्मिक प्रावधान वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के ही पर्याय हैं। प्राचीन काल में हमारे ऋषि मुनि पर्यावरण संरक्षण के विषय और प्रकृति की शुद्धता के बारे में भलीभांति जानते थे किन्तु जन साधारण इस विषय से अनभिज्ञ थे इसलिये ऋषि मुनियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के आयाम को धर्म के साथ जोड़ा गया। उदाहरण के रूप में अगर हम देखें तो पीपल के वृक्ष को धार्मिक ग्रंथों में अत्यंत पवित्र माना गया है और कहा गया है कि उसमें देवताओं का वास होता है। इसलिये हमारी संस्कृति में आज भी पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने की परम्परा है। किन्तु इस धार्मिक उपबंध से हमारे ऋषि मुनि पीपल के पेड़ को संरक्षित करने के उद्देश्य को मूर्तरूप देना चाहते थे क्योंकि वैज्ञानिक रूप से पीपल का पेड़ सर्वाधिक ऑक्सीजन का उत्सर्जन एवं कार्बन-डाई-ऑक्साइड का अवशोषण करता है। अर्थात् पर्यावरण को शुद्ध रखता है। इसी प्रकार नदियों और झीलों को शुद्ध और प्रदूषण मुक्त रखने के लिये उनकी पूजा करने का उपबंध धार्मिक ग्रंथों में किया गया है। इसी तरह वनों और वृक्षों की पूजा का प्रावधान भी पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ही हमारी धार्मिक आस्थाओं में किया गया है।

आधुनिक विज्ञान भी प्रकृति के उन रहस्यों तक बहुत बाद में पहुंच सका है जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही अनुभूत कर लिया था। इतना ही नहीं हमारे धार्मिक ग्रंथों में प्राकृतिक तत्वों से अनावश्यक और अमर्यादित व्यवहार एवं छेड़-छाड़ करने के दुष्परिणामों की ओर भी संकेत किया गया है तथा मानव को सीख दी गयी है कि पर्यावरण संतुलन को नष्ट करने के दुष्परिणाम समस्त सृष्टि के लिये हानिकारक होंगे।

भारतीय दर्शन की वैदिक संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण की अनेक धारणाएं हैं, जो हमें पशु-पक्षियों के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक धरोहर के रूप में रक्षित करने का संदेश देती है। वैदिक धारणाओं को धर्म से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण का पवित्र प्रयोजन हमारे धार्मिक साहित्य में किया गया है। इसके पीछे वैज्ञानिक अभिप्राय यह है कि हमारा पर्यावरण संरक्षित रहे और प्राणियों का जीवन सर्वदा सुखमय रहे। इसलिये वैदिक काल में मनुष्य ने न तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया और न ही उस पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश की बल्कि अपनी जीवन शैली में पर्यावरण को पूज्यनीय स्थान देकर प्रकृति मानव संबंधों का समुचित निर्धारण भी किया है।

हिन्दू दर्शन में ऐसी मान्यता है कि कल्पवृक्ष सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने में समर्थ है। अग्नि, जल, पृथ्वी तथा वायु को अर्घ्य देने से तथा यज्ञ करने से देवता प्रसन्न होते हैं, जिससे प्रकृति पुष्पित तथा पल्लवित होकर मनुष्यों को अन्न देकर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। ये सभी धार्मिक उपबंध प्रकृति के संरक्षण तथा संवर्द्धन के ही परिचायक हैं।

भारतीय चिंतन में पर्यावरण की कल्पना किसी भौतिक निर्जीव तत्व के रूप में नहीं की गयी है, बल्कि इसे एक जैविक संसार के रूप में स्वीकार किया गया है। भारतीय दर्शन में प्रकृति की बृह्द समष्टि को समझने का निरन्तर प्रयास किया गया है। हमारे दार्शनिक चिंतन में मानव और पर्यावरण के मध्य आपसी आदान-प्रदान और सामंजस्य को विशेष महत्व दिया जाकर इसे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्देशक सिद्धांत के रूप में स्वीकार किया गया है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में पृथ्वी को मातृदेवी तथा आकाश को पिता के रूप में पूज्य माना गया है। भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परम्परा में पर्यावरण संरक्षण की एक पवित्र परम्परा है जिसमें वनस्पतियों और जीवों को भी पूजनीय स्थान दिया गया है। भारतीय दर्शन का यह चिंतन नि:संदेह प्रकृति उन्मुख रहा है।

भारत की वैदिक परम्परा में हजारों वर्ष पूर्व पर्यावरण संरक्षण के व्यवहारिक और समुचित उपबंध किये गये हैं, जो आज भी यथारूप प्रासंगिक हैं।

भारतीय धर्म ग्रंथों विशेषत: उपनिषदों में पृथ्वी को परमात्मा का शरीर, स्वर्ग को मस्तिष्क, सूर्य-चन्द्रमा को आंखें तथा आकाश को मन माना गया है। उपनिषदों के अनुसार यदि पृथ्वी परमेश्वर का शरीर है तो वृक्ष काटना एवं जलस्रोतों को प्रदूषित करना परमेश्वर को कष्ट पहुंचाने के समान है। परन्तु वर्तमान समय में मनुष्य द्वारा जिस तरह से वनों को काटा जा रहा है, जल को प्रदूषित किया जा रहा है, वायुमण्डल को प्रदूषित किया जा रहा है, उससे यह तो तय है कि मनुष्य अपने ही अस्तित्व को संकट में डाल रहा है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हमारी धार्मिक परम्पराओं में प्रकृति के समस्त उपादानों को संरक्षित तथा सुरक्षित रखने का उपदेश दिया गया है। धर्म प्रकृति के दोहन का विरोध करता है क्योंकि प्रकृति के दोहन से पर्यावरण प्रदूषित होता है जिससे मानवता का विनाश होता है।

अथर्ववेद में कहा गया है कि 'घने वन, शुद्ध एवं समृद्ध पर्यावरण की पहचान हैं। इसलिये जिस भूमि में वृक्ष एवं वनस्पतियां सदा खड़ी रहती हैं, वह भूमि समस्त जनों के भरण-पोषण में समर्थ होती है। घने जंगल जहां एक ओर जीवों के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। वहीं वन्य जीव भी वनों को बनाए रखने में सहायता प्रदान करते हैं।'

अथर्ववेद में 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:' कहकर हम सबको पृथ्वी का पुत्र माना गया है। अर्थात् अथर्ववेद कहता है कि पृथ्वी हमारे लिये माता के समान पूजनीय है। जिस प्रकार माता शिशु को जन्म देने और पोषण करने के कारण संपूर्ण विश्व में पूजा की पात्र है, उसी प्रकार पृथ्वी भी रत्नगर्भा है, वह अन्न उपजाती है, उसकी कोख से ही हम अपनी आवश्यकता की समस्त वस्तुएं प्राप्त करते हैं। हम पृथ्वी के जलस्रोतों, खनिजों और खाद्यानों का दोहन करते हैं और वह उन्हें पुन: पूर्ण कर देती है। भू-गर्भ वैज्ञानिक इसे पृथ्वी की अद्भुत शक्ति मानते हैं। इसी कारण अथर्ववेद में प्रार्थना की गई है कि 'हे पृथ्वी मेरे द्वारा जो पदार्थ तुम्हारे गर्भ से निकाले जा रहे हैं, वह शीघ्र पूर्ण हो जाएं। किन्तु, यह संदेश भी है कि अप्ररूढ़ होने वाले पदार्थों को मनुष्य पृथ्वी के गर्भ से न निकाले।'

ऋग्वेद में भी कहा गया है, निर्जन वन में पर्वतों और कन्दराओं में वनस्पतियाँ स्वयं प्रादुर्भूत होती हैं, किन्तु गांव एवं नगर में उन्हें रोपित करना पड़ता है। ऋग्वेद की यह ऋचाएं अनुकरणीय हैं। यजुर्वेद में भी वनस्पतियों के विनाश को पूर्ण प्रतिबंधित किया गया है तथा उन्हें पूज्यनीय बताया गया है। श्रीमद् भगवत् गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं को सभी वृक्षों में पीपल का वृक्ष कहा है। इससे वैज्ञानिक रूप में भी वृक्षों की उपादेयता सिद्ध होती है।

भारतीय दर्शन में वनस्पतियों को भी प्राणियों के समान चेतन और संवेदनशील माना गया है। मनुस्मृति वृक्ष को काटने वाले के लिये दण्ड विधान करती है क्योंकि भारतीय परम्परा अनादिकाल से वृक्षों को प्राणवान मानती रही है। मनुस्मृति के लगभग ढाई हजार साल बाद महान भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चन्द्र बोस ने इस मत को पूर्णत: वैज्ञानिक रूप से सिद्ध किया तथा इसे प्रमाणित भी किया। इस प्रकार भारतीय दर्शन में वृक्ष को प्राणवान और विचारवान मानकर पुत्रतुल्य स्थान दिया गया है। हमारी पौराणिक परम्परा भी वृक्ष को पुत्र से अधिक महत्व देती है। मत्स्यपुराण में कहा गया है कि 'एक बावड़ी दस कुओं के बराबर, एक तालाब दस बावड़ी के बराबर, एक पुत्र दस तालाबों के बराबर और एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है।' इस प्रकार हमारी पौराणिक परम्परा में प्रकृति के संरक्षण और उसके महत्व की कितनी उच्चस्तरीय कल्पना की गयी है। नि:संदेह वह आज के युग में प्रासंगिक और अनुकरणीय है।

भारत की संस्कृति और दर्शन के विभिन्न आयाम पर्यावरण संरक्षण के अनुक्रम में विशेष योगदान प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति में मनुष्य सत्य, सहिष्णुता, उदारता और अहिंसा को प्राप्त करने के लिये सदैव ही प्रयत्नशील रहा है। जिस मनुष्य में सहिष्णुता, अहिंसा और करुणा होगी वह कभी भी जीवों एवं प्रकृति को हानि नहीं पहुंचायेगा। वास्तव में प्रकृति के विभिन्न रूप वृक्ष-पौधे, प्राकृतिक संसाधन असहाय हैं तथा मानव इनका रक्षक है। परन्तु आज मनुष्य अपनी नैतिकता से हटकर इनको नष्ट कर रहा है। प्रकृति को नष्ट करना अपरोक्ष रूप से नैतिकता में गिरावट तो है ही, साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का आमंत्रण भी है।

मानव सदैव से प्रकृति पर अपना अधिकार और उसे भोग्या समझकर उसका अत्यधिक और बेतरतीब उपयोग करता रहा है। वर्तमान वैश्वीकरण और औद्योगिकीकरण के युग में मानव द्वारा प्रकृति का दुरुपयोग अत्यधिक बढ़ गया है। मानव कदाचित् इस बात को भूल गया है कि प्राकृतिक संपदाओं का भण्डार असीमित नहीं है और प्रकृति को हानि पहुंचाकर वह स्वयं के अस्तित्व को ही संकट में डाल रहा है। वर्तमान समय में मनुष्य को एक मिथ्या भ्रम हो गया है कि उसने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है और यह सोचकर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है। मनुष्य का यह मिथ्या विचार भौतिकवादी तथा पाश्चात्य संस्कृति से ओत-प्रोत है। वास्तविकता यह है कि मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त नहीं की है, बल्कि प्रकृति को विनाशकारी ताण्डव करने के लिये मजबूर कर दिया है।

सर्वेभवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्
दु:खभाग्भवेत॥

भारतीय सांस्कृतिक परम्परा की यह आधारभूत सूक्ति हमारी सहिष्णुता, मानवता और स्वभाव को प्रदर्शित करती है। भारतवर्ष का धार्मिक और आध्यात्मिक विकास प्रकृति प्रेम से ओत-प्रोत है। भारतीय धार्मिक परम्पराओं में प्रकृति पूजनीय है, किन्तु भौतिकतावाद और आधुनिकीकरण के दुष्प्रभावों के कारण मानवजाति प्रकृति से संबंधित इन मूल भावों का त्याग कर रही है जो कि अत्यंत आत्मघाती है। यदि आज हम प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय में गंभीरता से विचार कर अपनी समृद्ध संस्कृति तथा सत्य पर स्वयं को ढालने का सफल प्रयास करते हैं तो अवश्य ही हमारा पर्यावरण सुरक्षित रह सकेगा। वर्तमान समय में अपने पर्यावरण को शुद्ध बनाये रखने के लिये हमें बहुत अधिक सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें सामूहिक रूप से अपनी दार्शनिक और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण के सार्थक प्रयास करने ही पड़ेंगे तभी हमारी वर्तमान पीढ़ी और भावी पीढ़ियां स्वस्थ्य और सुसंस्कृत रह सकेंगी और यही संदेश हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परम्पराएं देती हैं।

भारतीय दर्शन में पर्यावरण संरक्षण का एक-एक सुव्यवस्थित और प्रासंगिक चिंतन देखने को मिलता है। हमारी दार्शनिक और धार्मिक परम्परा में पर्यावरण संरक्षण और मानव-पर्यावरण संबंधों पर विषद् उपबंध किये गये हैं। भारतीय दर्शन में न केवल पर्यावरण प्रदूषण से मानव जीवन एवं सृष्टि पर पड़ने वाले विनाशकारी परिणामों की ओर संकेत किया गया है अपितु पर्यावरण की रक्षा, उसके संरक्षण और संवर्धन का भी आदेश दिया गया है। हमारे दर्शन में निहित यह पर्यावरणीय चिंतन, लोककल्याण की भावना के अनुरूप है तथा वर्तमान युग में असंतुलित हो रही पर्यावरणीय दशाओं के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक और अनुकरणीय भी है।

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक, संयुक्त कलेक्टर एवं दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोकप्रशासन पुस्तक के लेखक हैं।)

प्रधानमंत्री जन-मन में विशेष जनजाति क्षेत्रों में 194 नवीन आंगनवाडी केन्द्र खुलेंगे

भोपाल, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) कार्यक्रम के अंतर्गत 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्र (पीवीजीटी) क्षेत्र में केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 194 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति दी है। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि हम प्रदेश की महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश को आंगनवाड़ियों की सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आंगनवाड़ियों का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा, ताकि बच्चों को इसका लाभ मिल सके। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया ने इसके लिये केन्द्र सरकार का आभार माना है। नवीन आंगनवाड़ी केन्द्र खुलने से विशेष जनजाति क्षेत्रों के बच्चों को आंगनवाड़ी के माध्यम से उचित पालन-पोषण में सहायता मिलेगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

देश की 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मिली धुएं से मुक्ति

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को एल.पी.जी. के रूप में स्वच्छ ईंधन प्रदान किया है। इस योजना ने महिलाओं को धुएं और आंखों में जलन से मुक्ति दिलाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं का स्वस्थ जीवन, बेहतर भविष्य सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए इस अनूठी योजना को मई 2016 में शुरू किया था। योजना में लगभग 10 करोड़ से अधिक उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रदान किये गये हैं। ग्रामीण, गरीब और वंचित परिवारों को सस्ती दर पर गैस कनेक्शन प्रदान किये जा रहे हैं। योजना में खाना पकाने में महिलाओं द्वारा किये जाने वाले अनावश्यक श्रम का बचाव होने के साथ पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने में सहयोग मिला है। इस एक मात्र योजना से महिलाओं को धुएं से होने वाली गंभीर बीमारियों को रोकने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के 10.3 करोड़ से भी अधिक लाभार्थियों के लिए मंत्रिमंडल ने 1650 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2025-26 तक तीन साल के लिए 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शनों तक दायरा बढ़ाया है। उज्ज्वला योजना 2.0 के तहत अब तक 22,371,674 से अधिक महिलाओं को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में उज्ज्वला योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 1 मई, 2016 को उत्तरप्रदेश के बलिया से शुरू की गई उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश सक्रिय और अग्रणी है। इस योजना में 82 लाख से अधिक महिलाओं को गैस सिलेण्डर दिए गए हैं। इससे महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है। पहले महिलाओं का चूल्हे पर भोजन बनाने और ईंधन की व्यवस्था करने में काफी समय व्यतीत हो जाता था। एलपीजी गैस सुविधा प्राप्त होने से महिलाओं के समय की बचत होती है। इस समय का उपयोग वे रोज़गार से जुड़े कार्यों में कर रही हैं।

कब से शुरू हुई यह योजना

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरूआत मई 2016 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) द्वारा की गई है।

योजना का उद्देश्य

ऐसे ग्रामीण और वंचित परिवारों को जो खाना बनाने के ईंधन के रूप में जलावन लकड़ी कोयला, गोबर के उपले आदि का उपयोग कर रहे थे, उन्हें स्वच्छ एलपीजी को खाना पकाने के ईंधन के रूप में उपलब्ध कराना है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) द्वारा शुरू की गयी इस योजना का उद्देश्य देशभर की ग्रहणियों को रसोई घर के धुएं से मुक्त करना है। पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन के उपयोग से ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर भी पड़ने वाले हानिकारक प्रभाव को रोकना है।

क्या लाभ दिया जाता है योजना में

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में भारत सरकार द्वारा 14.2 किलो वाले सिलेंडर के गैस कनेक्शन के लिए 1600 रुपये एवं 5 किलो वाले सिलेंडर के लिए 1150 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसके साथ ही सिलेंडर सुरक्षा के लिए क्रमश: 1250 रुपये व 800 रुपये, प्रेशर रेगुलेटर के लिए 150 रुपये, एलपीजी होज़ के लिए 100 रुपये, घरेलू गैस उपभोक्ता कार्ड के लिए 25 रुपये, निरीक्षण, स्थापना, प्रदर्शन शुल्क के लिए 75 रुपये प्रदान किये जाते हैं। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा लाभार्थियों को बयाज मुक्त ऋण की सुविधा प्रदान की जाती है। इस ऋण में एलपीजी सिंगल बर्नर स्टोव के लिए 565 रुपये, 2 बर्नर स्टोव के लिए 990 रुपये और कनेक्शन लगाने के समय प्राप्त पहले सिलेंडर की रिफिल की

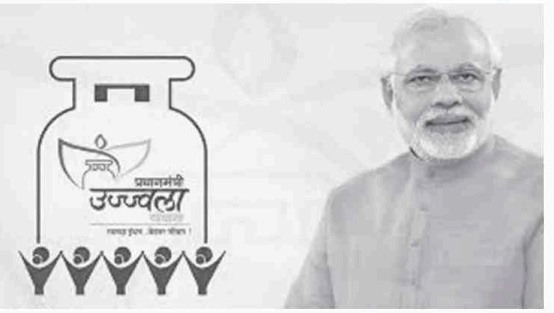

लागत भी शामिल की गई है। उज्ज्वला 2.0 के अनुसार उज्ज्वला लाभार्थियों को पहली रिफिल और स्टोव भी मुक्त प्रदान किया जायेगा।

कौन ले सकता है योजना का लाभ

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अति पिछड़ा वर्ग, अंत्योदय अन्न योजना, चाय और पूर्व चाय बागान जनजातियां, वनवासी द्वीप और नदी द्वीप समूह में रहने वाले लोग, एस ई सीसी परिवारों (ए एच एल टिन) या 14 सूत्रीय घोषणा के अनुसार किसी भी गरीब परिवार के तहत सूचीबद्ध परिवार की वयस्क महिला योजना का लाभ लेने के लिए पात्र है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज

उज्ज्वला कनेक्शन के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है। आवेदक पहचान प्रमाण-पत्र के रूप में आवेदक का आधार कार्ड, जिस राज्य से आवेदन किया जा रहा है, उस राज्य द्वारा जारी राशन कार्ड, परिवार की संरचना को प्रमाणित करने वाले राज्य सरकार के अन्य दस्तावेज, दस्तावेज में दिखाई देने वाले लाभार्थी और परिवार के वयस्क सदस्यों का आधार, बैंक खाता संख्या और आईएफएससी कोड आवश्यक है।

पारंपरिक ईंधन के खतरे

पहले भारत में गरीब समुदाय, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लोग, अपने स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जाने बिना लकड़ी, कोयला और गोबर के उपलों जैसे पारंपरिक ईंधन का उपयोग करते थे। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। निमोनिया, फेफड़ों के कैंसर, इस्केमिक हृदय और क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोगों जैसी बीमारियों के कारण मृत्यु दर का जोखिम रहता है। खाना पकाने के लिए गैर-नवीकरणीय लकड़ी के ईंधन से सीओ 2 उत्सर्जन होता है और आवासीय ठोस ईंधन जलाने से 58 प्रतिशत ब्लैक कार्बन का उत्सर्जन होता है। ठोस बायोमास के अधूरे जलावन के कारण घरेलू वायु प्रदूषण (एचएपी) बढ़ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में लगभग 2.4 अरब लोग (जो वैश्विक आबादी का लगभग एक तिहाई है), खुली आग या मिट्टी के तेल, बायोमास (जैसे लकड़ी, गोबर और फसल के अपशिष्ट) से चलने वाले अकुशल चूल्हे पर और कोयले से खाना पकाने पर निर्भर हैं। इससे हानिकारक घरेलू वायु प्रदूषण होता है, जिससे 2020 में सालाना अनुमानित 3.2 मिलियन मौतें हुई हैं, जिसमें 237,000 से अधिक मौतें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होती हैं। महिलाओं और बच्चों की मुश्किलों को दूर करने के लिए, एक स्थायी और प्रदूषण मुक्त भविष्य निर्माण के लिए घरेलू वायु प्रदूषण के मुद्दे पर ध्यान देने की आवश्यकता थी।

योजना का महत्व

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गरीब परिवार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में भोजन पकाने के पारंपरिक ईंधन से होने वाली तकलीफ को महसूस किया। निर्धन परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर होने वाले विपरीत प्रभाव को रोकने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की। इससे देश के दूर दराज तक के क्षेत्रों में एलपीजी स्वच्छ ईंधन पहुंचाया जा रहा है। इससे जहां लाभान्वित परिवारों की महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है उनकी आंखों, फेफड़ों और श्वसन से जुड़े रोगों से बचाव संभव हुआ है। वहीं दूसरी और पारंपरिक ईंधन से पर्यावरण को होने वाले प्रदूषण को भी रोका जा रहा है। इस योजना के व्यापक परिणामों को समझे तो जो पहले महिलाएं सुबह से पारंपरिक ईंधन को जुटाने में लगी रहती थीं अब उनका वह समय बच रहा है। यह देश की आधी आबादी के सशक्तिकरण का आधार भी है। इस समय का उपयोग वह आर्थिक उपार्जन के लिये कर रही हैं। इससे महिलाओं के एक बड़े वर्ग को रोज़गार के लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे ग्रामीण, गरीब वंचितों की आधी आबादी सशक्त होगी, आर्थिक रूप से सबल होगी और आत्मनिर्भर होगी। देश की जनसंख्या का एक बड़ा प्रतिशत आत्मनिर्भर होने के साथ देश की आत्मनिर्भरता का बड़ा भाग निर्मित करेगा। जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने और अग्रणि बनाने में सहभागी रहेगा।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

रक्षा में आत्मनिर्भरता

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहा एक नए भारत का उदय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नया भारत आकार ले रहा है। विश्व अब नया भारत देख रहा है। एक ऐसा भारत जो पुरानी बाधाओं को दूर कर सफलता के नए आयाम लिख रहा है। आज का भारत अवसरों को अपने हाथों में लेकर नई इबारत लिख रहा है। भारत आज एक मजबूत, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समावेशी राष्ट्र के रूप में अपनी अलग वैश्विक पहचान रखता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति के लिए बड़े कदम उठाए हैं। भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में उनके प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत आज अपने सशस्त्र बलों को नवीनतम तकनीक और उपकरणों से लैस कर रहा है, जिससे सीमाएं और युद्ध क्षमता मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री के प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है।

रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ पार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य के साथ रक्षा उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया है, जिससे देश अपनी रक्षा आवश्यकताओं को स्वयं ही पूरा कर सके। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने अपने स्वायत्तता के प्रति आत्मविश्वास को बढ़ाया है। विश्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण कर भारतीय रक्षा उद्योग ने वैश्विक पहचान बनाई है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से देश अब अपने हाथों से अपना भविष्य लिख रहा है और मजबूत, सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत का सपना पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणास्रोत नेतृत्व में सरकार ने रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र की चुनौतियों को कम करने के लिए अभूतपूर्व काम किया है। इस प्रयास के फलस्वरूप वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर दिखाया। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 95,000 करोड़ रुपये था। सरकार ने अनेक नीतिगत परिवर्तन किए हैं, जो एमएसएमई और स्टार्टअप्स के एकीकरण, व्यवसाय में सुगमता और उनके समर्थन में सहायक हैं। इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप अनेक उद्योग रक्षा डिजाइन, विकास और उत्पादन में आगे बढ़ रहे हैं।

रक्षा निर्यात में नई क्रांति की शुरुआत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर होते हुए एक नई क्रांति की ओर कदम बढ़ाया है। उनकी नीतिगत पहलों, बड़े निर्णयों और विश्वास से भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में करीब 16,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो एक रिकॉर्ड है। यह देश की रक्षा उद्योग की महत्वपूर्ण ऊर्जा और क्षमता को प्रकट करता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3,000 करोड़ रुपये अधिक है। भारत अब 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। यह देश के उद्यमियों की काबिलियत और उनके उत्पादों की गुणवत्ता का सबूत है। विशेष रूप से भारतीय रक्षा उद्योग ने वर्तमान में रक्षा उत्पादों का निर्यात करने वाली 100 कंपनियों के साथ डिजाइन और विकास की अपनी क्षमता को दुनिया में साबित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अभियान ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ नए रोज़गार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रक्षा उत्पादन के बढ़ते निर्यात का अर्थ यह है कि भारत अब विश्व के रक्षा उत्पादों के बाजार में भी एक महत्वपूर्ण राष्ट्र बन चुका है। इससे न केवल आत्मनिर्भरता में वृद्धि हुई है, बल्कि देश ने अपनी रक्षा उत्पादन की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को भी विश्वस्तरीय स्तर पर पहुंचाया है।

रक्षा उद्योग के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर अग्रसर किया है। यह रक्षा उद्योग के माध्यम से भारतीय उद्यमिता को बढ़ावा देगा। उन्होंने कर्नाटक के तुमकुर में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) हेलीकॉप्टर फैक्ट्री देश को समर्पित की। यह देश की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर निर्माण सुविधा है। इस फैक्ट्री से देश में हेलीकॉप्टर निर्माण के क्षेत्र में नई ऊर्जा और ताकत आई है। यहां हर साल लगभग 30 हेलिकॉप्टरों का उत्पादन किया जाएगा। यह देश की रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैक्ट्री की क्षमता को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर प्रति वर्ष 60 से 90 हेलिकॉप्टरों का उत्पादन किया जा सकता है। यह उत्पादन सुविधा हमारे रक्षा बलों को सशक्त और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा और भी मजबूती से कर सकेंगे। इससे साबित होता है कि भारत अपनी गतिशील और तकनीकी क्षमता के साथ अब दुनिया के रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सेना में बढ़ती नारी शक्ति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना में नारी शक्ति का सम्मान और महत्व बढ़ता जा रहा है। यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। यह न केवल सेना की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि समाज में भी महिलाओं की स्थिति को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीति और निर्णयों का ही परिणाम है कि कैप्टन शिवा चौहान दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। यह एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। इसके माध्यम से समाज को एक साथ लाने का प्रयास किया जा रहा है, जहां हर व्यक्ति को उसकी क्षमताओं और कौशलों के आधार पर महत्व दिया जाता है, न कि उसके लिंग के आधार पर। भारतीय सेना में महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाया जा रहा है। महिलाओं को नई और अधिक महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल किया जा रहा है। सियाचिन बैटल स्कूल में इंडक्शन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद कैप्टन गीतिका कौल सियाचिन में तैनात होने वाली पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनीं। जबकि कैप्टन फातिमा वसीम सियाचिन ग्लेशियर पर एक ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनीं। इस सामाजिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप भारतीय सेना में महिलाओं की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। महिला अधिकारियों की यूनिट कमान शुरू हो गई है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास हो रहे हैं कि उचित मार्गदर्शन और सहयोग से इस अवसर का पूरा लाभ उठाया जा सके। नारी शक्ति के बढ़ते सम्मान और उनके सेना में बढ़ते योगदान के साथ भारतीय समाज में समानता और समरसता की भावना बढ़ी है। इससे न केवल सेना की ताकत बढ़ी है, बल्कि देश की सामाजिक संरचना में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

मध्यप्रदेश में आम आदमी की खुशहाली और विकास का रणनीतिक अंतरिम बजट 2024-25

12 फरवरी को उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पटल पर वर्ष 2024-25 के लिए लेखानुदान प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट मोदी की गारंटी पर काम और मोहन सरकार के द्वारा लिए गए संकल्पों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित रूप से वित्त मंत्री श्री देवड़ा ने मध्यप्रदेश के विकास की जरूरतों और जन अपेक्षाओं के बीच वर्ष 2024-25 के बजट अनुमानों और अंतरिम बजट के तहत प्रदेश के सीमित संसाधनों का कुशलतापूर्वक तालमेल सुनिश्चित किया है।

चार माह के लिए 1,45,229.55 करोड़ रुपये का अंतरिम बजट

गौरतलब है कि वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत लेखानुदान 4 माह यानी एक अप्रैल से 31 जुलाई, 2024 के लिये है। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु बजट में सम्मिलित कुल राशि 3,48,986.57 करोड़ रुपये है। इसमें से चार माह के लेखानुदान के लिये राशि रुपये 1,45,229.55 करोड़ रुपये है। जुलाई 2024 में लोकसभा चुनाव के बाद मोहन सरकार का वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश होगा। यदि हम प्रदेश के बजट अनुमान 2024-25 के वार्षिक वित्तीय विवरण को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में कुल राजस्व प्राप्तियां राशि रुपये 2,52,268.03 करोड़ है। इसमें राज्य कर से राजस्व प्राप्तियां रुपये 96,553.30 करोड़ है। गैर कर राजस्व प्राप्तियां रुपये 18,077.33 करोड़ है। बजट अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,51,825.13 करोड़ है। वर्ष 2023-24 में पुनरीक्षित अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,31,112.34 करोड़ है। कुल पूंजीगत प्राप्तियों का बजट अनुमान रुपये 59,718.64 करोड़ है एवं वर्ष 2024-25 में कुल पूंजीगत परिव्यय का बजट अनुमान 59,342.48 करोड़ है। वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान में राजस्व आधिक्य रुपये 442.90 करोड़ है।

अंतरिम बजट में विभिन्न विभागों के लिए बजट आवंटन

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के अंतरिम बजट 2024-25 में विभिन्न विभागों को जो बजट आवंटन हुआ है और अंतरिम बजट से किस विभाग को कितना प्रतिशत हिस्सा मिला है, वह इस प्रकार है- स्कूल शिक्षा 13003.96 करोड़ रुपये, वित्त 11970.38 करोड़ रुपये, पंचायत एवं ग्रामीण 10540 करोड़ रुपये, कृषि 9593.88 करोड़ रुपये, महिला एवं बाल विकास 9438.22 करोड़ रुपये, ऊर्जा 7963.22 करोड़ रुपये, लोक स्वास्थ्य 7694.61 करोड़ रुपये, नगरीय विकास एवं आवास 6143.90 करोड़ रुपये, जनजातीय कार्य 5028.76 करोड़ रुपये, पीडब्ल्यूडी 4098 करोड़ रुपये, इन विभागों के अलावा पीएचई 4083 करोड़ रुपये, राजस्व विभाग 3957.06 करोड़ रुपये, जल संसाधन विभाग 3074.10 करोड़ रुपये, सामाजिक न्याय विभाग 1840.79 करोड़ रुपये, सामाजिक न्याय विभाग 1840.79 करोड़ रुपये, वन विभाग 1655.10 करोड़ रुपये, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण 1529.95 करोड़ रुपये, उच्च शिक्षा 1520.46 करोड़, तकनीकी शिक्षा विभाग को 1074.87 करोड़ रुपये मिले हैं।

प्रदेश के गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हितों पर केंद्रित बजट

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के अंतरिम बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि इसके माध्यम से जहां एक ओर वित्त मंत्री ने प्रदेश के सभी वर्गों हेतु आगामी चार महीनों के लिए सराहनीय प्रावधान किए हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रदेश के विकास के लिए भी रणनीतिक प्रावधानों के साथ कदम आगे बढ़ाए हैं। वस्तुतः जिस तरह विगत एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए गए वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में आम आदमी की खुशहाली और देश के तेजी से विकास के दावों, वादों, इरादों और वित्तीय अनुशासन के आदर्श को बजट में की गई घोषणाओं में शामिल किया गया था।

वस्तुतः यह बजट सिंचाई और ऊर्जा उत्पादन को ऊंचाई देने वाला बजट है। वित्त मंत्री ने प्रदेश में सिंचाई क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा उत्पादन के लिए बजट में सराहनीय प्रावधान किए हैं। इस बजट में प्रमुख रूप से मोटे अनाज की खेती के लिए अधिक प्रोत्साहन राशि के लिए प्रावधान किया गया है। बजट अधोसंरचना विस्तार सड़क नेटवर्क मजबूत करने, एक्सप्रेस-वे के निर्माण को गति देने और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के विकास का रोडमैप है। लेखानुदान में जनजाति बहुल क्षेत्रों में आवास निर्माण, सामुदायिक केंद्र, आंगनवाड़ी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क सहित प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना व अन्य कार्यों के लिए प्रधानमंत्री जन-मन योजना अंतर्गत बजट प्रावधान सराहनीय हैं।

प्रदेश के नए बजट में 'मेक इन मध्यप्रदेश' और मध्यप्रदेश से निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं साकार करने के लिए विशेष आवंटन है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के विशेष प्रावधान भी नए बजट में हैं। नए बजट में सोशल इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रदेश की सभी फ्लैगशिप स्कीमों के लिए अधिक धन राशि आवंटित की गई है। लाड़ली बहनों के लिए बड़ी धनराशि की व्यवस्था अंतरिम बजट में की गई है। धार्मिक स्थलों महाकाल, ओंकारेश्वर, और ओरछा समेत कई स्थानों में काम कराने के लिए बजट प्रावधान बढ़ाए गए हैं। नई पीढ़ी के लिए बजट में चमकीले प्रावधान किए गए हैं। नए बजट में मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा की गई विभिन्न घोषणाओं के मद्देनजर अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा वर्ग के कल्याण से संबंधी योजनाओं, मेधावी छात्रों, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और स्वास्थ्य सुधार जैसी कई अन्य योजनाओं को भारी भरकम बजट मिला है।

केंद्रीय अंतरिम बजट से मिली अधिक धनराशि से भी मध्यप्रदेश को मिलेंगे लाभ

नए केंद्रीय अंतरिम बजट 2024-25 के तहत मध्यप्रदेश को चालू वित्त वर्ष में जो धन आवंटन हुआ है। उसका लाभ भी प्रदेश को मिलेगा। केंद्रीय अंतरिम बजट 2024-25 से मध्यप्रदेश को 6500 करोड़ रुपये केंद्रीय करों के हिस्से के रूप में अधिक मिलेंगे। इससे हमारे लेखानुदान का आकार भी बढ़ा है। अंतरिम बजट 2024 में 'विकसित भारत' के लिए राज्यों में सुधार के तहत राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न पड़ावों से जुड़े सुधार के लिए 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 75,000 करोड़ रुपये के प्रावधान का प्रस्ताव है। उससे मध्यप्रदेश को भी बड़ा लाभ होगा। उसमें अभी हमें 7850 करोड़ रुपये स्वीकृत हुआ है।

हम उम्मीद करें कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रदेश के अंतरिम बजट से जहां प्रदेश की अर्थव्यवस्था गतिशील होते हुए दिखाई दे सकेगी, वहीं इस अंतरिम बजट से विभिन्न वर्गों के चेहरे पर आर्थिक-सामाजिक विकास की मुस्कुराहट बढ़ सकेगी। साथ ही हम यह भी उम्मीद करें कि यह नया अंतरिम बजट प्रदेश के 2024-25 के पूर्ण बजट के लिए विकास के नए आयामों और राजकोषीय तथा वित्तीय मजबूती का भी नया आधार बनेगा।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, ख्यात अर्थशास्त्री हैं।)

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ने दिया अन्नदाता को संबल

किसान और किसानी भारत की आधारभूत व्यवस्था है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में गरीब, युवा, नारी और किसान वर्ग पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसमें किसान वह धुरी है जो हमें अन्न मुहैया करवाने के साथ भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग है। कृषि उपज से आर्थिक विस्तार की अनेक संभावनाएं हैं। इसे केन्द्र में रखकर केन्द्र सरकार द्वारा किसान कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ताकि किसान के कृषि कार्य में कोई बाधा न आए। वह तनाव मुक्त होकर अन्न उत्पादन से लेकर आर्थिक विस्तार के विविध आयामों से जुड़ सके। किसानों को प्रदान की जा रही विभिन्न योजनाओं में से एक है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना। इस योजना की शुरुआत 24 फरवरी 2019 में की गई।

योजना का उद्देश्य

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का उद्देश्य है छोटे, गरीब, सीमांत किसानों को सहायता प्रदान करना।

कौन ले सकता है योजना का लाभ

योजना के आरंभ में ऐसे छोटे और सीमांत किसान जिनके पास मात्र दो हेक्टेयर भूमि थी, उन्हें शामिल किया गया था। पात्र लघु एवं सीमांत परिवार में ऐसा परिवार शामिल हैं जिनमें पति, पत्नी तथा अवयस्क बच्चे जिनकी आयु 18 वर्ष से कम हो, सम्मिलित हैं। जिनके पास राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के भू-अभिलेखों में सम्मिलित रूप से दो हेक्टेयर तक की कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व हो। 31 मई 2019 के कैबिनेट निर्णय के उपरांत इस योजना का दायरा सभी भूमि धारक किसानों को शामिल करने के लिए बढ़ा दिया गया था।

क्या लाभ दिया जाता है योजना में

इस योजना के तहत किसानों को सीधे उनके खाते में 6000 रुपये प्रदान किये जाते है। यह राशि वर्षभर में तीन किश्तों के माध्यम से दी जाती है। प्रत्येक किश्त में 2000 रुपये भेजे जाते हैं।

इसी योजना की तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना चला रही है। जिसके तहत पहले किसानों को 2 किश्तों में 4000 रुपये दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर 6000 रुपये कर दिए गए हैं। इस तरह मध्यप्रदेश के किसानों को प्रति वर्ष 12000 रुपये किसान सम्मान निधि के रूप में दिये जा रहे हैं।

योजना के सुचारू संचालन के लिए विशेष पहलें

- पी.एम. किसान पोर्टल पर खोले गए किसान कार्नर पर उपलब्ध सुविधाओं में स्वत: पंजीकरण, आधार संबंधी डाटा में सुधार, लाभार्थी के आवेदन की स्थिति की जानकारी शामिल है।
- स्वत: पंजीकरण आधार संबंधी डाटा में सुधार और लाभार्थी के आवेदन की स्थिति की जानकारी की सुविधा अब निकटतम जन सेवा केन्द्र पर भी उपलब्ध है।
- पी.एफ.एम.एस. द्वारा रिजेक्ट किये गए डेटा की विसंगतियों को दूर करने का प्रयास केन्द्रीय स्तर पर डाटा एनलिटिक्स के द्वारा किया जा रहा है।
- किसानों की शिकायतों को दूर करने के लिए विभाग द्वारा 24×7 आई.वी.

आर.एस. आधारित हेल्पलाइन स्थापित की गई है। किसान बंधु 1800115526 अथवा 155261 पर डायल कर अपने आवेदन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ पहुंचाने के लिए मोबाइल एप, पी.एम. किसान पोर्टल और सामान्य केन्द्रों में वॉक इन के माध्यम से लाभार्थियों को स्व-पंजीकरण की सुविधा प्रदान की गई है। इस सुविधा से पंजीयन की प्रक्रिया सहज और सरल हो गई है। किसानों को आसानी से योजना का लाभ मिल सके इसके लिए केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 24 फरवरी 2020 को PM-KISAN मोबाइल एप लॉन्च किया गया। इसके द्वारा पारदर्शिता के साथ किसानों को लाभ पहुँचाया जा रहा है।
- तकनीक की इसी प्रक्रिया को विस्तारित किया गया। किसानों की सुविधा के लिए 21 सितम्बर 2023 को एक चैट बोट लॉन्च किया गया।
- यह चैट बोट अंग्रेजी, हिन्दी, बंगाली, ओडिया और तमिल में उपलब्ध है। जल्द ही यह देश की 22 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध होगा।
- हितग्राहियों को होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक समग्र शिकायत निवारण व्यवस्था के रूप में एक केन्द्रीय परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई द्वारा योजना से संबंधित प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के साथ हितग्राहियों के साथ समग्र समन्वय किया जाता है।
- पंजीयन प्रक्रिया के दौरान लाभार्थियों को आने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिए एक केन्द्रीकृत हेल्प डेस्क भी उपलब्ध है।

योजना का महत्व

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि द्वारा किसानों को प्रदान की जाने वाली राशि किसानों की अन्य जरूरतों को पूर्ण करती है। यह राशि किसानों के लिए फसल चक्र के पश्चात और संभावित आय प्राप्त होने से पूर्व होने वाले व्यय के लिए उपयोगी है। यह वह समय होता है जब किसान के पास न तो पैसा होता है न ही आय का कोई साधन होता है। इस स्थिति में किसान अपने अति आवश्यक खर्चों की पूर्ति के लिए साहूकारों से ऋण लेने के लिए मजबूर हो जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसनों की इस मजबूरी को दूर किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के द्वारा दी जाने वाली राशि से अब किसान को साहूकार से ऋण लेने की आवश्यकता नहीं है। वह इस योजना से प्राप्त राशि से अपने जरूरी खर्च पूर्ण कर सकता है। इस योजना ने किसानों को साहूकार के चंगुल में फंसने से मुक्त कर दिया है।

साहूकार का ऋण किसानों के लिए बड़ा मानसिक कष्ट था, जो अब समाप्त हो गया है। अब देश का किसान चिंता मुक्त होकर अपने कृषि कार्य को बेहतर ढंग से पूर्ण कर रहा है। यही इस योजना का उद्देश्य है। देश में अनाज उत्पादन और कृषि क्षेत्र के उत्पादों का व्यवसाय बड़े पैमाने पर निर्मित हो रहा है। यह हमारी बड़ी आर्थिक आधार व्यवस्था का विस्तार है। अब हम इसकी कल्पना कर सकते हैं कि किसानों के जीवन की सहजता और आवश्यक उपयोगी खर्चों के लिए प्रदान की जाने वाली सम्मान निधि के परिणाम का फलक, कितना व्यापक है। यही व्यापकता, विशाल रूप लेकर आत्मनिर्भर भारत निर्माण का आधार बनेगी जो प्रधानमंत्री जी के ज्ञान (GYAN) के सम्मान का एक स्तंभ है।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

श्रीलंकाई बल्लेबाज निशांका ने बनाया दोहरा शतक

पल्लेकल, श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निशांका ने वन-डे क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। निशांका वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बल्लेबाज बन गए हैं। निशांका ने यह उपलब्धि श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच खेली गई तीन मैचों की वन-डे सीरीज के पहले मैच के दौरान हासिल की। मैच में निशांका ने 139 गेंदों में 210 रनों की पारी खेली। इस पारी के दौरान निशांका ने 20 चौके और 8 छक्के लगाए। निशांका वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले विश्व के दसवें बल्लेबाज बन गए हैं। वन-डे क्रिकेट में पहला दोहरा शतक सचिन ने लगाया था, वहीं भारत के रोहित शर्मा ने तीन बार वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाया है।

आईसीसी अंडर-19 विश्वकप

ऑस्ट्रेलिया ने चौथी बार जीता विश्वकप

बेनोनी, आईसीसी टूर्नामेंट में एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम ने दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईसीसी अंडर-19 विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने चौथी बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 79 रन से हराया।

मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज सैम कोंसटास के जल्द आउट होने के बाद हैरी डिक्सन (42) और कप्तान ह्यू वीबगेन (48) ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 78 रन बनाये। इनके बाद हरजस सिंह (55) और ओलिवियन पीक (46) ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी 3 रन ही बना सके। इसके बाद मुशीर खान और आदर्श सिंह ने पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन मिडिल ओवर्स में भारतीय पारी लड़खड़ा गई। भारत के 6 विकेट 100 रन के अंदर आउट हो गए। पूरे टूर्नामेंट के दौरान जमकर रन बटोरने वाले मुशीर खान (22), उदय सहारन (8) और सचिन दास (9) फाइनल मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आये, जिसके कारण भारतीय टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत के लिए आदर्श सिंह टॉप स्कोरर रहे। आदर्श ने 47 रन बनाये, वहीं निचले क्रम के बल्लेबाज मुरुगन अभिषेक ने 42 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम 43.5 ओवरों में 174 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

- पिछले 9 महीनों में तीसरी बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया है।
- भारत ने सबसे ज्यादा 5 बार और ऑस्ट्रेलिया ने 4 बार जीता है यह विश्वकप।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरी बार अंडर-19 विश्वकप का फाइनल खेला गया।
- इनमें भारत दो बार और ऑस्ट्रेलिया एक बार जीता है।

सुमित नागल ने जीता चेन्नई ओपन का खिताब

चेन्नई, भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल चेन्नई ओपन के चैंपियन बन गए है। सुमित ने चेन्नई ओपन में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में इटली के लुका नारदी को 6-1, 6-4 से हराया। फाइनल मैच में सुमित के आक्रामक खेल के सामने नारदी टिक नहीं सके और सुमित ने आसानी से जीत दर्ज की। यह सुमित के टेनिस कॅरियर का पांचवां एटीपी चैलेंजर खिताब है। इस जीत के साथ सुमित ने एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में विश्व के टॉप-100 खिलाड़ियों में शुमार हो गए हैं।

वाशिंगटन फ्रीडम के मुख्य कोच बने रिकी पोंटिंग

न्यूयॉर्क, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की टीम वाशिंगटन फ्रीडम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पोंटिंग ने वाशिंगटन फ्रीडम टीम के साथ दो वर्ष का करार किया है। इस लीग का दूसरा सीजन जुलाई में खेला जाएगा, जिसमें 6 टीमें खेलती हुई नजर आयेंगी। पोंटिंग से पहले ग्रेग शेफर्ड वाशिंगटन फ्रीडम टीम के मुख्य कोच थे। रिकी पोंटिंग विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों और कप्तानों में शामिल रहे हैं।

कनिष्का वर्ल्ड डेफ ताइक्वान्डो चैंपियनशिप के लिए चयनित

भोपाल, ऑल इण्डिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ के द्वारा आयोजित ताइक्वान्डो चयन ट्रायल में कानपुर में मध्यप्रदेश मार्शल आर्ट (ताइक्वान्डो) अकादमी भोपाल की खिलाड़ी कनिष्का शर्मा ने अपने खेल कौशल और शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयन ट्रॉयल में प्रथम स्थान अर्जित कर वर्ल्ड डेफ ताइक्वान्डो चैंपियनशिप बिशकेक (किरगिस्तान) के लिए चयनित होकर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया।

कनिष्का शर्मा डेफ खिलाड़ी हैं, लेकिन सामान्य खिलाड़ियों को पछाड़ते हुये राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है।

मध्यप्रदेश मार्शल आर्ट (ताइक्वान्डो) अकादमी भोपाल की खिलाड़ी कनिष्का शर्मा बचपन से सुनने और बोलने में असमर्थ है। इसके बावजूद कनिष्का द्वारा एक डेफ खिलाड़ी होते हुये भी सामान्य खिलाड़ियों की एस.जी.एफ.आई. और राष्ट्रीय खेल में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगा प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली, विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती महासंघ को समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण पिछले वर्ष 23 अगस्त को निलंबित कर दिया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ को लिखित गारंटी देनी होगी कि ओलिंपिक खेलों के ट्रायल्स सहित अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन बिना किसी भेदभाव के किया जाएगा। इसके अलावा यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती महासंघ से अपने एथलीट आयोग के चुनाव भी फिर से करवाने को कहा है।

तेजस्विन शंकर ने बेल्जियम में जीता स्वर्ण पदक

हेस्ट ऑफ डेन बर्ग, भारत के युवा एथलीट तेजस्विन शंकर ने बेल्जियम के हेस्ट ऑफ डेन बर्ग में आयोजित इंटरनेशनल हाई जंप गाला एल्मोस 2024 प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रहे तेजस्विन ने 2.23 मीटर की जंप लगाई। प्रतियोगिता में तेजस्विन ने ग्रीस के एंटोनियोस मर्लोस (2.20) को हराया। तेजस्विन इस समय पेरिस ओलिंपिक की तैयारी कर रहे हैं।

टॉमी पॉल ने जीता डलास ओपन टेनिस टूर्नामेंट

डलास, अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी टॉमी पॉल ने डलास ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में पॉल ने अपने हमवतन खिलाड़ी मर्कोस गिरोन को रोमांचक मुकाबले में 7-6 (7-3), 5-7, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल से पहले एक भी सेट नहीं गवायां। फानइल में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर दिखी, लेकिन अंत में टॉमी पॉल ने खिताब अपने नाम किया। ये पॉल के टेनिस कॅरियर का दूसरा एटीपी टाइटल है।

कतर ने लगातार दूसरी बार जीता एएफसी एशियन कप टूर्नामेंट

लुसैल, कतर ने एएफसी एशियन कप फुटबॉल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा किया है। एशियन कप के फाइनल में कतर ने जॉर्डन को 3-1 से करारी शिकस्त दी। कतर ने लगातार दूसरी बार जीता है यह खिताब अपने नाम किया है, इससे पहले कतर वर्ष 2019 में एशियन चैंपियन बना था।

फाइनल मैच में कतर की जीत के हीरो 27 वर्षीय विंगर अकरम अफीफ रहे। अकरम अकेले ही कतर की टीम पर भारी पड़े, अकरम ने कतर के लिए 3 गोल दागकर हैट्रिक बनाई। अकरम ने मैच में पहला गोल 22वें मिनट में किया। अकरम ने पेनाल्टी को गोल में तब्दील कर कतर को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में जॉर्डन के यजान अल नेमत ने 67वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अकरम ने 73वें मिनट में शानदार गोल कर कतर को फिर आगे कर दिया। अकरम ने इंजरी टाइम (95वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। अकरम ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 8 गोल किए, उन्हें गोल्डन बूट पुरस्कार से नवाजा गया।

- अकरम अफीफ एशियन कप के फाइनल में हैट्रिक बनाने वाले पहले फुटबॉलर बने।
- कतर ने वर्ष 2019 में भी जीता था एएफसी एशियन कप टूर्नामेंट।
- कतर लगातार दो बार एशियन कप जीतने वाला पांचवां देश है।
- इससे पहले ईरान, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब और जापान भी लगातार दो बार बने हैं चैंपियन।

जापान है सबसे सफल टीम

एएफसी एशियन कप के इतिहास में जापान सबसे सफल टीम है। जापान ने चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। इसके अलावा सऊदी अरब और इरान ने तीन-तीन बार यह टूर्नामेंट जीता है।

ताइक्वान्डो चैंपियनशिप

मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते 5 पदक

जयपुर, दूसरी इण्डिया ताइक्वान्डो जूनियर एवं कैडेट राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में किया गया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश ताइक्वान्डो अकादमी के खिलाड़ियों ने खेल कौशल और शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन कर 03 स्वर्ण, 01 रजत और 01 कांस्य सहित 05 पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी।

जयपुर में आयोजित दूसरी इण्डिया ताइक्वान्डो जूनियर एवं कैडेट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में ताइक्वान्डो अकादमी की खिलाड़ी मानसी कोरी ने - 42 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण, कनिष्का शर्मा ने - 67 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण और बालक वर्ग

अभिनव वर्मा ने - 64 किलोग्राम (कैडेट) में स्वर्ण पदक अर्जित किया। इसी प्रकार हरमन सिंह गिल ने -55 किलोग्राम स्पर्धा में रजत और अंशुल यादव ने -51 किलोग्राम स्पर्धा में कांस्य पदक अर्जित किया। उक्त सभी अकादमी के पदक विजेता खिलाड़ी मध्यप्रदेश ताइक्वान्डो अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक श्री जगजीत सिंह मांड और प्रशिक्षक श्री अर्जुन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत हैं।

अबू धाबी ओपन

रिबाकिना ने जीता खिताब

अबू धाबी, कजाखस्तान की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी इलिना रिबाकिना ने आबू धाबी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में रिबाकिना ने रूस की डारिया कसात्किना को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया।

फाइनल मैच में इलिना ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। मैच के पहले सेट में इलिना पूरी तरह हावी रहीं। इलिना की तेज सर्विस के सामने कसात्किना महज एक अंक ही बटोर सकी, जिससे इलिना ने सेट 6-1 से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में कसात्किना ने वापसी करने की कोशिश की, लेकिन इलिना के सामने वे ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी और 4-6 से सेट हार गईं।

अबू धाबी ओपन में महिला युगल वर्ग का खिताब अमेरिका की बेथानी माटेक सेंड्स और सोफिया केनिन की जोड़ी ने लिंडा नोस्कोवा और हीथर वॉटसन की जोड़ी को हराकर जीता।

- इलिना रिबाकिना ने पहली बार जीता है अबू धाबी ओपन।
- रिबाकिना के टेनिस कॅरियर का ये सातवां और इस सत्र का दूसरा खिताब है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का ऐलान

कैंसर का टीका बनाने के करीब रूस

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूसी वैज्ञानिक कैंसर का टीका तैयार करने के बहुत करीब हैं। सरकारी टीवी पर अपने संबोधन में पुतिन ने कहा कि जल्द ही यह टीका कैंसर पीड़ित आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि टीका किसी खास तरह के कैंसर के खिलाफ काम करेगा या सभी। दुनियाभर में कई दशकों से कैंसर का प्रभावी इलाज खोजा जा रहा है। फिलहाल, जर्मनी की कंपनी बायोएनटेक, अमेरिका की कंपनी मॉडर्ना और मर्क कैंसर वैक्सीन पर काम कर रही हैं। हालांकि, ये सभी कैंसर के किसी खास प्रकार तक ही सीमित हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति पर लगा

355 मिलियन डॉलर का जुर्माना

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क की अदालत ने धोखाधड़ी के एक मामले में सजा सुनाई है। अदालत ने आदेश में कहा कि वे 355 मिलियन अमेरिकी डॉलर (भारतीय मुद्रा में करीब 29.46 अरब रुपये) का जुर्माना चुकाएं। अदालत ने ट्रंप के साथ-साथ उनके बेटों को भी सजा सुनाई है और उन पर भी जुर्माना लगाया है। सिविल धोखाधड़ी मामले में अदालत ने ट्रंप के खिलाफ 90 पन्नों का फैसला सुनाया है। फैसले के अनुसार, अदालत ने ट्रंप को न्यूयॉर्क में स्थित कंपनी में निदेशक के रूप में काम करने पर रोक लगाई है। अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप को चार-चार मिलियन अमेरिकी डॉलर का अर्थदंड सुनाया है। साथ ही ट्रंप के दोनों बेटे भी दो साल तक न्यूयॉर्क वाली कंपनी में निदेशक के रूप में काम नहीं कर सकते हैं। बता दें, ट्रंप और उनके बेटों को अपनी संपत्ति में भारी वृद्धि का उत्तरदायी पाया गया था। ट्रंप का आरोप है कि मेरे साथ धोखाधड़ी हो रही है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने न्यायाधीश से अनुरोध किया था कि वह डोनाल्ड ट्रंप को 370 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने के लिए कहें।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को उपचुनाव में मिली दो सीटों पर हार

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लोकसभा चुनाव से पहले हुए उपचुनाव में दो सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। दरअसल, विपक्षी लेबर पार्टी ने इंग्लैंड में उपचुनाव जीतने के लिए मजबूत कंजर्वेटिव बहुमत को पलट दिया। लेबर पार्टी के डैन एगन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के किंग्सवुड की हाउस ऑफ कॉमन्स से जीत दर्ज की। यह परिणाम ब्रिटिश भारतीय नेता के लिए दोहरी परेशानी पैदा करने वाले हैं क्योंकि दिसंबर 2019 में बोरिस जॉनसन के नेतृत्व में पिछले आम चुनाव में कंजर्वेटिवों ने निर्णायक अंतर से दोनों सीटें जीती थीं। यही नहीं पुनर्गठित आव्रजन विरोधी ब्रेक्सिट पार्टी, लिबरल डेमोक्रेट और ग्रीन पार्टी से आगे तीसरे स्थान पर रही, जिससे प्रवासन जैसे मुद्दों पर कंजर्वेटिवों पर और दबाव बढ़ गया है। चुनावों के परिणाम 2019 के आम चुनाव के बाद टोरी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए नौवीं और 10वीं उपचुनाव हार है।

प्रधानमंत्री मोदी अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में हुए शामिल

दुनिया के लिए सांप्रदायिक सौहार्द और वैश्विक एकता का प्रतीक बनेगा यूएई में स्थापित मंदिर

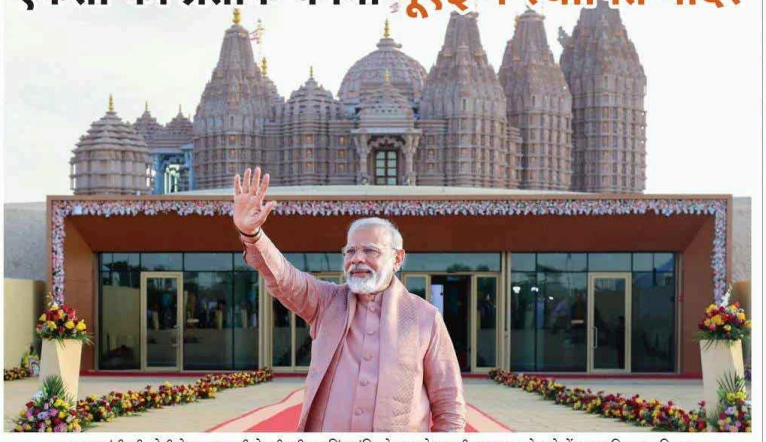

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर के सामने भारतीय समुदाय के लोगों का अभिवादन किया

यूनाइटेड अरब अमीरात की धरती ने मानवीय इतिहास का एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखा है। अबू धाबी में भव्य और दिव्य मंदिर का लोकार्पण हुआ है। इस पल के पीछे वर्षों की मेहनत लगी है। इसमें वर्षों पुराना सपना जुड़ा हुआ है और इसमें भगवान स्वामी नारायण का आशीर्वाद जुड़ा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में कहा कि पूज्य प्रमुख स्वामी जी के साथ मेरा नाता एक प्रकार से पिता पुत्र का नाता रहा। मेरे लिए एक पितृ तुल्य भाव से जीवन के एक लंबे कालखंड तक उनका सानिध्य मिलता रहा। उनके आशीर्वाद मिलते रहे और शायद सुनकर आश्चर्य होगा कि मैं जब मुख्यमंत्री था तब भी, प्रधानमंत्री बना तब भी, अगर कोई चीज उनको पसंद नहीं आती थी, तो मुझे स्पष्ट शब्दों में मार्गदर्शन करते थे। दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर का निर्माण हो रहा था, तो उनके आशीर्वाद से मैं शिलान्यास कार्यक्रम में था। बसंत पंचमी का पवित्र त्योहार और पूज्य शास्त्री जी महाराज की जन्म जयंती भी है। बसंत पंचमी मां सरस्वती यानी बुद्धि और विवेक की मानवीय प्रज्ञा और चेतना की देवी का पर्व है। यह मानवीय प्रज्ञा ही है, जिसने हमें सहयोग, सामंजस्य, समन्वय और सौहार्द जैसे आदर्शों को जीवन में उतारने की समझ दी है। मुझे आशा है कि यह मंदिर पूरी दुनिया के लिए सांप्रदायिक सौहार्द और वैश्विक एकता का प्रतीक बनेगा।

भारत यूएई के रिश्तों को जाने विश्व

मंदिर निर्माण में यूएई सरकार की मदद मिली। मंदिर का स्वप्न साकार करने में मेरे ब्रदर शेख मोहम्मद बिन जायद का पूरा सहयोग मिला। यूएई गवर्मेंट ने करोड़ों भारतीयों की इच्छा को पूरा कर 140 करोड़ हिन्दुस्तानियों का दिल जीता।

हमारे संबंधों ने एक नई ऊंचाई हासिल की है

भारत और यूएई की दोस्ती को पूरी दुनिया में आपसी विश्वास और सहयोग के एक उदाहरण के रूप में देखा जाता है। बीते वर्षों में हमारे संबंधों ने एक नई ऊंचाई हासिल की है, लेकिन भारत इन रिश्तों को केवल वर्तमान संदर्भ में ही नहीं देखता। हमारे लिए इनकी जड़ें हजारों साल पुरानी हैं। अरब सैंकड़ों वर्ष पहले भारत और यूरोप के बीच व्यापार में एक ब्रिज की भूमिका निभाता था। मैं जिस गुजरात से आता हूं, वहां के व्यापारियों के लिए हमारे पूर्वजों के लिए तो अरब व्यापारिक रिश्तों का प्रमुख केंद्र होता था। सभ्यताओं के इस समागम से ही नई संभावनाओं का जन्म होता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व सरकार शिखर सम्मेलन 2024 में हुए शामिल

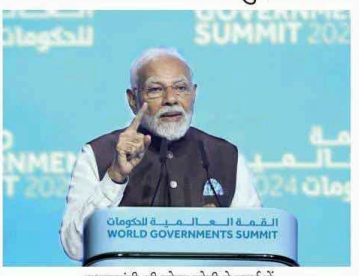

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। वे संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में पहुंचे। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में "भविष्य की सरकारों को आeकार देना" विषय पर संबोधन दिया। शिखर सम्मेलन में 20 वैश्विक नेताओं की भागीदारी रही। इनमें 10 राष्ट्रपति और 10 प्रधानमंत्री शामिल हैं। वैश्विक सभा में 120 से अधिक देशों की सरकारों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इससे पहले प्रधानमंत्री वर्ष 2018 में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन में सम्मानित अतिथि के रूप में भी शामिल हो चुके हैं।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन का मंत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में शासन के बदलते स्वरूप पर विचार साझा किये। उन्होंने "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" के मंत्र पर आधारित भारत के परिवर्तनकारी सुधारों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने देश के कल्याण, समावेशिता और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए शासन के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का आह्वान किया। उन्होंने एक समावेशी समाज का लक्ष्य हासिल करने के लिए जन-भागीदारी, अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं की पहुंच और महिला नेतृत्व पर आधारित विकास को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व को परस्पर जुड़ाव की प्रकृति को देखते हुए, सरकारों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग करना चाहिए और एक-दूसरे से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन का समावेशी, तकनीकी-स्मार्ट, स्वच्छ, पारदर्शी और हरित पर्यावरण को अपनाना समय की मांग है।

भारतीय सेना प्रमुख ने स्ट्राइकर व्हीकल हथियार पर सैन्य अधिकारियों से की चर्चा

भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे अमेरिका दौरे पर हैं। आर्मी चीफ फ्लोरिडा में फोर्ट मायर्स स्थित अमेरिकी सेना के बेस कैंप पहुंचे, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद आर्मी चीफ अर्लिंगटन नेशनल सीमेट्री (कब्रिस्तान) में बलिदान हुए सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। आर्मी चीफ ने अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ समेत कई अन्य शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात की। सेना प्रमुख के दौरे पर दोनों देशों के बीच ट्रेनिंग, साथ मिलकर हथियारों के विकास और उत्पादन को लेकर बातचीत हुई। दोनों देशों के बीच इन स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल्स को लेकर बातचीत चल रही है। स्ट्राइकर इंफेंट्री व्हीकल एक आठ पहियों वाली बख्तरबंद गाड़ी है, जिसमें जवान भी बैठ सकते हैं और यह कई अत्याधुनिक हथियारों और संचार साधनों से लैस है।

एआई-टीएफ के निर्माण से तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल ने अपने एआई टास्क फोर्स के लॉन्च की घोषणा की। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यूएस और भारतीय नेतृत्व को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण कदम है। व्यापार निकाय इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में काम करने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। एआई-टीएफ एआई अवधारणाओं और सिद्धांतों को आगे बढ़ाएगा।

एआई विकास व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देगा। यूएसआईबीसी अध्यक्ष अतुल केशप ने कहा कि एआई-टीएफ एक तरह से गेम चेंजर साबित होने वाला है। हम एआई की विशाल क्षमता का इस्तेमाल करना चाहते हैं। अमेरिका और भारत दोनों अर्थव्यवस्थाओं और हमारे नागरिक-नेतृत्व वाले समाज में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। यूएसआईबीसी एआई के विकास को लेकर उत्साहित है।

बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम

नैस्डैक के कार्यकारी उपाध्यक्ष एड नाइट ने कहा कि यूएसआईबीसी के एआई-टीएफ का निर्माण हमारे समय की सबसे नई और परिवर्तनकारी तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टास्क फोर्स एआई अपनाने के लिए एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करेगी। यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन के निदेशक डॉ. सेथुरमन पंचनाथन ने कहा कि सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद एआई उद्यम भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एआई अविश्वसनीय गति से आगे बढ़ रहा है।

रूस तैयार कर रहा एंटी सैटेलाइट हथियार, कई सुविधाएं होंगी बाधित

रूस एंटी सैटेलाइट हथियार बना रहा है। अमेरिकी व्हाइट हाउस के अनुसार एंटी सैटेलाइट हथियार से सैटेलाइट्स को मार गिराया जा सकता है। इन हथियारों से सैटेलाइट को तबाह किया जा सकता है। इससे कम्युनिकेशन, नेविगेशन, निगरानी समेत कई सुविधाएं बंद हो जाएंगी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक रूस ने यह हथियार अमेरिका के सैटेलाइट नेटवर्क को खत्म करने के लिए डिजाइन किया है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल अमेरिका के पास ऐसे हथियार का मुकाबला करने और अपने सैटेलाइट्स की सुरक्षा

करने की क्षमता नहीं है, जो चिंता का विषय है। रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की अमेरिकी रिपोर्टों का खंडन करते हुए इसे मनगढ़ंत कहानी बताया है। रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि जब तक इस मामले से जुड़ी पूरी रिपोर्ट पेश नहीं करता तब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी।

सैन्यीकरण की ओर बढ़ रहे हैं

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस और चीन दोनों अंतरिक्ष के अधिक सैन्यीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले साल जारी एक रिपोर्ट में रूस के अन्य सैटेलाइट निष्क्रिय करने की क्षमता वाले हथियारों के बारे में बताया गया था। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि रूस ने इन एंटी सैटेलाइट हथियारों का उपयोग करने से परहेज किया था।

भारत के पास भी है एंटी सैटेलाइट वेपन

भारत के पास एंटी-सैटेलाइट वेपन (मिसाइल) के लिए पृथ्वी एयर डिफेंस (पैड) सिस्टम है। इसे प्रद्युम्न बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर भी कहते हैं। यह एक्सो-एटमॉसफियरिक (पृथ्वी के वातावरण से बाहर) और एंडो-एटमॉसफियरिक (पृथ्वी के वातावरण से अंदर) के टारगेट पर हमला करने में सक्षम हैं। भारतीय मिसाइल की रेंज 2000 किमी है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।